नई दिल्ली । गुरुवार, 14 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :128 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल भारतीय महिला हॉकी टीम नेशंस कप से पहले...
@ विचार वैश्विक संकट के बीच सबसे बड़े कूटनीतिक मिशन...
@ व्यापार लगातार गिरावट से उबरा भारतीय शेयर बाजार...

'देश में अब कोयले से बनेगी गैस'

खरीफ फसलों का एमएसपी बढ़ाने को मिली मंजूरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिये 37 हजार 500 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इस योजना का उद्देश्य वर्ष 2030 तक 10 करोड़ टन कोयले के गैसीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य को गति देना है।

वर्तमान वैश्विक चुनौतियों और गैस आपूर्ति को लेकर पैदा हो रहे संकट के बीच मोदी सरकार ने बड़ा मास्टर स्ट्रोक चलते हुए देश के विशाल कोयला भंडार को ऊर्जा आत्मनिर्भरता का आधार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कोयले से गैस बनाने की महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी दी गयी। सरकार का मानना है कि अगले चार से पांच वर्षों में बड़े पैमाने पर कोयले से गैस का उत्पादन शुरू होने पर भारत गैस के मामले में आत्मनिर्भर बन सकेगा और उसे वर्तमान जैसी वैश्विक आपूर्ति चुनौतियों तथा आयात निर्भरता का सामना नहीं करना पड़ेगा। आज लिये गये फैसलों की जानकारी संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिये 37 हजार 500 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इस योजना का उद्देश्य वर्ष 2030 तक 10 करोड़ टन कोयले के गैसीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य को गति देना है। इसके तहत लगभग 7 करोड़ 50 लाख टन कोयला और लिग्नाइट के गैसीकरण का लक्ष्य रखा गया है। सरकार का मानना है कि इससे देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और एलएनजी, यूरिया, अमोनिया तथा मेथनाल जैसे उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम होगी। योजना के अंतर्गत संयंत्र और मशीनरी लागत का अधिकतम 20 प्रतिशत तक प्रोत्साहन दिया जायेगा। किसी एक परियोजना के लिये पांच हजार करोड़ रुपये तक की सीमा तय की गयी है। सरकार ने यह भी फैसला किया है कि गैसीकरण परियोजनाओं के लिये कोयला आपूर्ति अवधि को बढ़ाकर 30 वर्ष किया जायेगा ताकि निवेशकों को दीर्घकालिक स्थिरता मिल सके। इस योजना से लगभग ढाई से तीन लाख करोड़ रुपये का निवेश आने की संभावना है और करीब 50 हजार प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। सरकार के अनुसार इससे राज्यों को हर वर्ष लगभग छह हजार 300 करोड़ रुपये का राजस्व भी प्राप्त होगा।

मंत्रिमंडल की बैठक में खरीफ विपणन मौसम 2026-27 के लिये 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी को भी मंजूरी दी गयी। सरकार ने कहा कि इसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना है। सूरजमुखी के बीज के समर्थन मूल्य में सबसे अधिक 622 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गयी है। इसके बाद कपास में 557 रुपये, रामतिल में 515 रुपये और तिल में 500 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गयी है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर 2441 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। अरहर का समर्थन मूल्य 8450 रुपये, मूंग का 8780 रुपये और उड़द का 8200 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है।

सीबीएसई बोर्ड : 12वीं में 85% छात्र पास

लड़कियों का प्रदर्शन बेहतर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सीबीएसई 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उपस्थित हुए छात्रों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को इंटरमीडिएट (12वीं) बोर्ड की परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। ऐसे में जो छात्र-छात्राएं बोर्ड परिणाम जारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, वे अब बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के अलावा डिजीलॉकर पोर्टल और उमंग ऐप पर भी जाकर अपना रिजल्ट चेक करने के साथ स्कोरकार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। सीबीएसई की ओर से जारी नतीजों के मुताबिक, इस वर्ष परीक्षा में कुल 85.20 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं, जिसमें लड़कियों ने एक बार फिर बाजी मारते हुए लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। सीबीएसई 12वीं बोर्ड की परीक्षा में लड़कियों का कुल पास प्रतिशत 88.86 फीसदी और लड़कों का 82.13 फीसदी दर्ज किया गया है। सीबीएसई 12वीं रिजल्ट में 94,028 छात्रों ने 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं जबकि 17,113 छात्रों ने 95 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

सीबीएसई 12वीं बोर्ड का परिणाम चेक करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद 'सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (कक्षा XII) परिणाम 2026' लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद एक नया पेज खुलेगा; वहां अपना रोल नंबर, स्कूल नंबर, और एडमिट कार्ड आईडी दर्ज करें। फिर परिणाम आपके स्क्रीन पर खुल जाएगा। रिजल्ट को चेक करने के बाद मार्कशीट डाउनलोड कर लें। भविष्य के लिए मार्कशीट का प्रिंट आउट सुरक्षित निकाल कर रख लें।

बता दें कि इस वर्ष सीबीएसई की ओर से 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं 17 फरवरी से 9 अप्रैल के बीच आयोजित की गई थीं। वहीं, कंपार्टमेंट वाले छात्रों के लिए सप्लीमेंट्री परीक्षा 15 जुलाई को केवल एक दिन आयोजित की जाएगी। इसके लिए एलओसी (उम्मीदवारों की सूची) जमा करने की प्रक्रिया 2 जून से ऑनलाइन माध्यम से शुरू हो जाएगी।

केरल के नए सीएम का ऐलान आज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केरल में नए मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी सभी चर्चाएं और आंतरिक बैठकें पूरी कर ली हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने जानकारी दी कि इस मुद्दे पर अब अंतिम निर्णय गुरुवार को घोषित किया जाएगा। जयराम रमेश ने कहा कि केरल कांग्रेस विधायक दल के सदस्यों की मंजूरी के बाद पार्टी हाईकमान ने सभी जरूरी विचार-विमर्श पूरे कर लिए हैं।

कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री पद के चेहरे की घोषणा गुरुवार को सार्वजनिक रूप से की जाएगी। इसके साथ ही केरल की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू होने की संभावना है।

सीएलपी की मंजूरी के बाद हाईकमान का फैसला

कांग्रेस नेतृत्व के अनुसार, केरल में मुख्यमंत्री के चयन को लेकर पार्टी के भीतर व्यापक चर्चा हुई है। अब यह निर्णय पूरी तरह अंतिम चरण में पहुंच चुका है। पार्टी का कहना है कि सभी संबंधित नेताओं से विचार-विमर्श के बाद एक नाम पर अंतिम सहमति बनाई गई है, जिसकी आधिकारिक घोषणा कल की जाएगी।

तीन दिग्गजों में है मुख्य मुकाबला

सीएम की रेस में तीन बड़े नाम सबसे आगे चल रहे हैं। इनमें रमेश चेन्निथला, वीडी सतीशन और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल शामिल हैं। राहुल गांधी ने इन नामों पर राय जानने के लिए वीएम सुधीरण, एमएम हसन और के सुधाकरण जैसे आठ पूर्व अध्यक्षों से वन-टू-वन बात की है। मुल्लापल्ली रामचंद्रन से फोन पर चर्चा की गई।

दिल्ली में लगातार बैठकों का दौर

मुख्यमंत्री चयन को लेकर कांग्रेस नेतृत्व लगातार बैठकों में जुटा हुआ है। मंगलवार को राहुल गांधी ने दिल्ली में केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्षों से मुलाकात कर राज्य की राजनीतिक स्थिति और जनता के मूड पर चर्चा की।

नीट यूजी- पेपर लीक मामला: पांच आरोपी गिरफ्तार

मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित आपत्तिजनक सामग्री जब्त

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट यूजी-2026 परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के बड़े मामले में तेज कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एजेंसी ने देश भर में कई स्थानों पर छापेमारी भी की है और महत्वपूर्ण दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं।सीबीआई के अनुसार, इस मामले में गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों में नासिक (महाराष्ट्र) का रहने वाला शुभम खैरनार, जयपुर (राजस्थान) के मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल, दिनेश बिवाल और गुरुग्राम (हरियाणा) का यश यादव शामिल हैं।

जांच एजेंसी ने यह मामला 12 मई 2026 को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (उच्च शिक्षा विभाग) की लिखित शिकायत पर दर्ज किया था। एफआईआर में आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात समेत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। सीबीआई ने राजस्थान, महाराष्ट्र और हरियाणा समेत कई राज्यों में छापेमारी की। तलाशी के दौरान मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है। एजेंसी राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के साथ समन्वय में काम कर रही है, जिसने इस मामले की प्रारंभिक जांच की थी। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है। कई अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है। एजेंसी तकनीकी, डिजिटल फोरेंसिक और वित्तीय विश्लेषण के माध्यम से पूरे पेपर लीक सिंडिकेट की जड़ तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।सीबीआई ने कहा कि वह इस मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और पेशेवर जांच के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पेपर लीक से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। जो भी व्यक्ति इस घोटाले में शामिल पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एजेंसी ने अपील की है कि आमजन और परीक्षा से जुड़े किसी भी व्यक्ति के पास इस मामले से संबंधित कोई जानकारी हो तो वह सीबीआई को उपलब्ध कराए। जांच अभी जारी है और आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

विजय सरकार फ्लोर टेस्ट में पास

118 वोट चाहिए थे, 144 मिले

एजेंसी ■ चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा में वोटिंग के पहले डीएमके ने सदन से वॉकआउट किया। तमिलनाडु विधानसभा में बुधवार को मुख्यमंत्री विजय की टीवीके सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। वोटिंग के वक्त सदन में 171 विधायक मौजूद थे। इनमें 144 ने टीवीके का समर्थन किया। टीवीके के पक्ष में एआईएडीएमके के 25 बागी विधायकों नें भी वोट डाला। एआईएडीएमके के 47 विधायक हैं। 22 ने टीवीके सरकार का विरोध किया। फ्लोर टेस्ट में 59 विधायकों वाली डीएमके ने वॉकआउट कर दिया। सदन मे मौजूद पीएमके के 4 और भाजपा के एक विधायक वोटिंग में शामिल नहीं हुए।

फ्लोर टेस्ट के साथ एआईएडीएमके में फूट भी पड़ गई। पार्टी पलानीस्वीमी और सीवी षणमुगम में गुट में बंट गई। इसके बाद पार्टी के प्रमुख पलानीस्वामी ने एसपी वेलुमणि और सी वी शनमुगम समेत कई नेताओं को उनके पदों से हटा दिया है। सदन में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने एआईएडीएमके के बागी विधायकों और विजय की मुलाकात पर कहा कि यह मुलाकात बदलाव है या सौदेबाजी? क्या यही आपकी साफ-सुथरी सरकार है? टीवीके सरकार को इंस्टाग्राम रील के जरिए नहीं, बल्कि रियल गवर्नेंस करनी चाहिए। इस पर सीएम विजय ने कहा हमारी सरकार सेक्युलर तरीके से घोड़े की रफ्तार से काम करेगी न कि हॉर्स ट्रेडिंग में शामिल होगी।

'पूरी पीढ़ी को बर्बाद नहीं होने दे सकते', हाईकोर्ट

पोर्नोग्राफी वाले मोबाइल ऐप्स को हटाने का दिया आदेश

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने गूगल और एप्पल से कहा कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर मौजूद उन तमाम मोबाइल ऐप्स को हटाएं, जिनका इस्तेमाल पोर्नोग्राफी, वेश्यावृत्ति, ड्रग्स और दूसरे गैरकानूनी कामों के लिए हो रहा है। ये ऐप्स गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर पर उपलब्ध हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने कहा कि हम देश की पूरी पीढ़ी को बर्बाद होते नहीं देख सकते। गूगल और एप्पल की जिम्मेदारी बनती है कि वे ऐसे तमाम ऐप्स को हटाएं।

कोर्ट ने कहा कि इन ऐप्स की पहुंच बहुत बड़ी है और इनका असर सीधे समाज, खासतौर पर, युवाओं पर पड़ता है, इसलिए कंपनियों को पूरी सावधानी और निगरानी बरतनी होगी। ये भी सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे गैरकानूनी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर और एप्पल एप स्टोर पर अपलोड ही न हो। उन्होंने कहा कि आईटी रूल्स, 2021 के तहत इन कंपनियों की जिम्मेदारी है कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर गैरकानूनी और आपत्तिजनक कंटेंट को फैलने से रोकें।

दिल्ली हाईकोर्ट ने यह आदेश रुबिका थापा नाम की महिला की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिका में दावा किया गया है कि गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर पर कई ऐसे ऐप मौजूद हैं, जो पोर्नोग्राफी, वेश्यावृत्ति, मानव तस्करी, और ड्रग्स जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं।सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने याचिकाकर्ता की दलीलों का समर्थन करते हुए कहा कि ऐसे ऐप्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार अकेले दुनिया भर की हर चीज को ब्लॉक नहीं कर सकती, इसलिए गूगल और एप्पल जैसे प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

प्रतीक के शरीर पर मिले छह चोट के निशान

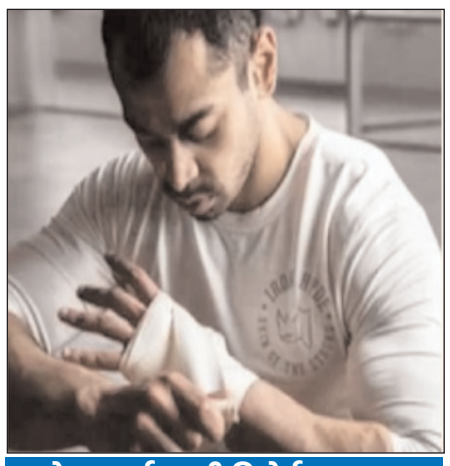

पोस्टमार्टम की रिपोर्ट खुलासा

एजेंसी ■ लखनऊ

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। उनकी उम्र 38 साल थी। सुबह 6 बजे पत्नी अपर्णा यादव के भाई अमन सिंह बिष्ट उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। लखनऊ मेडिकल कॉलेज में प्रतीक यादव के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि कार्डिएक अरेस्ट से प्रतीक की मौत हुई है। विसरा रिपोर्ट के बाद और चीजें स्पष्ट होंगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में एक और सामने आई है। जो कई सवाल खड़े कर रही है। प्रतीक की बॉडी पर छह चोट के निशान मिले हैं, इनमें तीन चोट पांच से सात पुरानी है और तीन चोट एक दिन पुरानी है। हालांकि इनका उनकी मौत से कोई कनेक्शन सामने नहीं आया है। लेकिन, ये चोट उनको कैसे लगी हैं, ये पता नहीं चल सका है।

हार्ट और फेफड़ों से मिले खून के थक्के

लखनऊ मेडिकल कॉलेज ने प्रतीक यादव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट जारी की है। डॉक्टरों के मुताबिक, मौत की वजह पल्मोनरी एम्बोलिज्म है। फेफड़ों में बड़ी मात्रा में खून के थक्के जम गए थे। इसी वजह से हार्ट और फेफड़ों ने काम करना बंद कर दिया, जिससे मौत हुई। हार्ट और फेफड़ों से मिले खून के थक्कों के नमूनों को आगे जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। शरीर के अंदरूनी अंगों को भी केमिकल जांच के लिए प्रीजर्व किया गया है।

शरीर पर मिले सभी चोट के निशान मौत से पहले के बताए गए हैं। डॉक्टरों के अनुसार, पल्मोनरी थ्रोम्बोएम्बोलिज्म ऐसी गंभीर स्थिति है, जिसमें खून के थक्के फेफड़ों की नसों को ब्लॉक कर देते हैं। इससे सांस लेने और शरीर में खून का प्रवाह बुरी तरह प्रभावित होता है। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता रविदास मेहरोत्रा ने युवक प्रतीक यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत पर गंभीर सवाल उठाए हैं। रविदास मेहरोत्रा ने कहा, 'हम प्रतीक यादव की असामयिक और अचानक मृत्यु से बेहद दुखी और आहत हैं। प्रतीक यादव को अस्पताल लाए जाने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें देखते ही मृत घोषित कर दिया। उनकी मौत प्राकृतिक नहीं थी। यह संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत है। उनके शरीर पर चोट के निशान थे और शरीर के अंदर जहर मिला था।

पवन खेड़ा मामले में जल्द चार्जशीट दाखिल करेगी पुलिस : असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के मामले में पुलिस जल्द ही चार्जशीट दाखिल करेगी। उन्होंने कहा कि अगर खेड़ा जांच में पूरा सहयोग करते रहे तो जांच तय समय में पूरी कर ली जाएगी।

सरमा ने कहा, ' 'सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार बुधवार को पवन खेड़ा जांच टीम के सामने पेश हुए। पुलिस उनसे सवाल पूछेगी। हम तय समय के भीतर चार्जशीट दाखिल करने की कोशिश करेंगे।''

उन्होंने कहा कि जांच की रफ्तार इस बात पर निर्भर करेगी कि पवन खेड़ा कितना सहयोग करते हैं। अगर सहयोग जारी रहा तो अंतिम चार्जशीट जल्दी दाखिल की जा सकेगी, लेकिन सहयोग नहीं मिलने पर समय लग सकता है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव से पहले पवन खेड़ा ने उनकी पत्नी से जुड़े जो दस्तावेज पेश किए थे, विदेश मंत्रालय की जांच में वे फर्जी पाए गए। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां चुनाव के दौरान कथित फर्जी दस्तावेज दिखाने और फैलाने को लेकर खेड़ा से पूछताछ करेंगी।

सरमा ने कहा कि जांच पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया के तहत चल रही है और राज्य सरकार इस मामले को जल्द खत्म करना चाहती है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा बुधवार को इस मामले में पूछताछ के लिए गुवाहाटी क्राइम ब्रांच दफ्तर पहुंचे और जांच में सहयोग किया।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दी थी और गिरफ्तारी से राहत देते हुए जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया था।

क्राइम ब्रांच दफ्तर के बाहर मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में खेड़ा ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा है और वे कानून का पालन करेंगे। यह मामला मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा की शिकायत पर दर्ज हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि पवन खेड़ा ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि उनके पास कई विदेशी पासपोर्ट हैं और विदेशों में आर्थिक हित जुड़े हुए हैं। एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराएं लगाई गई हैं। इनमें चुनाव से जुड़े गलत बयान, धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल, अपमान और मानहानि जैसी धाराएं शामिल हैं।

नीट यूजी पेपर लीक केसः संसदीय समिति में उठेगा मुद्दा, छात्रों ने एनटीए का किया घेराव

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 के पेपर लीक और अनियमितताओं का मामला लगातार गहराता जा रहा है। जांच एजेंसियों की पड़ताल में अब राजस्थान के बाद केरल से जुड़े तथ्य सामने आ चुके हैं। वहीं, इस मुद्दे को संसद की स्थायी समिति में उठाने की भी तैयारी कर ली गई है। दूसरी ओर, दिल्ली में नाराज छात्रों ने बुधवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग की। बता दें कि एमबीबीएस जैसे मेडिकल कोर्स में दाखिले के लिए ली जाने वाली नीट की परीक्षा रद्द कर दी गई है। यह परीक्षा 3 मई को हुई थी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को 7 मई की देर शाम, यानी परीक्षा के चार दिन बाद, परीक्षा से जुड़ी कथित अनियमितताओं के संबंध में कुछ सूचनाएं प्राप्त हुई थीं। एनटीए ने इन सूचनाओं को 8 मई की सुबह स्वतंत्र जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए केंद्रीय एजेंसियों को भेज दिया। अब सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है।जानकारी के मुताबिक, अभी तक हुई जांच में पता चला है कि नीट-यूजी 2026 परीक्षा से पहले प्रसारित हुआ एक गेस पेपर राजस्थान के सीकर जिले के एक छात्र तक पहुंचा था। यह छात्र वर्तमान में केरल में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है। बताया जा रहा है कि केरल से छात्र ने कथित तौर पर वह गेस पेपर अपने कुछ दोस्तों और एक हॉस्टल संचालक को भेजा था। जांच में यह भी सामने आया कि गेस पेपर में शामिल कई प्रश्न वास्तविक परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों से काफी मिलते-जुलते थे।फिलहाल, इस बात की जांच की जा रही है ।

सप्ताह में एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें मंत्रीगणः सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्यों से सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का आह्वान करते हुए शासन में मितव्ययिता, ऊर्जा संरक्षण और जनप्रेरक आचरण की नई कार्यसंस्कृति विकसित करने का संदेश दिया है। उन्होंने मंत्रीगणों से अपनी वाहन फ्लीट को 50 प्रतिशत तक कम करने का भी आह्वान किया है।

साथ ही सीएम योगी ने अगले छह माह तक प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर विदेश यात्राओं से परहेज करने के निर्देश दिए हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद संपन्न विस्तारित मंत्रिमंडल की पहली बैठक में उन्होंने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली को अधिक उत्तरदायी, अनुशासित और संसाधन-संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन संरक्षण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पेट्रोल और डीजल की खपत को न्यूनतम रखने संबंधी आह्वान का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल को स्वयं आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रीगण सप्ताह में एक निर्धारित दिन मेट्रो, बस, ई-रिक्शा, कारपूलिंग अथवा साइकिल जैसी सुविधाओं का उपयोग करें, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए और आमजन भी इससे प्रेरणा लें। उन्होंने शासन एवं प्रशासनिक कार्यों में डिजिटल और वर्चुअल माध्यमों के अधिकतम उपयोग पर बल देते हुए निर्देश दिए कि अंतरजनपदीय बैठकें, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा विधानसभा एवं विधान परिषद की स्टैंडिंग कमेटियों की बैठकें यथासंभव हाइब्रिड मोड में आयोजित की जाएं।

उन्होंने सचिवालय और निदेशालय स्तर पर एयरकंडीशनर एवं लिफ्ट के आवश्यकता-आधारित उपयोग के निर्देश देते हुए एसी का तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने तथा प्राकृतिक प्रकाश के अधिकतम उपयोग को प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने सार्वजनिक परिवहन, रेल यात्रा और कारपूलिंग को बढ़ावा देने के साथ 50 से अधिक कर्मचारियों वाले संस्थानों में सप्ताह में कम से कम दो दिन 'वर्क फ्रॉम होम' व्यवस्था अपनाने पर भी बल दिया।

सीएम भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद-धोलेरा सेमी हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट को मंजूरी देने के लिए केंद्र सरकार को दिया धन्यवाद

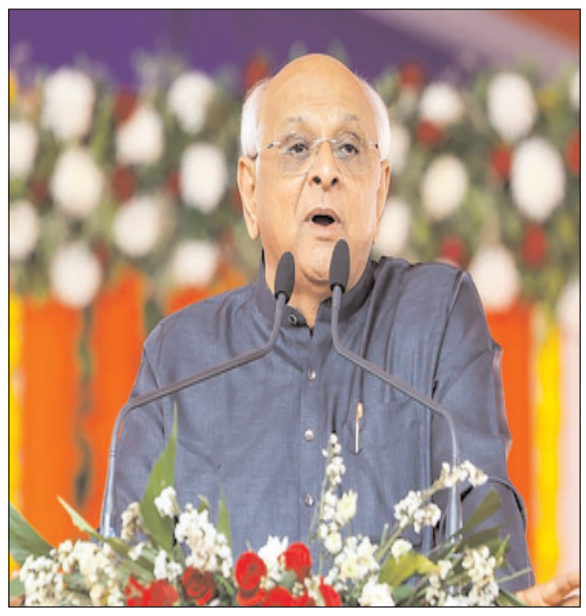

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने अहमदाबाद के सरखेज से धोलेरा तक 20,667 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली सेमी हाई स्पीड डबल लाइन रेल प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पीएम-गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत गुजरात को इस नए प्रोजेक्ट का यह महत्वपूर्ण विकास का तोहफा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का दिल से शुक्रिया अदा किया है।

'आत्मनिर्भर भारत' के कॉन्सेप्ट को साकार करते हुए और स्वदेशी टेक्नोलॉजी पर आधारित, भारतीय रेलवे का यह पहला सेमी-हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट अहमदाबाद, धोलेरा एसआईआर, निर्माणाधीन धोलेरा एयरपोर्ट और लोथल नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स के बीच तेज कनेक्टिविटी देने वाला एक मल्टी-डाइमेंशनल प्रोजेक्ट होगा।

सीएम ने कहा कि यह पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है कि भारत का पहला सेमी-हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट गुजरात में आ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के विजन से शुरू हुआ यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट गुजरात के मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। देश के पहले सेमी-हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट के तौर पर यह प्रोजेक्ट सेमी-हाई स्पीड रेल के फेज्ड विस्तार के लिए एक रेफरेंस मॉडल के तौर पर काम करने वाला एक पायनियरिंग प्रोजेक्ट होगा।

केंद्र सरकार से मंजूर यह प्रोजेक्ट, इंटीग्रेटेड प्लानिंग और स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन के जरिए मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक एफिशिएंसी को बढ़ाने पर फोकस करता है। यह प्रोजेक्ट लोगों, सामान और सर्विसेज के आने-जाने के लिए आसान कनेक्टिविटी देगा।

यह प्रस्तावित प्रोजेक्ट इंडियन रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 134 किमी और जोड़ेगा।

इसके अलावा, लगभग 284 गांवों की कनेक्टिविटी बढ़ेगी, जिससे लगभग 5 लाख लोगों को फायदा होगा। इतना ही नहीं, एक एनवायरनमेंट-फ्रेंडली और एनर्जी-एफिशिएंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम के हिस्से के तौर पर, यह प्रोजेक्ट फ्यूल बचाएगा और कार्बन एमिशन और लॉजिस्टिक्स कॉस्ट को कम करने में भी काफी मदद करेगा।

अमूल ने दूध की कीमतों में की बढ़ोतरी, प्रति लीटर 2 रुपए तक बढ़े दाम; 14 मई से लागू होंगी नई कीमतें

नई दिल्ली/अहमदाबाद। आम लोगों को महंगाई का एक और झटका लगने जा रहा है। गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (जीसीएमएमएफ), जिसके स्वामित्व में आनंद मिल्क यूनियन लिमिटेड (अमूल) है, ने बुधवार को अमूल ब्रांड के दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। नई दरें 14 मई 2026 से पूरे देश में लागू होंगी।

जीसीएमएमएफ की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, अमूल दूध की कीमतों में प्रति लीटर 2 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी अमूल ताजा, अमूल गोल्ड, अमूल शक्ति, अमूल टी स्पेशल और अन्य प्रमुख वैरिएंट्स पर लागू होगी।

अमूल ने बताया कि मई 2025 के बाद पहली बार दूध की कीमतों में इजाफा किया गया है। कंपनी के अनुसार, यह बढ़ोतरी औसतन 2.5 से 3.5 प्रतिशत के बीच है, जो सामान्य खाद्य महंगाई दर से कम है।

फेडरेशन ने कहा कि दूध उत्पादन की लागत लगातार बढ़ रही है। पशु आहार, दूध पैकेजिंग फिल्म और ईंधन की कीमतों में पिछले एक साल के दौरान काफी वृद्धि हुई है। इसी वजह से दूध के दाम बढ़ाने का फैसला लिया गया।

अमूल ने अपने बयान में कहा कि दूध की बिक्री से मिलने वाली राशि का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा सीधे दूध उत्पादकों और किसानों को दिया जाता है। पिछले एक साल में सदस्य संघों ने किसानों को दिए जाने वाले दूध के दाम में लगभग 30 रुपए प्रति किलो फैट यानी करीब 3.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। कंपनी का कहना है कि दूध की कीमतों में की गई बढ़ोतरी का बड़ा हिस्सा किसानों तक पहुंचेगा, जिससे उन्हें दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

गुजरात (अहमदाबाद, सौराष्ट्र और कच्छ) के लिए अमूल दूध के प्रमुख पैक की नई एमआरपी इस प्रकार होगी।

यूपी में आंधी-बारिश ने मचाई तबाहीः प्रदेश में 47 लोगों ने गंवाई जान, फसलों को भारी नुकसान

लखनऊ। प्रदेश में बुधवार को आई तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि ने भारी तबाही मचाई। प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों पर बने चक्रवाती परिसंचरण व दक्षिणी राजस्थान से आ रही पुरवा हवा से कई जिलों में 100 किमी प्रति घंटा से अधिक रफ्तार से आंधी चली।

इस कारण अलग-अलग जिलों में पेड़, दीवार और बिजली गिरने से कुल 47 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। आंधी के कारण रेल और बिजली व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित रही। सबसे अधिक असर प्रयागराज मंडल में देखने को मिला।

प्रयागराज में 16, प्रतापगढ़ में चार और कौशांबी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। प्रयागराज के हंडिया क्षेत्र में सबसे ज्यादा 10 लोगों ने जान गंवाई। तेज चक्रवाती आंधी के दौरान दो हजार से अधिक पेड़ उखड़ गए। रेल लाइनों पर पेड़ गिरने से कई ट्रेनें रास्ते में खड़ी रहीं।

प्रयागराज-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस भी करीब सवा घंटा रुकी रही। कानपुर और आसपास के जिलों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि के दौरान 12 लोगों की मौत हुई। फतेहपुर में निर्माणाधीन भवन गिरने, पेड़ टूटने और हादसों में सात लोगों की जान चली गई।

बांग्लादेश को भाजपा की बंगाल जीत से रिश्तों में नए दौर की उम्मीद, तीस्ता समझौते पर बढ़ी आस

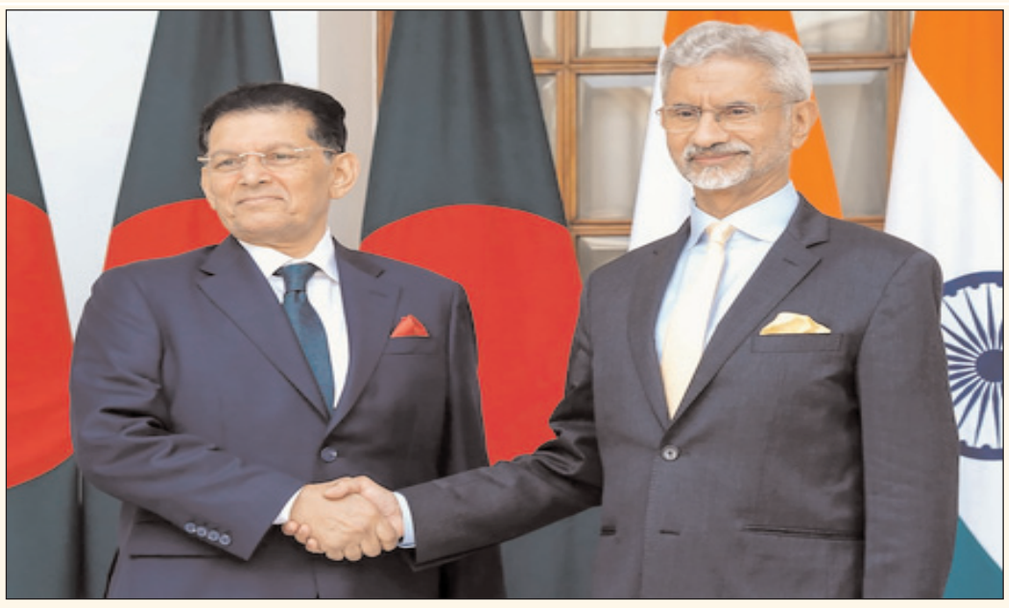

ढाका। पश्चिम बंगाल चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़ी जीत सिर्फ पूर्वी भारत की राजनीति और शासन को ही नहीं बदल सकती, बल्कि भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में भी एक नया और ज्यादा सकारात्मक दौर शुरू कर सकती है। ढाका के स्थानीय मीडिया में इस बात को लेकर चर्चा हो रही है।

बांग्लादेश के अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' के एक संपादकीय के मुताबिक, भारत और बांग्लादेश के बीच लंबे समय से दक्षिण एशिया की सबसे मजबूत और सफल साझेदारियों में से एक रही है। सुरक्षा, व्यापार, ऊर्जा और कनेक्टिविटी जैसे कई क्षेत्रों में दोनों देशों ने मिलकर काम किया है, जो व्यावहारिक कूटनीति का एक अच्छा उदाहरण माना जाता है।

हालांकि, कुछ पुराने और अनसुलझे मुद्दों की वजह से समय-समय पर रिश्तों में तनाव भी आया है। इनमें सबसे बड़ा मुद्दा तीस्ता नदी के पानी बंटवारे का समझौता है, जो लंबे समय से अटका हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अब कोलकाता में भाजपा की सरकार बनने और केंद्र में पहले से एनडीए की सरकार होने से इन पुराने मुद्दों को ज्यादा तालमेल और तेजी के साथ हल करने का अच्छा मौका मिल सकता है।

रिपोर्ट में बताया गया कि तीस्ता नदी हिमालय से निकलती है, फिर सिक्किम और पश्चिम बंगाल से होकर बांग्लादेश में जाती है। बांग्लादेश के उत्तरी इलाकों में लाखों किसान इसकी पानी पर निर्भर हैं।

भारत और बांग्लादेश 2011 में पानी बंटवारे के समझौते के काफी करीब पहुंच गए थे, लेकिन उस समय पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार ने स्थानीय पानी की जरूरतों का हवाला देते हुए आपत्ति जताई थी, जिसके कारण समझौता नहीं हो पाया।

तब से तीस्ता का मुद्दा दोनों देशों के अच्छे रिश्तों के बीच अधूरे काम की तरह देखा जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत से राज्य और केंद्र दोनों जगह एक ही राजनीतिक नेतृत्व होने की स्थिति बनी है। इससे दोनों देशों के बीच पुराने मुद्दों को सुलझाने और रिश्तों को और मजबूत करने का मौका मिल सकता है।

संपादकीय में कहा गया, 'अगर तीस्ता और बाकी लंबित मुद्दों पर प्रगति होती है तो यह सिर्फ पुराने विवादों का समाधान नहीं होगा, बल्कि दक्षिण एशिया के सबसे अहम रिश्तों में से एक को और मजबूत करेगा। इतिहास, भूगोल और साझा सपनों से जुड़े इन दो देशों के लिए यह एक नए दौर की शुरुआत हो सकती है, ऐसा दौर जो भरोसे, सहयोग और साझा समृद्धि पर आधारित होगा।'

इसके अलावा रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का हाई कमिश्नर बनाए जाने को भी एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। इससे यह संदेश जाता है कि नई दिल्ली इस अहम पड़ोसी रिश्ते में नई राजनीतिक ऊर्जा लाना चाहती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बंगाल की राजनीति और बांग्लादेश के साथ सांस्कृतिक रिश्तों की त्रिवेदी की समझ दोनों देशों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है, खासकर तब जब दोनों देश पुराने मतभेदों को पीछे छोड़कर साझा अवसरों पर ध्यान देना चाहते हैं।

संक्षिप्त खबरें

बिना एनओसी मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्य, ग्रामीणों को किया जा रहा परेशान

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने देवरी–अल्दा गांव के ग्रामीणों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की, उन्होंने कहा कि मंत्री टंकराम वर्मा के निर्वाचन क्षेत्र में ग्रामीणों की सहमति और पंचायत प्रस्तावों को नजरअंदाज कर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। बघेल ने दावा किया कि बिना ग्राम सभा और पंचायत की एनओसी के निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर काम किए गए और विरोध करने वाले ग्रामीणों को ही उल्टा परेशान किया जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ‘स्थिति ऐसी हो गई है जैसे उल्टा चोर कोतवाल को डांटे।‘ प्रेस कॉन्फ्रेंस में भूपेश बघेल ने कुम्हारी में हुए आग और सिलेंडर ब्लास्ट हादसे को लेकर भी सरकार और बिजली विभाग पर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि इलाके में खराब बिजली पोल और तारों को लेकर लंबे समय से शिकायतें हो रही थीं, लेकिन सुधार नहीं किया गया। बघेल ने कहा कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी और लापरवाही के कारण 4 लोगों की जान चली गई। उन्होंने बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर स्नढ्ढक्रदर्ज करने और मृतकों के परिजनों को अधिक मुआवजा देने की मांग की।

खुद को उड़ाना चाहता था कांग्रेस महापौर का साला

रायपुर। राजधानी रायपुर में देसी बम बनाने वाला आरोपी विनय देवांगन पकड़ा गया है। वह कांग्रेस नेता और बीरगांव महापौर नंदलाल देवांगन का साला है। पुलिस ने उसे 12 मई की रात रावाभाठा इलाके से गिरफ्तार किया है, इसी इलाके में मितानिन के घर से बम बनाने का रॉ मटेरियल मिला था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि, वह फैमिली से परेशान था। खुद को बम से उड़ाकर खत्म करने की नियत से उसने विस्फोटक बनाने का सामान खरीदा था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सिरफिरा किस्म का है। 3 बार घर छोड़कर भाग चुका है, घरवालों से बात भी नहीं करता था। मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है।

इंधन बचाने छत्तीसगढ़ के मंत्रियों ने काफिले के वाहनों की संख्या घटाई

रायपुर। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा पिछले दिनों किए गए राष्ट्रव्यापी आह्वान पर छत्तीसगढ़ प्रदेश के केबिनेट मंत्रियों ने काफिले से वाहनों की संख्या घटाना शुरू कर दिया है, जो एक सुखद संकेत है। वहीं इंधन बचत की दृष्टि से भी आम लोगों को अनुकूल प्रयास नजर आने लगा है। इन सफेदफोश नेताओं ने कदम उठाकर आम लोगों से भी अपील की है कि देश के लिए समर्पित भावना से इंधन बचाने की दिशा में कार्य करें।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने घटाया अपना काफिला

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए देशवासियों से की गई अपील का सम्मान करते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने अपने प्रोटोकॉल काफिले से 4 वाहनों का उपयोग कम करने का फैसला लिया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया ईंधन संरक्षण और संसाधनों के संयमित उपयोग का आह्वान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रहित में ईंधन संरक्षण एवं संसाधनों के संयमित उपयोग को लेकर किए गए आह्वान का समर्थन करते हुए कहा है कि वैश्विक ऊर्जा संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों के इस दौर में पेट्रोल–डीजल जैसे मूल्यवान संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करना हम सभी का राष्ट्रीय दायित्व है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण विषय है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इसी भावना से प्रेरित होकर राज्य शासन द्वारा शासकीय स्तर पर ईंधन की खपत कम करने और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की दिशा में ठोस पहल की जा रही है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने छोड़ा विशेष प्रोटोकॉल वाहन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग एवं सादगीपूर्ण जीवनशैली अपनाने के आह्वान से प्रेरित होकर छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने स्थिति सामान्य होने तक सुरक्षा संबंधी अत्यंत आवश्यक परिस्थितियों को छोड़कर पायलट वाहन, फॉलो गाड़ी एवं अन्य विशेष प्रोटोकॉल वाहनों का उपयोग नहीं करने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने देशभर के व्यापारिक संगठनों से किया सीधा संवाद

रायपुर। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी ने बताया कि नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड, भारत सरकार के चेयरमेन सुनील सिंघी के माध्यम से ‘एफटीए के प्रभावी उपयोग’ विषय पर एक महत्वपूर्ण वर्चुअल संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। इस विशेष संवाद कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों, उद्योग संगठनों एवं निर्यात क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ–साथ छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी एवं व्यापारी बड़ी संख्या में जुड़े। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने व्यापारिक समुदाय से सीधा संवाद कर के माध्यम से उपलब्ध हो रहे नए अवसरों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में भारत सरकार द्वारा विभिन्न देशों के साथ हुए एफटीए के तहत व्यापार एवं निर्यात क्षेत्र को मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही अधिकारियों द्वारा सेक्टर वाइज प्रेजेंटेशन प्रस्तुत कर विभिन्न उद्योगों एवं व्यापारिक क्षेत्रों के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी गई।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत सरकार ने निर्यात को प्रोत्साहन देने हेतु अनेक प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया है तथा जो भी व्यापारी एवं उद्योगपति निर्यात के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें भारत सरकार द्वारा हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने व्यापारिक समुदाय से स्नञ्ज का अधिकतम लाभ लेने का आह्वान किया।

10 साल से खाँसी की समस्या से जूझ रहे युवक को अम्बेडकर अस्पताल में मिली नई जिंदगी

अत्याधुनिक ‘लंग स्टेपलर’ तकनीक से हुई सफल सर्जरी

रायपुर। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग ने एक अत्यंत जटिल एवं जीवनरक्षक सर्जरी कर 25 वर्षीय युवक की जान बचाने में सफलता प्राप्त की है। मरीज लंबे समय से खांसी के साथ खून आने की गंभीर समस्या से पीड़ित था। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी थी कि प्रत्येक बार खांसने पर लगभग 50 से 70 एमएल तक खून निकल रहा था। डॉक्टरों के अनुसार यदि समय रहते ऑपरेशन नहीं किया जाता तो अत्यधिक रक्तस्राव के कारण मरीज की जान भी जा सकती थी।

अस्पताल के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू ने बताया कि अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट, चेस्ट एंड वैस्कुलर सर्जरी विभाग में छाती एवं फेफड़ों के अधिकांश ऑपरेशन उन्नत तकनीक से की जा रही है। अभनपुर के पास चटौद निवासी 25 वर्षीय युवक को पिछले लगभग 10 वर्षों से खांसी के साथ बलगम में खून आने की शिकायत थी। प्रारंभ में यह समस्या कम थी, लेकिन पिछले एक माह से लगातार बढ़ रही थी। पिछले कुछ दिनों में स्थिति और गंभीर हो गई तथा हर बार खांसने पर अत्यधिक मात्रा में खून आने लगा। मरीज ने पूर्व में टीबी की दवाइयों का सेवन भी किया था तथा उपचार के लिए कई बड़े अस्पतालों में परामर्श लिया, लेकिन उसे राहत नहीं मिली। जांच के दौरान मरीज का सीटी स्कैन कराया गया, जिसमें दाएं फेफड़े के निचले हिस्से (लोअर लोब) में बड़ी कैविटी बनने एवं उसमें एस्परजिलोमा नामक फंगल संक्रमण होने की पुष्टि हुई। यह बीमारी सामान्यत: टीबी से पीड़ित मरीजों में देखने को मिलती है। सीटी स्कैन रिपोर्ट का परीक्षण करने के बाद डॉ. साहू ने बताया कि मरीज की जान बचाने के लिए तत्काल ऑपरेशन आवश्यक था। इस सर्जिकल प्रक्रिया को मेडिकल भाषा में लोबेक्टॉमी (लोअर लोब ऑफ राइट लंग) कहा जाता है, जिसमें फेफड़े के संक्रमित हिस्से को काटकर निकाला जाता है। यह ऑपरेशन अत्यंत जटिल एवं हाई–रिस्क सर्जरी की श्रेणी में आता है, क्योंकि ऑपरेशन के दौरान फेफड़ों की प्रमुख रक्त वाहिनियों– पल्मोनरी आर्टरी एवं पल्मोनरी वेन, को क्षति पहुंचने का खतरा बना रहता है।

परिजनों की सहमति मिलने के बाद मरीज का अगले ही दिन आपातकालीन ऑपरेशन किया गया। सर्जरी के दौरान अत्याधुनिक लंग स्टेपलर गन तकनीक का उपयोग किया गया, जिससे ऑपरेशन के बाद एयर लीक जैसी जटिलताओं की संभावना कम हो सके। सफल सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ और कुछ दिनों बाद उसे पूर्णत: स्वस्थ होने पर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

मुझे कोई किनारे नहीं कर सकता : बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर। भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि मैं जब तक सक्रिय हूं, तब तक मुझे कोई किनारे नहीं कर सकता और न ही मेरे साथ कोई सौतेला व्यवहार कर सकता है। उन्होंने कहा कि मैं 10 साल तक कोर ग्रुप में रहा हूं, अब नए लोगों को जिम्मेदारी दी गई है जो कि एक सामान्य प्रक्रियात्मक बदलाव है

क्योंकि कोई भी व्यक्ति एक ही जगह जिंदगी भर नहीं रहेगा और समय–समय पर लोग बदलते रहते हैं। बृजमोहन ने ये बातें रायपुर के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में कही हैं।

वहीं, इस बैठक में शामिल होने के लिए भाजपा नेता रिक्शा से पहुंचे थे, जिनके पीछे उनका काफिला चल रहा था। इस पर सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील के बाद हमने भी अपने कारकेड (काफिले) में कटौती की है और आने वाले समय में हम ई–वाहन के उपयोग पर जोर देंगे।

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ। चुनावों में जीत पर जनता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। भाजपा का वोट प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। कांग्रेस ने महिला आरक्षण का विरोध किया, उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पहले बैठकों में कार्यकर्ता अपनी पीड़ा बताते थे, लेकिन अब भाजपा कार्यसमिति में नक्सल उन्मूलन पर चर्चा हो रही है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : 115 करोड़ की गड़बड़ी का किया खुलासा

रायपुर। राजधानी रायपुर में शराब घोटाला मामले में एसीबी–ईओडब्ल्यू ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मैनपावर कंपनी से जुड़े 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

आरोप है कि वर्ष 2019–20 से 2023–24 के बीच ओवर टाइम भुगतान के नाम पर मैन पावर एजेंसियों को करीब 115 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया।

जांच एजेंसियों के अनुसार यह पूरा खेल विभागीय अधिकारियों और प्लेसमेंट एजेंसियों की मिलीभगत से किया गया।

मामले के सामने आने के बाद आबकारी विभाग और प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। जांच एजेंसी अब दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन की भी गहन जांच कर रही है। मामले में गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी मैन पावर सप्लाई से जुड़े हुए थे और इन्होंने अधिकारियों के साथ मिलकर फर्जी तरीके से ओवर टाइम भुगतान का बड़ा नेटवर्क तैयार किया।

बताया जा रहा है कि कर्मचारियों के नाम पर अतिरिक्त भुगतान दिखाकर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया गया। एसीबी–ईओडब्ल्यू ने आरोपियों से पूछताछ के बाद कई अहम दस्तावेज और जानकारियां जुटाई हैं।

एजेंसी का कहना है कि घोटाले की रकम और उससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच जारी है। मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। सभी आरोपी ईओडब्ल्यू की रिमांड पर थे और रिमांड अवधि पूरी होने के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया।

कोर्ट ने सुनवाई के बाद सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। जांच अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान कई अहम तथ्य सामने आए हैं, जिनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही।

वैभवपूर्ण और आर्थिक समृध्दिशाली भारत बनाना हमारा लक्ष्य : शिवप्रकाश

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में बुधवार को भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक आहूत की गई। बैठक का शुभारंभ राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री द्वय अरूण साव एवं विजय शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने उपस्थित पदाधिकारियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की जो चर्चा हम करते हैं उससे जन–जन को जोड़ने का कार्य करने वाले महापुरूष पश्चिम बंगाल से आते है। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की कर्मभूमि प. बंगाल में भाजपा की जीत हमारी वैचारिक जीत है। इसके साथ ही असम सहित दूसरे राज्यों में हमारी महत्वपूर्ण जीत हुई है। हम भारत को वैभवपूर्ण एवं विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को लेकर चल रहे हैं। समरस समाज का निर्माण हमारा लक्ष्य हो। कार्यकर्ता की संवेदनशीलता का भाव प्रेरणा का स्त्रोत होता है। वैभवपूर्ण और आर्थिक समृध्दिशाली भारत बनाना हमारा लक्ष्य है। विकास और सुशासन में संतुलन बनाते हुए 140 करोड़ भारतवासियों में सांस्कृतिक गौरव का भाव स्थापित करना है। उस लक्ष्य के लिए भाजपा की राजनीतिक यात्रा चल रही है। हम सब मिलकर फिर से मजबूत छत्तीसगढ़ व विकसित भारत के लिए जुटेंगे।

मोदी की गारंटी के वादों को पूरा करके जन विश्वास अर्जित किया है – मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं पर भाजपा के जनाधार को लगातार बढ़ाने की महती जिम्मेदारी है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत, असम व पुडुचेरी में लगातार शानदार वापसी की बधाई देते हुए इन चुनावों राज्यों में छत्तीसगढ़ के प्रवासी कार्यकर्ताओं के अनथक परिश्रम का जिक्र कर उनका अभिनंदन किया।

भाजपा कार्यकर्ता 365 दिन सक्रिय रहते हैं – किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की जीत बहुत बड़ी जीत है। विश्व में इसकी चर्चा हुई। तमिलनाडु व केरलम में भी हमारी ताकत बढ़ी है। इसके लिए सभी प्रवासी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए श्री देव ने विधानसभा चुनाव से लेकर लोकसभा, पंचायत व नगरीय निकाय चुनावों के साथ संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की।

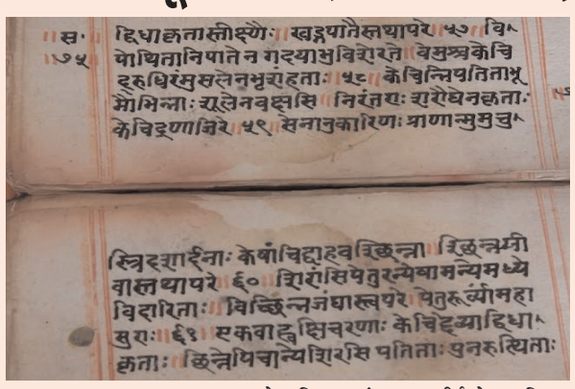

पूजाघर के बस्ते में मिला पूर्वजों के ज्ञान-खजाना, मिलीं सौ साल पुरानी पांडुलिपियां

रायपुर। ‘ज्ञानभारत राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान’ के तहत सरगुजा जिले के बरगंवा ग्राम में एक ऐतिहासिक सफलता मिली है। यहाँ चौबे परिवार द्वारा पीढ़ियों से सहेजकर रखी गई दुर्लभ पांडुलिपियों का पता चला है, जिनका अब जिला प्रशासन द्वारा डिजिटल संरक्षण किया गया है। यह खोज जिले की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को अक्षुण्ण रखने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है।

सर्वेक्षण के दौरान बरगंवा निवासी 72 वर्षीय बाल कृष्ण चौबे के घर दो महत्वपूर्ण पांडुलिपियां प्राप्त हुईं। चौबे ने अपने पूर्वजों की इस अमानत को दशकों से अपने पूजाघर में कपड़े के बस्ते में सुरक्षित रखा था। बन दुर्गा महामंत्र यह पांडुलिपि चौबे के छोटे दादा स्वर्गीय देवदत्त शर्मा द्वारा 27 अगस्त 1932 को हस्तलिखित रूप में तैयार की गई थी। दुर्गा सप्तशती लगभग वर्ष 1895–96 की यह पांडुलिपि 183 पृष्ठों की है। सौ साल से अधिक पुरानी होने के बावजूद इसके पन्ने आज भी सुरक्षित हैं।

डिजिटल संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षा

कलेक्टर अजीत वसंत और जिला पंचायत सीईओ विनय अग्रवाल के नेतृत्व में इन दस्तावेजों का दस्तावेजीकरण किया गया। डिजिटल संरक्षण के दौरान कलेक्टर स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि ये पांडुलिपियां केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और प्राचीन ज्ञान परंपरा का जीवंत इतिहास हैं। इन्हें डिजिटल रूप में सुरक्षित करना आने वाली पीढ़ियों को उनकी जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

प्रमुख बिंदु और उपलब्धियां

पांडुलिपियों की विस्तृत जानकारी और डिजिटल प्रतियों को ज्ञानभारतम पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। विशेषज्ञों ने पांडुलिपियों की उत्कृष्ट स्थिति को देखकर चौबे परिवार की श्रद्धा और संरक्षण प्रयासों की सराहना की। अभियान का लक्ष्य है कि जिले में छिपी ऐसी ऐतिहासिक और प्राचीन धरोहरों को तकनीक के माध्यम से दुनिया के सामने लाना और उन्हें नष्ट होने से बचाना। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर शारदा अग्रवाल, जनपद सीईओ राजेश सेंगर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

महतारी वंदन योजना में गड़बड़ी पर सख्ती ई-केवायसी के नाम पर शुल्क वसूलने वाले 4 सीएससी सेंटर ब्लॉक

रायपुर। महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं के ई–केवायसी कार्य में अनियमितता और शुल्क वसूली की शिकायतों पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। महासमुंद जिले में ई–केवायसी के एवज में हितग्राहियों से राशि मांगने के आरोप में 4 सीएससी संचालकों की आईडी ब्लॉक कर दी गई है।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देश पर प्रोजेक्ट मैनेजर रायपुर की टीम ने जांच की। जांच में शिकायतें सही पाए जाने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि महतारी वंदन योजना अंतर्गत ई–केवायसी की प्रक्रिया पूरी तरह नि:शुल्क है और किसी भी प्रकार की राशि लेना नियम विरुद्ध है।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी ग्राम पंचायत, वार्ड कार्यालय या सीएससी सेंटर में ई–केवायसी के नाम पर शुल्क मांगा जाता है, तो इसकी तत्काल शिकायत करें, ताकि संबंधित केंद्रों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जा सके। जिन सीएससी संचालकों की आईडी ब्लॉक की गई है, उनमें सरायपाली क्षेत्र के परशुराम रात्रे, राजू बरिहा और नरहरि कुमार तथा बसना क्षेत्र की वृंदावती भोई शामिल हैं। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि योजना में गड़बड़ी या हितग्राहियों से अवैध वसूली करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

हाई कोर्ट के आदेश बाद 11 डिप्टी कलेक्टर्स को मिली जॉइनिंग

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग 2021 भर्ती घोटाले से जुड़े मामले में हाई कोर्ट के महत्वपूर्ण फैसले के बाद राज्य सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डिप्टी कलेक्टर पद पर चयनित 11 अभ्यर्थियों को जॉइनिंग आदेश जारी कर दिया है। यह फैसला उन उम्मीदवारों के पक्ष में आया है, जिनके खिलाफ अब तक सीबीआई कोई ठोस सबूत या चार्जशीट पेश नहीं कर पाई है। दरअसल, सीजीपीएससी 2021 भर्ती प्रक्रिया में डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी समेत विभिन्न पदों पर कुल 44 अभ्यर्थियों का चयन हुआ था। भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और फर्जीवाड़े के आरोप सामने आने के बाद राज्य सरकार ने पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। जांच के दौरान चार चयनित अभ्यर्थियों के खिलाफ सीबीआई ने स्पेशल कोर्ट में चालान पेश किया, जिसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। वहीं शेष अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी।

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ताओं ने कोर्ट को बताया कि उनके मुवक्किलों के खिलाफ न तो कोई प्रत्यक्ष सबूत मिला है और न ही सीबीआई ने उनके खिलाफ चार्जशीट दायर की है। इस पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि जिन अभ्यर्थियों के खिलाफ कोई ठोस प्रमाण या चालान नहीं है, उन्हें 60 दिनों के भीतर जॉइनिंग दी जाए। हाई कोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार ने तत्काल प्रभाव से 11 चयनित अभ्यर्थियों को डिप्टी कलेक्टर पद पर नियुक्ति देने का आदेश जारी कर दिया। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में अन्य पात्र अभ्यर्थियों को भी राहत मिल सकती है। गौरतलब है कि ष्टत्नक्क्ष्ट 2021 भर्ती घोटाले में कई बड़े नाम सामने आए थे। सीबीआई जांच में तत्कालीन पीएससी चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी, उद्योगपति श्रवण गोयल समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसी ने दावा किया था कि भर्ती प्रक्रिया में रिश्तेदारों और प्रभावशाली लोगों के करीबी अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया।

कुत्तों की उतारी आरती, फिर भेजा गया स्वान केंद्र

जगदलपुर। बस्तर संभाग के जगदलपुर में इन दिनों आवारा कुत्तों का आतंक कम और नगर निगम का श्वान प्रेम ज्यादा चर्चाओं में है। शहर में डॉग बाइट की घटनाओं के बीच निगम ने नसबंदी अभियान तो शुरू किया, लेकिन अंदाज़ ऐसा रखा कि लोग समझ ही नहीं पाए, यह सरकारी अभियान है, धार्मिक अनुष्ठान है या फिर हाई-वोल्टेज पीआर शो. दरअसल, महाराणा प्रताप वार्ड में कुत्तों को पकड़ने से पहले उनके माथे पर तिलक लगाया गया, आरती उतारी गई और फिर पूरे सम्मान के साथ नसबंदी केंद्र भेजा गया।

कुत्ते बने सरकारी मेहमान

जगदलपुर नगर निगम के अभियान में नजारा बिल्कुल फिल्मी था, आम दिनों में जिन आवारा कुत्तों को देखकर लोग रास्ता बदल लेते हैं, उन्हीं कुत्तों का निगम ने ऐसा स्वागत किया जैसे किसी मंत्री का दौरा हो। महापौर संजय पाण्डेय पूजा की थाली लेकर खड़े थे, पहले रोली-चंदन का तिलक, फिर धूप-दीप से आरती और उसके बाद नसबंदी प्रक्रिया, बेचारे कुत्ते भी शायद सोच रहे होंगे, कल तक डंडा लेकर दौड़ाने वाले आज इतना प्यार क्यों लुटा रहे हैं। निगम का कहना है कि यह पूरा अभियान रेबीज और डॉग बाइट की घटनाओं को रोकने के लिए चलाया जा रहा। मकसद सही है, लेकिन तरीका ऐसा कि पूरा अभियान डॉग कंट्रोल से ज्यादा इवेंट मैनेजमेंट लगने लगा। नगर निगम ने अभियान में पशु प्रेमियों और विशेष टीम को भी शामिल किया, ताकि कुत्तों के साथ किसी तरह की बेरहमी न हो, यह कदम सराहनीय माना जा सकता है, लेकिन सवाल वहीं खड़ा है, क्या संवेदनशीलता दिखाने के लिए धार्मिक तामझाम जरूरी था। आयोजन को देखकर लगा मानो महापौर संजय पाण्डेय ने इस पूरे अभियान को जनहित से ज्यादा जनसंपर्क का माध्यम बना दिया। आज के दौर में काम बोले या न बोले, कैमरा जरूर बोलता है। हकीकत यह है कि शहर में आवारा कुत्तों की समस्या गंभीर है, लोग रात में निकलने से डरते हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर हमले की घटनाएं सामने आती रहती हैं।

रायगढ़ में 1 करोड़ के आईपीएल सट्टा का खुलासा, 2 लाख रुपए बरामद

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पुलिस ने आईपीएल ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 करोड़ से ज्यादा कैश, नोट गिनने की मशीन और मोबाइल जब्त किए। हवाला और ब्लैक मनी कनेक्शन की जांच जारी।

रायगढ़ में आईपीएल ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क पर पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये कैश बरामद किए हैं। पुलिस जब छापेमारी करने पहुंची तो फ्लैट के अंदर नोटों के बंडल देखकर अफसरों के भी होश उड़ गए। हालात ऐसे थे कि कैश गिनने के लिए नोट गिनने की मशीन बुलानी पड़ी। रायगढ़ पुलिस ने कार्रवाई में 1 करोड़ 2 लाख 81 हजार 300 रुपये नकद, नोट गिनने की मशीन, 4 मोबाइल फोन और अन्य सामग्री जब्त की है। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

रायपुर से दिल्ली तक फैला था नेटवर्क

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि यह कोई छोटा-मोटा सट्टा गिरोह नहीं, बल्कि रायगढ़, सक्ती, रायपुर, बिलासपुर से लेकर दिल्ली तक फैला बड़ा ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा सिंडिकेट था। पुलिस के मुताबिक आरोपी करन चौधरी उर्फ करन अग्रवाल लंबे समय से इस नेटवर्क को ऑपरेट कर रहा था।

सट्टे से कमाए गए पैसों को सीधे रखने के बजाय पेट्रोल पंप, मेडिकल स्टोर और अन्य कारोबारियों के जरिए कैश डंप किया जाता था। बाद में हवाला चैनलों के जरिए रकम आगे ट्रांसफर होती थी।

कृष्ण प्राइड टावर में छापा, करोड़ों कैश बरामद

पुलिस को जांच के दौरान कृष्ण प्राइड टावर स्थित फ्लैट की जानकारी मिली, जहां छापेमारी में सुनील अग्रवाल के कब्जे से 50 लाख रुपये नकद और नोट गिनने की मशीन बरामद हुई। वहीं पुष्कर अग्रवाल के पास से 52.60 लाख रुपये नकद मिले।

जांच में मोबाइल चैट, यूपीआई ट्रांजेक्शन, डिजिटल रिकॉर्ड और वित्तीय दस्तावेजों के जरिए पूरे नेटवर्क की परतें खुलती गईं। पुलिस का कहना है कि आरोपी जांच एजेंसियों से बचने के लिए कर्मचारियों और परिचितों के बैंक खातों व मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे।

खाईवाल करन चौधरी और गुड्डा सरदार के इशारे पर चलता था खेल

पूरे नेटवर्क के तार कथित खाईवाल करण चौधरी और फरार आरोपी जसमीत सिंह बग्गा से जुड़े मिले हैं। पुलिस के अनुसार दोनों मिलकर रायगढ़, सक्ती, खरसिया और रायपुर में ऑनलाइन ढ्ढक्क सट्टा संचालित कर रहे थे। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक करन चौधरी के खिलाफ जुआ-सट्टा, मारपीट, रंगदारी, अपहरण और आत्महत्या के लिए उकसाने जैसे कई गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। उस पर पूर्व में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा चुकी है।

एसएसपी शशि मोहन सिंह का सख्त संदेश

पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 111 (संगठित अपराध) भी जोड़ी है। अधिकारियों (Online Betting Racket) का कहना है कि यह सिर्फ सट्टेबाजी नहीं बल्कि हवाला, ब्लैक मनी और संगठित आर्थिक अपराध का बड़ा नेटवर्क है।

वन्य प्राणियों को जहर देकर शिकार करने वाले गिरोह का भांडाफोड़, 7 गिरफ्तार

गरियाबंद। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में बाघ के शिकार की साजिश का खुलासा हुआ है। वन विभाग की एंटी पोचिंग टीम ने ओडिशा के 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर बाघ के शिकार की बड़ी योजना को समय रहते नाकाम कर दिया। इनमें से चार के पास से जहर, चीतल के सींग, कंकाल मछली और केकड़े बरामद किए गए हैं।

आरोपियों की तलाश जारी है। पासपोर्ट संरक्षण अधिनियम के तहत चार लोगों को 7 साल तक की सजा हो सकती है।

सूत्र के अनुसार, ओडिशा के नुआपाड़ा जिले के कुछ शिकारी उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में सक्रिय बाघ कोहत्या की साजिश रच रहे थे। वन विभाग ने 5 दिन पहले ही सूचना दी थी कि ओडिशा सीमा से लगी चट्टानों और बीहड़ों में 3 विशेष चौकियां और कैंप स्थापित कर निगरानी शुरू कर दी गई है। कार्रवाई के दौरान 9 मई को ओडिशा निवासी 76 वर्षीय रमन हेरना को पकड़ा गया। उसके पास से चीतल का सींग बरामद हुआ। पूछताछ में उन्होंने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि उन्होंने बाघ की खाल हासिल करने के लिए कुसुमखूंटा गांव के व्यक्ति को 'कॉन्सक्रिप्शन' दिया था। आरोप है कि बाघ को जहर देने और तीर-कमान से मारने की योजना बनाई गई थी और इसमें कटफाड़ गांव के कई लोग शामिल थे। इसके बाद एंटी पोचिंग टीम ने जांच की और 10 मई को कटफाड़ गांव के 6 क्वार्टरों को रानीबारझोला नाले में जहर उगलते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। पालतू जानवरों के बाघ और हाथियों के विचरण क्षेत्र में बाघों का पानी साज़िश कर भव्यों को मारने की कोशिश कर रहे थे। मछली से जहर की शीशी, मरी हुई मछली और केकड़े जब्त हो गए।

गिरफ्तार लोगों में बुधराम पहरिया, अनंतराम पहरिया, मनलाल पहरिया, डिगसन पहरिया, धनुराम पहरिया और मधुराम पहरिया शामिल हैं। सभी को जेएमएफसी राजिम कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की आधारभूत संरचना पर जेल भेज दिया गया।

बंद परिसर में पड़े केमिकल वेस्ट से धधकते आग के चपेट में आ रहे बच्चे, मवेशी व अन्य

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय में निगम क्षेत्र अंर्तगत बलिराम कश्यप वार्ड में स्थित वर्षों से बंद पड़ी एक केमिकल फैक्ट्री अब स्थानीय लोगों के लिए खतरा बन गई है। फैक्ट्री परिसर में पड़े केमिकल वेस्ट मटेरियल में लगातार आग धधक रही है, जिसकी चपेट में आकर स्थानीय चार बच्चे चपेट में आ चुके हैं। इनमें से दो बच्चों को इलाज के लिए महारानी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बच्चों के अलावा मवेशी और अन्य भी चपेट में आ रहे हैं।

वार्डवासियों ने बताया कि यह केमिकल फैक्ट्री करीब 30 वर्षों से बंद पड़ी हुई है। फैक्ट्री में पहले दवाइयों का निर्माण किया जाता था। लंबे समय से बंद होने के कारण भवन अब खंडहर में तब्दील हो चुके हैं और परिसर की चारदीवारी भी कई जगहों से टूट चुकी है। फैक्ट्री परिसर में वर्षों से केमिकल वेस्ट का बड़ा ढेर पड़ा हुआ है। अब इस वेस्ट मटेरियल के भीतर लगातार आग धधक रही है। स्थानीय लोगों का दावा है कि करीब 4 हजार वर्ग फीट क्षेत्र इसकी चपेट में है। जमीन के भीतर अंगारे जैसे हालात दिखाई दे रहे हैं और कई जगहों से गर्म धुआं व भाप निकलती रहती है। खुले पड़े परिसर के कारण आसपास के बच्चे वहां खेलने पहुंच जाते हैं। खेलते-खेलते बच्चे जमीन के भीतर धधक रही आग पर पहुंच जाते हैं, जिससे उनके पैर बुरी तरह झुलस रहे हैं। वार्डवासियों के मुताबिक अब तक चार बच्चों के पैर गंभीर रूप से जल चुके हैं। घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है।

कबीरधाम में 1 जुलाई से लागू होगी 'विकसित भारत जी राम जी' योजना

कबीरधाम। विकसित भारत से विकसित ग्राम का रोड मैप बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन वीबी जी राम जी अधिनियम 2025 को पूरे देश में 1 जुलाई 2026 से लागू करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसी के साथ कबीरधाम जिले के सभी 471 ग्राम पंचायतो में वीबी जी राम जी योजना लागू हो जाएगा और ग्रामीणों का इसका लाभ मिलने लगेगा।

नई व्यवस्था के अंतर्गत ऐसे ग्रामीण जो अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हो उनकी मांग पर 125 दोनों का रोजगार प्रदाय किया जाएगा। वर्तमान में ग्रामीणों के पास मौजूदा जॉब कार्ड मान्य होंगे और जो निर्माण कार्य ग्राम पंचायत में चल रहे हैं वह लगातार होते रहेंगे। नए अधिनियम अंतर्गत कार्यों की स्वीकृति 1 जुलाई से होगी जिसमें जल संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंध आजीविका और स्थाई परिसंपत्तियों के निर्माण जैसे अनेक प्रकार के कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रो का विकास होगा। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा इस नए ऐतिहासिक अधिनियम को पूरे देश में लागू करने के लिए ऐतिहासिक बजट आवंटन किया है जिसके साथ राज्यों के भी अपने-अपने अंशदान जुड़ेंगे। योजना अंतर्गत प्रशासनिक व्यय को 6% से बढ़ाकर 9% कर दिया गया है। वर्तमान में महात्मा गांधी नरेगा में जो कार्य चल रहे हैं उसे 15 जून तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। तत्पश्चात 1 जुलाई से नई योजना द्वारा ग्राम पंचायतो के विकास कार्य प्रारंभ होंगे और ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध होगा।

नई योजना में रोजगार की मांग और स्थानीय आवश्यकताओं का बेहतर तालमेल : कलेक्टर

विकसित भारत जी राम जी लागू होने के संबंध में जानकारी देते हुए कलेक्टर कबीरधाम गोपाल वर्मा ने बताया कि जिले में इसकी तैयारी कर ली गई है। नए अधिनियम अनुसार कार्यों को 1 जुलाई से स्वीकृत किया जाएगा। पहले की अपेक्षा अब ग्रामीण परिवारों को 125 दोनों का रोजगार मिलेगा। मजदूरों का भुगतान पहले की भांति डीबीटी के द्वारा बैंक या डाकघर में उनके बचत खाते से होगा। मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक आधार पर अथवा मास्टर रोल बंद होने के अधिकतम 15 दिनों के भीतर किया जाएगा। यदि समय पर मजदूरी भुगतान नहीं होने के कारण श्रमिक विलंब क्षतिपूर्ति के लिए पात्र होंगे।

अवैध रेत उत्खनन पर खनिज विभाग की कार्रवाई

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर खनिज विभाग द्वारा कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में तहसील लवन के ग्राम तिल्दा के महानदी में अवैध रेत उत्खनन पर खनिज विभाग द्वारा विगत गुरुवार को निरीक्षण किया। मौक़े पर अवैध उत्खनन या परिवहन होना नही पाया गया,लेकिन मौके पर उत्खनन करने के उद्देश्य से नदी में पहुंचने हेतु रैम्प का निर्माण होना पाया गया, जिसे जेसीबी मशीन से काटकर मार्ग अवरूद्ध किया गया,ताकि भविष्य में रेत की चोरी ना हो सके।

जांच के दौरान मौके पर उपस्थित ग्रामीण सुरेश डहरिया, विष्णु डहरिया, चिंतामणी घृतलहरे, सत्या डहरिया एवं दीप सिंह डहरिया के द्वारा बताया गया कि गांव के सरपंच द्वारा प्रति ट्रेक्टर रेत भरने के एवज में 200 रुपए ट्रेक्टर चालकों से वसूल किया जाता है। जिस हेतु खनिज विभाग द्वारा छ.ग. पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा-40 के तहत् सरपंच ग्राम पंचायत तिल्दा के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने हेतु जिला पंचायत एवं संबंधित अनुविभागीय अधिकारी को पत्र लिखा गया है। इसके पूर्व 29 अप्रैल को तिल्दा क्षेत्र का जांच किया गया, जांच के दौरान 4 नग मय रेत ट्राली सहित ट्रेक्टर नदी क्षेत्र में खनिज रेत के अवैध उत्खनन,निकासी के दृष्टिकोण से रेत लोड करते पाये गये। उत्खननकर्ताओं के पास वैध खनिज अनुमति दस्तावेज,अभिवहन पारपत्र नही होने के फलस्वरूप वाहनों को खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा-21 (4) सहपठित छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के नियम-71 एवं छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन तथा भंडारण) नियम, 2009 के नियम-4(3) के तहत जब्त कर थाना लवन में सुरक्षार्थ सुपुर्द किया जाकर अवैध उत्खनन का प्रकरण दर्ज किया गया।

तहसीलदार पर पेशा कानून के उल्लंघन का आरोप, ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बीजापुर। जिले के भोपालपटनम ब्लॉक के ग्राम गोटाईगुड़ा में आयोजित पारंपरिक ग्रामसभा के पश्चात ग्रामीणों ने एसडीएम भोपालपटनम को ज्ञापन सौंपकर तहसीलदार पर पेशा कानून के उल्लंघन, ग्रामसभा के अधिकारों को कुचलने और जनप्रतिनिधियों को डराने-धमकाने का आरोप लगाया। ज्ञापन की प्रतिलिपि राज्यपाल, मुख्य सचिव, आदिम जाति विभाग, बस्तर संभाग आयुक्त, जिला अनुसूचित जनजाति आयोग, सांसद और विधायक को भी प्रेषित की गई है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्रामसभा गोटाईगुड़ा ने खसरा नंबर 61/12 की 0.400 हेक्टेयर भूमि को 'आदिवासी सामाजिक भवन' हेतु सुरक्षित करने का निर्णय लिया था, जो पेशा नियम 2022 की धारा-4 के अंतर्गत वैधानिक है। इसके बावजूद तहसीलदार भोपालपटनम द्वारा 29 अप्रैल 2026 को ग्रामसभा पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर इस निर्णय को 'शासकीय बाधा' बताया गया। ज्ञापन में कहा गया है कि यह कार्रवाई संविधान के अनुच्छेद 244(1) और पांचवीं अनुसूची की भावना के विपरीत है। ग्रामीणों ने यह भी आपत्ति जताई कि नोटिस में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 का उल्लेख करते हुए ग्रामसभा प्रतिनिधियों पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई, जबकि सरपंच, पटेल और माटी पुजारी शासकीय कर्मचारी नहीं हैं।

ग्रामीणों ने इसे प्रशासनिक तानाशाही बताते हुए संबंधित तहसीलदार के विरुद्ध विभागीय जांच और निलंबन की मांग की है। साथ ही नोटिस को तत्काल निरस्त करने तथा अनुसूचित क्षेत्रों में पदस्थ अधिकारियों के लिए 'संवैधानिक साक्षरता' कार्यशाला आयोजित करने की मांग भी उठाई गई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि मामले में शीघ्र न्याय नहीं मिला तो बस्तर संभाग की ग्राम सभाएं लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगी। इस दौरान माटी पुजारी शिवराम, पटेल दशरथ, सरपंच सरिता गोटे, एटी शंकर, पारेट बापू, तोडेम चन्द्रैया, वासम राकेश, कोरम लक्ष्मीनारायण सहित 150 से अधिक ग्रामीण उपस्थित रहे।

पिछले सात महीनों से बंद पडा, पखांजूर सुभाष नगर स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र

कांकेर। जिले के पखांजूर के सुभाष नगर स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में पिछले सात महीनों से ताला जड़ा हुआ है। स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ सीएचओ एक माह की छुट्टी पर गई थीं, लेकिन कई महीनों से वापस नहीं लौटीं। इसके कारण आस-पास के लगभग दो हजार ग्रामीणों को इलाज के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उप स्वास्थ्य केंद्र बंद होने से क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए मरीजों को दूर स्थित अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों को हो रही है, जिन्हें नियमित जांच और उपचार की आवश्यकता रहती है।

स्वास्थ्य विभाग ने अस्थायी व्यवस्था के तहत घोड़ागांव के आरएचओएम को केंद्र की देख-रेख की जिम्मेदारी सौंपी थी। लेकिन आरएचओएम स्वास्थ्य बस्तर अभियान और टीकाकरण कार्य के कारण आठ गांवों में लगातार फील्ड ड्यूटी पर रहते हैं। इसी वजह से सुभाष नगर उप स्वास्थ्य केंद्र नियमित रूप से संचालित नहीं हो पा रहा है। सात महीने से सीएचओ अनुपस्थित हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने अभी तक न तो केंद्र का निरीक्षण किया और न ही किसी विकल्पिक स्वास्थ्यकर्मी की नियुक्ति की। ग्रामीणों ने इसे स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही बताते हुए तत्काल स्थायी स्वास्थ्यकर्मी की नियुक्ति की मांग की है। पखांजूर बीएमओ डॉ. वैष्णव ने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र बंद होने की जानकारी नहीं थी। अगर यह लंबे समय से बंद पाया जाता है, तो जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

लोकलुभावन राजनीति और राज्यों पर बढ़ता ऋण बोझ

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में राज्यों का लगातार बढ़ता ऋण-से-सकल घरेलू उत्पाद अनुपात आज केवल एक आर्थिक संकेतक नहीं, बल्कि देश की वित्तीय स्थिरता और सहकारी संघवाद के लिए गंभीर चेतावनी बन चुका है। पिछले कुछ वर्षों में अधिकांश राज्यों का सार्वजनिक ऋण तेजी से बढ़ा है। राजस्व घाटे, लोकलुभावन योजनाओं, कमजोर कर-संग्रह प्रणाली तथा बजट से बाहर लिए गए उधारों ने राज्यों की वित्तीय स्थिति को कमजोर किया है। भारतीय रिज़र्व बैंक और वित्त आयोगों ने भी समय-समय पर इस बढ़ती ऋण प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की है। यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में यह संकट राज्यों की विकास क्षमता और संघीय संतुलन दोनों को प्रभावित कर सकता है।

राज्यों के बढ़ते ऋण का सबसे बड़ा कारण लगातार बढ़ता राजस्व घाटा है। कई राज्य अपनी नियमित आय से वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान और सब्सिडी जैसे खर्चों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। परिणामस्वरूप उन्हें सामान्य प्रशासनिक गतिविधियों के लिए भी उधार लेना पड़ता है। यह स्थिति आर्थिक दृष्टि से अत्यंत अस्थिर मानी जाती है क्योंकि उधार का उपयोग उत्पादक निवेश के बजाय दैनिक खर्चों में होने लगता है। पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में ब्याज भुगतान और पेंशन व्यय लगातार बढ़ रहा है, जिससे विकासात्मक परियोजनाओं के लिए संसाधन सीमित होते जा रहे हैं।

लोकलुभावन राजनीति ने भी इस वित्तीय संकट को गहरा किया है। चुनावी प्रतिस्पर्धा के दौर में मुफ्त बिजली, कृषि ऋण माफी, मुफ्त परिवहन, नकद सहायता और विभिन्न प्रकार की सब्सिडी योजनाओं का विस्तार हुआ है। यद्यपि सामाजिक कल्याण योजनाएँ लोकतांत्रिक शासन का आवश्यक हिस्सा हैं, लेकिन जब वे वित्तीय क्षमता से अधिक बढ़ जाती हैं, तब वे राजकोषीय अनुशासन को कमजोर कर देती हैं। अधिकांश मुफ्त योजनाएँ दीर्घकालिक आर्थिक उत्पादकता नहीं बढ़ातीं, जिससे भविष्य में राजस्व सृजन की क्षमता कम हो जाती है और ऋण का बोझ बढ़ता जाता है। वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था लागू होने के बाद राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता भी सीमित हुई है। पहले राज्यों के पास मूल्य वर्धित कर और अन्य अप्रत्यक्ष करों के माध्यम से स्वतंत्र राजस्व स्रोत उपलब्ध थे, लेकिन अब वे काफी हद तक केंद्र के हस्तांतरण और वस्तु एवं सेवा कर क्षतिपूर्ति पर निर्भर हो गए हैं। कोरोना महामारी के दौरान वस्तु एवं सेवा कर क्षतिपूर्ति में देरी ने राज्यों की वित्तीय समस्याओं को और गंभीर बना दिया। इससे केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय मतभेद बढ़े, जिसने सहकारी संघवाद की भावना को प्रभावित किया।

कमजोर कर आधार भी राज्यों की आर्थिक कमजोरी का एक महत्वपूर्ण कारण है। कई राज्यों में संपत्ति कर, उपयोगकर्ता शुल्क और स्थानीय निकाय कर प्रभावी ढंग से वसूले नहीं जाते। नगरपालिकाओं और पंचायतों की वित्तीय स्थिति कमजोर होने के कारण राज्यों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। डिजिटल कर प्रशासन और आँकड़ा-आधारित निगरानी के अभाव में कर चोरी और राजस्व हानि की समस्या बनी रहती है।

इसके अलावा, बजट से बाहर लिए गए उधार और छिपी४ हुई देनदारियाँ राज्यों की वास्तविक वित्तीय स्थिति को और जटिल बना देती हैं। कई राज्य सार्वजनिक उपक्रमों, बिजली वितरण कंपनियों और विशेष प्रयोजन संस्थाओं के माध्यम से ऋण लेते हैं, जो आधिकारिक बजट में पूरी तरह दिखाई नहीं देते। इससे वास्तविक ऋण स्थिति का सही आकलन कठिन हो जाता है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने कई बार चेतावनी दी है कि इस प्रकार की छिपी हुई देनदारियाँ भविष्य में बड़े वित्तीय संकट का कारण बन सकती हैं।

पूंजीगत व्यय की कम उत्पादकता भी ऋण वृद्धि का एक प्रमुख कारण है। यदि उधार लेकर शुरू की गई परियोजनाएँ समय पर पूरी नहीं होतीं या उनसे अपेक्षित आर्थिक लाभ प्राप्त नहीं होता, तो वे विकास के बजाय वित्तीय बोझ बन जाती हैं। कई राज्यों में प्रशासनिक देरी, भ्रष्टाचार और कमजोर परियोजना प्रबंधन के कारण निवेश का पूरा लाभ नहीं मिल पाता।

ाज्यों की बढ़ती ऋण निर्भरता भारतीय संघवाद को भी प्रभावित कर रही है। जब राज्य वित्तीय रूप से कमजोर होते हैं, तो वे अधिक केंद्रीय सहायता, विशेष पैकेज और अतिरिक्त उधारी सीमा की मांग करते हैं। इससे उनकी वित्तीय स्वायत्तता कम होती है और केंद्र पर निर्भरता बढ़ती है। दूसरी ओर, केंद्र द्वारा उधारी सीमा और वित्तीय शर्तें तय किए जाने से राजनीतिक विवाद उत्पन्न होते हैं। वस्तु एवं सेवा कर क्षतिपूर्ति और केंद्रीय कर हस्तांतरण जैसे मुद्दों पर केंद्र और राज्यों के बीच बढ़ते मतभेद इसी तनाव का उदाहरण हैं।क्षेत्रीय असमानताएँ भी इस संकट के कारण बढ़ रही हैं। आर्थिक रूप से मजबूत राज्य अपेक्षाकृत बेहतर संसाधन जुटा लेते हैं, जबकि कमजोर राज्य लगातार ऋण जाल में फँसते जाते हैं। इससे विकास का संतुलन बिगड़ता है और संघीय ढाँचे में असमानता की भावना मजबूत होती है। इस बढ़ते ऋण संकट से निपटने के लिए राज्यों को वित्तीय अनुशासन अपनाना होगा। राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम के लक्ष्यों का गंभीरता से पालन आवश्यक है।

वैश्विक संकट के बीच सबसे बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं मोदी, विश्व राजनीति में होगा बड़ा उलटफेर

नीरज कुमार दुबे

भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति शृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है।

वैश्विक चुनौतियों, बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति शृंखला की अनिश्चितताओं और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं। 15 मई से 20 मई तक प्रस्तावित उनकी बहुराष्ट्रीय विदेश यात्रा के दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत की वैश्विक रणनीति, आर्थिक हितों और सामरिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस दौरान ऊर्जा सहयोग, व्यापार, हरित प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश, नवाचार और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और अधिक मजबूत होने की संभावना है।

इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति शृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है। हाल के वर्षों में भारत ने विश्व मंच पर एक भरोसेमंद और संतुलित शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यही कारण है कि यूरोप और पश्चिम एशिया के देश भारत को भविष्य के आर्थिक और सामरिक साझेदार के रूप में देख रहे हैं।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात से करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग, निवेश, डिजिटल भुगतान, रक्षा और भारतीय समुदाय के कल्याण जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। संयुक्त अरब अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है तथा बीते पच्चीस वर्षों में भारत में निवेश करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते ने व्यापार को नई गति दी है। ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी संयुक्त अरब अमीरात भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी है। इसके अलावा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा दोनों देशों की सामरिक निकटता को और अधिक मजबूत बना रहा है। वहां रह रहे लाखों भारतीय दोनों देशों के सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों की मजबूत कड़ी हैं। संयुक्त अरब अमीरात के बाद प्रधानमंत्री नीदरलैंड जाएंगे। यह यात्रा भारत और नीदरलैंड के बीच बढ़ते आर्थिक तथा प्रौद्योगिकी

सहयोग को नई दिशा देगी। प्रधानमंत्री वहां के राजा विलेम अलेक्जेंडर, महारानी माक्सिमा और प्रधानमंत्री रोब येटन से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, सेमीकंडक्टर और नवाचार जैसे क्षेत्रों में तेजी से सहयोग बढ़ रहा है। नीदरलैंड यूरोप में भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत में बड़े निवेशकों में शामिल है। जल प्रबंधन और कृषि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नीदरलैंड की विशेषज्ञता भारत के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जाती है। दोनों देश मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समर्थन में भी एक समान दृष्टिकोण रखते हैं।

मोदी की स्वीडन की यात्रा भारत और नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ते सहयोग को और मजबूत बनाएगी। प्रधानमंत्री गोथेनबर्ग में स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन से वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार, हरित परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उभरती प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की संभावनाएं हैं। हम आपको बता दें कि स्वीडन की अनेक प्रमुख कंपनियां भारत में सक्रिय हैं और दोनों देशों के बीच नवाचार आधारित साझेदारी तेजी से विकसित हो रही है। भारत और स्वीडन लोकतांत्रिक मूल्यों, सतत विकास और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में समान सोच रखते हैं। हरित औद्योगिक परिवर्तन और जलवायु संरक्षण के लिए दोनों देशों का सहयोग वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी इसके बाद नॉर्वे जाएंगे, जहां वह तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नॉर्वे की पहली यात्रा होगी और पिछले तैंतालीस वर्षों में भारत से वहां होने वाली पहली प्रधानमंत्री स्तरीय यात्रा भी मानी जा रही है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्तोरे के साथ होने वाली वार्ता में व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और समुद्री अर्थव्यवस्था पर विशेष जोर रहेगा। भारत और नार्वे के संबंध समुद्री सहयोग, हरित ऊर्जा और सतत विकास पर आधारित हैं। भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई गति मिलने की संभावना है। नॉर्वे का विशाल पेंशन कोष भारतीय पूंजी बाजार में महत्वपूर्ण निवेश कर चुका है। आर्कटिक क्षेत्र, हरित जहाजरानी और समुद्री संसाधनों के प्रबंधन में दोनों देशों का सहयोग भविष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पक्ष होगा। इसमें नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के शीर्ष नेता शामिल होंगे। यह मंच भारत और नॉर्डिक देशों के बीच प्रौद्योगिकी, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष, सतत विकास और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई रणनीतिक दिशा देगा। वैश्विक आपूर्ति शृंखला को मजबूत बनाने और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में यह सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री इटली जाएंगे। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला के साथ उनकी बैठकें भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगी। दोनों देश 2025 से 2029 तक की संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना पर तेजी से काम कर रहे हैं। व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग इसके प्रमुख क्षेत्र हैं। इटली ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से अलग होकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को समर्थन दिया है, जिससे दोनों देशों की सामरिक निकटता बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में सह-विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर दिया जा रहा है। इटली भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के प्रयासों का भी समर्थन करता रहा है। वहां रह रहा भारतीय समुदाय दोनों देशों के संबंधों को सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती प्रदान करता है।

इस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह विदेश यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का प्रतीक भी है। यह यात्रा भारत को ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी सहयोग, हरित विकास, रक्षा साझेदारी और वैश्विक व्यापार के नए अवसर प्रदान करेगी। साथ ही यह संदेश भी देगी कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख और विश्वसनीय केंद्र बनकर उभर रहा है।

अंतरिक्ष से आई 'संगीत' जैसी लहरें

महेन्द्र तिवारी

मानव सभ्यता ने सदियों तक आकाश को केवल चमकते तारों की दुनिया माना। कभी उसे देवताओं का निवास कहा गया, कभी भाग्य का दर्पण और कभी अनंत रहस्यों का महासागर। लेकिन विज्ञान ने जब दूरबीनों और रेडियो उपकरणों की सहायता से अंतरिक्ष को सुनना शुरू किया, तब पता चला कि ब्रह्मांड केवल दृश्य संसार नहीं है, बल्कि वह लगातार संकेतों, तरंगों और अदृश्य कंपन से भरा हुआ है। हाल के वर्षों में खगोलविदों ने ऐसी अनेक रेडियो तरंगें पकड़ी हैं, जिन्होंने वैज्ञानिकों को चौंका दिया। अब एक बार फिर अंतरिक्ष से आने वाली एक रहस्यमयी रेडियो लहर चर्चा में है। इस संकेत में एक निश्चित लय है, जो सुनने में किसी तबले की थाप जैसी प्रतीत होती है। वैज्ञानिक इसे किसी न्यूट्रॉन तारे की गतिविधि से जोड़ रहे हैं, जबकि सामान्य लोग इसे 'ब्रह्मांड का संगीत' कहकर रोमांचित हो रहे हैं।

यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सामान्यतः अंतरिक्ष को मौन माना जाता है। वास्तव में अंतरिक्ष में ध्वनि वैसे नहीं फैलती जैसे पृथ्वी के वातावरण में फैलती है, क्योंकि वहाँ हवा नहीं होती। लेकिन रेडियो तरंगें अंतरिक्ष में बहुत आसानी से यात्रा करती हैं। वैज्ञानिक इन रेडियो तरंगों को विशेष उपकरणों की सहायता से पकड़ते हैं और फिर उन्हें श्रव्य रूप में परिवर्तित करते हैं। जब यह परिवर्तन किया जाता है तो कई बार इन संकेतों में लय, ताल और दोहराव सुनाई देता है। यही कारण है कि लोग उन्हें संगीत जैसा अनुभव करने लगते हैं।जिस संकेत की चर्चा हो रही है, उसमें कुछ मिनटों या घंटों के अंतराल पर नियमित धड़कन जैसी तरंगें दर्ज की गई हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह किसी अत्यंत घने मृत तारे से आ सकती हैं। ऐसे तारों को न्यूट्रॉन तारा कहा जाता है। जब कोई विशाल तारा अपने जीवन के अंतिम चरण में विस्फोट करता है, तब उसके केंद्र का भाग अत्यधिक संकुचित होकर न्यूट्रॉन तारे में बदल जाता है। इन तारों का आकार बहुत छोटा होता है, लेकिन उनका घनत्व इतना अधिक होता है कि एक चम्मच पदार्थ का भार करोड़ों टन तक हो सकता है।

न्यूट्रॉन तारे अत्यंत तीव्र गति से घूमते हैं। कई तारे प्रति सेकंड कई बार घूम सकते हैं। जब उनके चुंबकीय ध्रुवों से रेडियो तरंगें निकलती हैं और वे पृथ्वी की दिशा में आती हैं, तब हमें वे नियमित अंतराल पर दिखाई देती हैं। इस प्रक्रिया को समझाने के लिए वैज्ञानिक अक्सर प्रकाश स्तंभ का उदाहरण देते हैं। जैसे समुद्र में खड़ा प्रकाश स्तंभ घूमते हुए समय समय पर जहाजों की दिशा में प्रकाश भेजता है, उसी प्रकार न्यूट्रॉन तारा भी घूमते हुए पृथ्वी की ओर रेडियो संकेत भेजता है। इन्हें पल्सर कहा जाता है।अब तक वैज्ञानिकों ने 3000 से अधिक पल्सर खोजे हैं, लेकिन हाल की खोजों ने पुराने सिद्धांतों को चुनौती दी है। कुछ संकेत ऐसे मिले हैं जिनकी धड़कनें बहुत धीमी हैं। एक संकेत हर 22 मिनट में दोहराता पाया गया, जबकि एक अन्य स्रोत लगभग 54 मिनट बाद सक्रिय होता था। इतना ही नहीं, 2025 में वैज्ञानिकों ने एक ऐसे न्यूट्रॉन तारे का संकेत दर्ज किया जिसकी घूर्णन अवधि लगभग 6.45 घंटे थी। यह खोज वैज्ञानिकों के लिए अत्यंत आश्चर्यजनक थी क्योंकि पुराने सिद्धांतों के अनुसार इतनी धीमी गति वाले न्यूट्रॉन तारों से रेडियो तरंगें नहीं निकलनी चाहिए थीं। इन संकेतों को 'लॉन्ग पीरियड ट्रांजिएंट' नाम दिया गया है। इसका अर्थ है ऐसे स्रोत जो लंबे अंतराल के बाद दोहराए जाने वाले रेडियो संकेत उत्पन्न करते हैं। वैज्ञानिक अभी तक यह पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं कि ये संकेत आखिर उत्पन्न कैसे होते हैं। कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि यह अत्यंत शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र वाले मैग्नेटार नामक तारों से जुड़े हो सकते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि दो तारों की परिक्रमा के कारण भी ऐसी लय उत्पन्न हो सकती है।

बोध कथा

पाप की बिक्री

एक बार कवि कालिदास बाजार में घूमने निकले। वहां उन्होंने एक स्त्री को एक घड़ा और कुछ कटोरियां लिए ग्रहकों के इंतजार में बैठे देखा। कालिदास यह देखकर परेशानी में पड़ गए। वह उस स्त्री के पास गए। उन्होंने वहां जाकर पूछा किबहन तुम क्या बेचती हो। उस स्त्री ने कहा मैं पाप बेचती हूं। मैं स्वयं लोगों से कहती हूं कि मेरे पास पाप हैं, मर्जी हो तो ले लो। लोग रुचि से ले जाते हैं। इस जबाव को सुनकर कालिदास उलझन में पढ़ गए। उन्होंने पूछा कि घड़े में कैसे पाप हो सकता है? स्त्री बोली, हां होता है, जरूर होता है। देखो , मेरे आठ घड़े में आठ पाप भरे हैं। बुद्धिमान, पागलपन, लड़ाई-झगड़े, बेहोशी, विवेक का नाश, सदगुण का नाश, सुखों का अंत औ नर्क में ले जाने वाला दुष्कर्म। और भी हैरानी में पड़ते हुए कालिदास ने पूछा, अरे बहन। इतने सारे पाप बताती हैं आप, तो आखिर इन घड़ों में है क्या? स्त्री बोली, शराब, वह शराब ही उन सभी पापों की जननी है। जो शराब पीता है, वह व्यक्ति इन आठ पापों का शिकार हो जाता है। कालिदास उस स्त्री की चतुराई को देखकर दंग रह गए।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

पेपर लीक का पर्व और डिग्री का महाप्रसाद

अशोक मतवाला

भारत में शिक्षा-व्यवस्था का हाल अब किसी समस्या जैसा नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय त्योहार जैसा लगता है। फर्क बस इतना है कि त्योहार की तारीख़ तय होती है, और पेपर लीक की तारीख़... अचानक 'लीक' हो जाती है। सुबह बच्चे उठते हैं, चाय नहीं, पेपर पीते हैं। और माता-पिता गर्व से कहते हैं— 'बेटा, तैयारी कम थी, भगवान ने लिंक भेज दिया।'

पहले बच्चे किताबें खोलते थे, अब बच्चे टेलीग्राम चैनल खोलते हैं। पहले लोग कहते थे— 'मेहनत का फल मीठा होता है।'

अब कहते हैं— 'मेहनत का फल मिलेगा, अगर पेपर लीक न हो जाए।'

फ़र्ज़ी डिग्रियों का बाज़ार भी खूब चमक रहा है। पहले सब्ज़ी खरीदते समय लोग पूछते थे— 'ताज़ी है न?'

अब डिग्री खरीदते समय पूछते हैं— 'मान्यता-प्राप्त है न?'

और दुकानदार मुस्कुराकर कहता है— 'सर, हमारे यहाँ तो PhD भी Buy-1-Get-1 में मिलती है। एक आपके लिए, एक आपके साले के लिए।'

पेपर लीक पर सरकार का बयान भी स्थायी है— 'दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।'

लेकिन, कौन दोषी है?

कब कार्रवाई होगी?

कितनी कड़ी होगी?

इन सवालों के जवाब के लिए एक कमेटी बनती है। कमेटी रिपोर्ट देती है— 'सिस्टम फेल हुआ है।'

और सिस्टम कहता है— 'मैं कब से फेल हूँ, तुम कब समझोगे?

शिक्षा-माफिया का आत्मविश्वास इतना बढ़ गया है कि अब वे पेपर लीक होने से पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर देते हैं— 'कल सुबह 9 बजे पेपर लीक होगा, कृपया समय पर डाउनलोड कर लें।'

और जनता भी उतनी ही शांत— 'ठीक है भाई, रिमाइंडर लगा देंगे।'

देश में टैलेंट की कमी नहीं है, बस टैलेंट को पहचानने की कमी है। यहाँ मेहनत करने वाला बच्चा कहता है—

'मैं ड्रुस बनूँगा।' और सिस्टम कहता है— 'बन जा, पर पहले पेपर लीक होने दे।'

अब सवाल उठता है—करें भी क्या?

आवाज़ उठाएँ तो लोग कहते हैं— 'इतना सीरियस क्यों हो रहे हो?'

चुप रहें तो सिस्टम कहता है— 'देखा, जनता खुश है!'

अंत में, असली समस्या पेपर लीक नहीं है। असली समस्या यह है कि हमने इसे नॉर्मल मान लिया है। हमने मान लिया है कि मेहनत बेवकूफ़ों का काम है, और शॉर्टकट स्मार्ट लोगों का। और सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि देश में हर कोई कहता है— 'शिक्षा व्यवस्था सुधरनी चाहिए।' लेकिन कोई यह नहीं कहता— 'मैं सुधारूँगा।'

क्योंकि सुधारने के लिए मेहनत चाहिए,

और मेहनत... आजकल सिर्फ़ किताबों में मिलती है।

(अमेरिका से खास विश्व केसरी के लिए)

इतिहास

13 मई, 2026 के इतिहास में भारतीय संसदीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएं और विश्व स्तर की कुछ खास खबरें शामिल हैं। इस दिन 1952 में राज्यसभा का गठन हुआ था, जबकि 1962 में इसी दिन डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के दूसरे राष्ट्रपति बने थे। साथ ही, 1981 में आज ही के दिन पोप जॉन पॉल द्वितीय पर जानलेवा हमला हुआ था।13 मई का ऐतिहासिक महत्व :13 मई 1952: भारत की संसद के उच्च सदन, राज्यसभा (तत्कालीन काउंसिल ऑफ स्टेट्स) का गठन हुआ था।13 मई 1962: डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भारत के दूसरे राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी।13 मई 1981: वेटिकन सिटी में पोप जॉन पॉल द्वितीय पर जानलेवा हमला हुआ, लेकिन वे बच गए।13 मई 1989: बीजिंग के तियानमेन स्क्वायर में छात्रों ने लोकतंत्र की मांग को लेकर भूख हड़ताल शुरू की।

लगातार गिरावट से उबरा भारतीय शेयर बाजार, सेंसेक्स में 50 अंकों की बढ़त

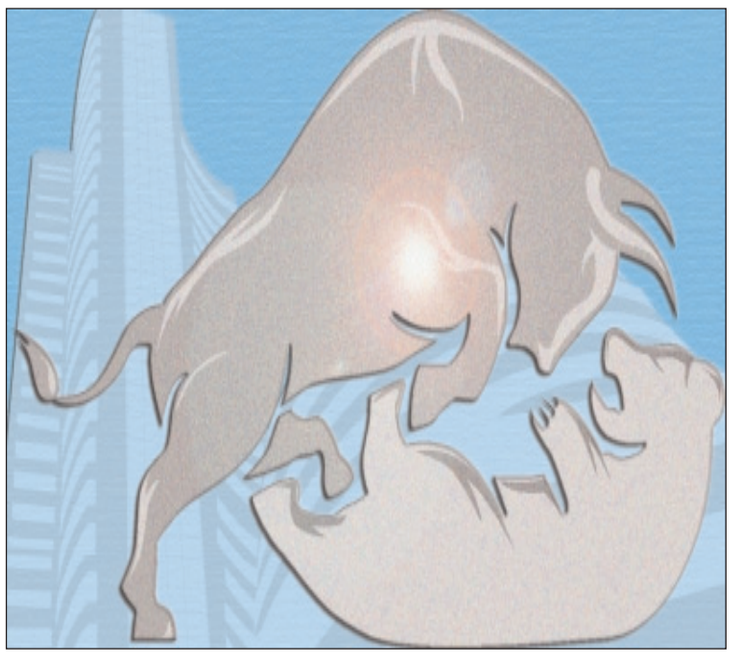

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए, जिससे लगातार चार दिनों से जारी गिरावट का सिलसिला टूट गया।

इस दौरान, सेंसेक्स 49.74 अंक या 0.07 प्रतिशत बढ़कर 74,608.98 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 50 33.05 अंक या 0.14 प्रतिशत बढ़कर 23,412.60 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 74,439.34 पर खुलकर 75,191.57 का इंट्रा-डे हाई और 74,134.48 लो बनाया, जबकि 50 शेयरों वाला निफ्टी 50 23,362.45 पर खुलकर 23,582.95 का दिन का हाई और 23,262.55 का लो बनाया।

व्यापक बाजारों ने प्रमुख बेंचमार्कों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.77 प्रतिशत तो निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.31 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो सबसे ज्यादा निफ्टी आईटी में 1.13 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो में 0.97 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी बैंक और निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मीडिया में भी गिरावट दर्ज की गई। वहीं निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा 3.18 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल में 1.67 प्रतिशत और निफ्टी ऑयल एंड गैस में 1.28 की तेजी देखने को मिली। इसके अतिरिक्त निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी फार्मा में भी बढ़त दर्ज की गई।

निफ्टी 50 में एशियन पेंट्स, अदाणी एंटरप्राइजेज, टाटा स्टील, हिंडाल्को, बीईएल, अदाणी पोर्ट्स और सिप्ला के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गई और ये टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे।

वहीं, आयशर मोटर, एमएंडएम, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, सन फार्मा, पावरग्रिड औ टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

इस दौरान, बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप पिछले सत्र के 456.3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर करीब 458.6 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे निवेशकों को एक ही सत्र में 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का लाभ हुआ।

केंद्र सरकार ने 2026-27 की 14 खरीफ फसलों के लिए एमएसपी का ऐलान किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षा में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने मार्केटिंग सीजन 2026-27 की 14 खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का ऐलान किया है।

सरकार ने मार्केटिंग सीजन 2026-27 में सबसे अधिक सूरजमुखी के बीज के लिए एमएसपी को 622 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाकर 8,343 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है, यह 2025-26 में 7,721 रुपए प्रति क्विंटल थी।

कॉटन के लिए एमएसपी को 557 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाकर 8,267 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है, जो कि पिछले साल 7,710 रुपए थी।

केंद्र ने धान के लिए एमएसपी को 2,369 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2,441 रुपए प्रति क्विंटल, बाजरा के लिए 2,775 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2,900 रुपए प्रति क्विंटल, और रागी के लिए एमएसपी को 4,886 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 5,205 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है।

सरकार ने अनाजों के साथ दालों के लिए भी एमएसपी में बढ़ोतरी की है। अरहर के लिए एमएसपी को 450 रुपए बढ़ाकर 8,450 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो कि पिछले साल 8,000 रुपए प्रति क्विंटल थी।

उड़द के लिए एमएसपी को 400 रुपए बढ़ाकर 8,200 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो कि पिछले साल 7,800 रुपए प्रति क्विंटल थी। वहीं, मूंगफली के लिए एमएसपी को 7263 प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 7517 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है

मार्केटिंग सीजन 2026-27 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 में एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना पर निर्धारित करने की घोषणा के अनुरूप है। इससे किसानों को उत्पादन लागत पर मिलने वाला अपेक्षित लाभ मूंग (61 प्रतिशत) में सबसे अधिक, इसके बाद बाजरा (56 प्रतिशत), मक्का (56 प्रतिशत) और अरहर (54 प्रतिशत) में होगा। शेष फसलों के लिए, किसानों को उत्पादन लागत पर मिलने वाला लाभ 50 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

भू-राजनीतिक तनाव के बीच अप्रैल में भारत में दर्ज किए गए 22.8 अरब डॉलर के 220 सौदे: रिपोर्ट

नई दिल्ली। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत में अप्रैल 2026 के दौरान 22.8 अरब डॉलर के कुल 220 सौदे दर्ज किए गए।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट में कहा गया है कि महीने के दौरान हुए पांच अरब डॉलर से अधिक मूल्य वाले बड़े सौदों ने कुल 17.4 अरब डॉलर का योगदान दिया, जो कुल डील वैल्यू का करीब 80 प्रतिशत है।

रिपोर्ट में कहा गया कि मर्जर एंड एक्विजिशन (एमएंडए) गतिविधियां कुल डील वैल्यू की सबसे बड़ी वजह रहीं। अप्रैल में 18.7 अरब डॉलर मूल्य के 103 एमएंडए सौदे दर्ज किए गए, जो मई 2022 के बाद सबसे अधिक मासिक एमएंडए वैल्यू है।

महीने-दर-महीने आधार पर एमएंडए सौदों का मूल्य करीब 1000 प्रतिशत बढ़ा, जबकि डील वॉल्यूम में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

वहीं, आउटबाउंड गतिविधियां डील मार्केट में सबसे प्रभावशाली रहीं। इस दौरान 17.7 अरब डॉलर मूल्य के 21 आउटबाउंड ट्रांजैक्शन हुए।

प्राइवेट इक्विटी (पीई) निवेश के मामले में भी बाजार में चुनिंदा लेकिन मजबूत वृद्धि देखने को मिली। अप्रैल में 3.2 अरब डॉलर मूल्य के 109 सौदों की घोषणा की गई।

हालांकि, पीई डील की मात्रा (वॉल्यूम) घटकर साल के सबसे निचले मासिक स्तर पर आ गई, जबकि डील मूल्य (वैल्यू) इस साल अब तक के दूसरे सबसे उच्च स्तर पर बने रहे, जो कम लेकिन बड़े लेन-देन की ओर बदलाव का संकेत देता है।

इसके अलावा, सार्वजनिक पूंजी बाजार भी महीने के दौरान सक्रिय रहे। अप्रैल में 6 आईपीओ के जरिए 450 मिलियन डॉलर जुटाए गए, जबकि दो क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) से 548 मिलियन डॉलर जुटाए गए।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की शांति विजेता के अनुसार, भारत के डील मार्केट ने अप्रैल में मजबूत प्रदर्शन किया और बड़े आउटबाउंड सौदों की वापसी देखने को मिली।

उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों द्वारा किए गए वैश्विक अधिग्रहण उनकी बढ़ती रणनीतिक महत्वाकांक्षा को दर्शाते हैं, जबकि आईपीओ और क्यूआईपी में लगातार सक्रियता भारत के मजबूत पूंजी बाजार तंत्र को दिखाती है।

खुदरा महंगाई दर वित्त वर्ष 27 में औसत 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में महंगाई दर वित्त वर्ष 27 में औसत 5.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। अप्रैल में महंगाई दर मामूली रूप से बढ़कर 3.48 प्रतिशत हो गई है, जो कि मार्च में 3.40 प्रतिशत थी। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया कि पश्चिम एशिया में तनाव को 74 दिन का समय हो गया है और खुदरा महंगाई के ऊपर बढ़ने के जोखिम बहुत धीमी गति से सामने आ रहे हैं, जिससे संकेत मिलता है कि उपभोक्ता अभी भी तेज महंगाई से सुरक्षित बने हुए हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि भारतीय रिजर्व बैंक आने वाली मौद्रिक नीति में ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान से उत्पन्न ऊर्जा संकट ने तेल की कीमतों के पूर्वानुमानों को बढ़ा दिया है। वित्त वर्ष 2027 में ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत 90-95 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 32 प्रतिशत अधिक है।

अप्रैल में बेस इफेक्ट के कारण बिजली, गैस और ईंधन की महंगाई में कमी आई, जबकि सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखने के निर्णय से परिवहन ईंधन की महंगाई नियंत्रण में रही।

ऊर्जा और अन्य इनपुट की बढ़ती कीमतों का उपभोक्ताओं पर अपेक्षित प्रभाव अभी पूरी तरह से नहीं पड़ा है, जिसके चलते कोर मुद्रास्फीति लगातार चौथे महीने 3.7 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही।

हालांकि रेस्तरां और आवास सेवाओं के साथ-साथ घरेलू साज-सामान और उपकरणों की मुद्रास्फीति में उम्मीद के मुताबिक वृद्धि हुई, लेकिन कीमती धातुओं की मुद्रास्फीति में धीमी वृद्धि ने कुछ हद तक राहत प्रदान की।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भले ही सरकार ने पेट्रोल और डीजल की पंप कीमतों को अपरिवर्तित रखकर खुदरा ईंधन मुद्रास्फीति में वृद्धि को नियंत्रित किया है, लेकिन आने वाले महीनों में इन पर दबाव पड़ सकता है।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि उत्पादकों द्वारा ऊर्जा और अन्य इनपुट की लागत में तीव्र वृद्धि, साथ ही व्यापार और परिवहन की लागत में वृद्धि का भार उपभोक्ताओं पर पड़ने की संभावना है, जिससे कोर मुद्रास्फीति में वृद्धि हो सकती है।

सोने पर कस्टम ड्यूटी बढ़ने से आयात में कमी आएगी और विदेशी मुद्रा के बाहर जाने पर रोक लगेगी : एक्सपर्ट

नई दिल्ली। सोने पर कस्टम ड्यूटी और सेस में बढ़ोतरी से आयात में कमी आएगी और विदेशी मुद्रा के बाहर जाने पर रोक लगेगी। यह जानकारी एक्सपर्ट की ओर से बुधवार को दी गई।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के गुजरात प्रेसिडेंट नैनेश पच्चीगर ने कहा कि सरकार ने कस्टम ड्यूटी (सेस सहित) को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। इसमें बेसिक कस्टम ड्यूटी को 5 से बढ़ाकर 10 प्रतिशत और कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) को एक प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार के इस फैसले से सोने के आयात में कमी आएगी और विदेशी मुद्रा के देश से बाहर जाने से रोकने में मदद मिलेगी।

पच्चीगर ने आगे कहा कि कस्टम ड्यूटी बढ़ने से सोने की ज्वेलरी की कीमत में भी इजाफा होगा और इससे ग्राहक पहले के मुकाबले कम आएंगे और ज्वेलरी की बिक्री में भी गिरावट आएगी।

पच्चीगर के मुताबिक, सरकार को सोने के आयात को कम करने के लिए गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम (जीएमएस) को दोबारा से शुरू करना चाहिए। इससे देश में पुराना सोना बाहर आएगा और इससे कारीगरों को भी अपना जीवन यापन करने में मदद मिलेगी।

कस्टम ड्यूटी बढ़ने के बाद सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी गई है।

आईबीजेए की ओर से दोपहर को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 8,779 रुपए बढ़कर 1,60,411 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है।

22 कैरेट सोने का दाम 1,38,895 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,46,936 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। 18 कैरेट 1,13,724 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,20,308 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है।

सरकारी सूत्रों ने बुधवार को बताया कि कीमती धातुओं पर आयात शुल्क में वृद्धि विदेशी मुद्रा की बचत, चालू खाते की सुरक्षा, आवश्यक आयातों को प्राथमिकता देने और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक मजबूती को बढ़ाने के उद्देश्य से अपनाई गई सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

साथ ही कहा कि इसमें व्यापक आर्थिक स्थिरता और दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती का भी पूरा ध्यान रखा गया है।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में भारत का मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट 112 अरब डॉलर के करीब पहुंचने का अनुमान: रिपोर्ट

नई दिल्ली । बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत का कुल मर्चेंडाइज निर्यात वित्त वर्ष 2027 की अप्रैल-जून तिमाही में 111.9 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में मामूली बढ़त को दर्शाता है।

सरकार समर्थित एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक ऑफ इंडिया (इंडिया एक्जिम बैंक) की ताजा तिमाही निर्यात आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में नॉन-ऑयल एक्सपोर्ट 97.8 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि है।

वहीं, नॉन-ऑयल और नॉन-जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट 90.4 अरब डॉलर रहने का अनुमान लगाया गया है, जो इसी तिमाही में लगभग 3 प्रतिशत की सालाना वृद्धि को दर्शाता है।

बैंक ने कहा कि नॉन-ऑयल एक्सपोर्ट में वृद्धि को निर्यात के बढ़ते भौगोलिक विस्तार, समय पर सरकारी नीतिगत हस्तक्षेप और लक्षित आपातकालीन क्रेडिट सहायता उपायों से समर्थन मिलने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि हाल ही में कुछ देशों के साथ संपन्न हुए व्यापार समझौते नॉन-ऑयल निर्यात क्षेत्रों में वृद्धि की रफ्तार बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

इसके अलावा, वैश्विक मांग में संभावित सुधार और विनिमय दरों में अनुकूल बदलाव से भी भारत के निर्यात आउटलुक को फायदा मिल सकता है। हालांकि, बैंक ने चेतावनी दी कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, भू-राजनीतिक संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजारों में उतार-चढ़ाव जैसे जोखिम अभी भी बने हुए हैं।

गौरतलब है कि इंडिया एक्जिम बैंक अपनी इन-हाउस एक्सपोर्ट लीडिंग इंडेक्स (ईएलआई) मॉडल के जरिए हर तिमाही मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट, नॉन-ऑयल एक्सपोर्ट और नॉन-ऑयल एवं नॉन-जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट का अनुमान जारी करता है। यह मॉडल घरेलू और वैश्विक कारकों का आकलन करके भारत के निर्यात की दिशा और संभावित प्रदर्शन का तिमाही आधार पर अनुमान लगाने के लिए तैयार किया गया है।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान, आरबीआई ब्याज दरों को रखेगा स्थिर : मॉर्गन स्टेनली

नई दिल्ली। मॉर्गन स्टेनली ने बुधवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बीच वित्त वर्ष 27 में भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है और वित्त वर्ष 28 में यह 7 प्रतिशत रह सकती है। साथ ही कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दरों को स्थिर रखकर विकास को बढ़ावा देता रहेगा।

रिपोर्ट में बताया गया कि पश्चिम एशिया में तनाव का सबसे अधिक असर जून तिमाही में देखने को मिलेगा। कमोडिटी की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाओं के चलते विकास दर इस दौरान 6.5 प्रतिशत तक रह सकती है। मॉर्गन स्टेनली की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री उपासना चाचरा ने कहा, 'इसके बाद, जैसे-जैसे आपूर्ति-पक्ष की बाधाएं कम होंगी और कमोडिटी की कीमतें स्थिर होंगी, हम गतिविधि में धीरे-धीरे सामान्यीकरण की उम्मीद करते हैं और मार्च 2027 तक विकास दर रुझान के अनुरूप हो जाएगी। चाचरा ने आगे कहा, 'हालांकि, वैश्विक परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं और अनिश्चितता का स्तर काफी ऊंचा है। तेल की ऊंची कीमतें लंबे समय तक बनी रहने से विकास पर असर पड़ सकता है।'

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि बाहरी अनिश्चितता के बीच विकास घरेलू मांग पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, 'व्यापक स्तर पर अस्थिरता बनी हुई है, लेकिन आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान और वस्तुओं की ऊंची कीमतों से स्थिरता में कमी आने की संभावना है। विकास को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए नीति सहायक बनी रहेगी। हालांकि, कमजोर बाहरी परिस्थितियों के बावजूद, अप्रैल के गतिविधि संकेतक मजबूत घरेलू मांग को दिखाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष और तेल की ऊंची कीमतों से विकास पर दबाव पड़ने की संभावना है, लेकिन 'हमें उम्मीद है कि परिणाम पहले की अपेक्षाओं से बेहतर होंगे। अर्थशास्त्री ने कहा, 'हम मौसम और इनपुट उपलब्धता से उत्पन्न होने वाले द्वितीय-चरण प्रभावों और खाद्य मुद्रास्फीति के जोखिमों पर नजर रख रहे हैं।

कसरत के बाद गाय का दूध पीने से हड्डियां होती हैं मजबूत, बढ़ती उम्र में फ्रैक्चर से बचाव संभवः रिपोर्ट

नई दिल्ली। बढ़ती उम्र के साथ एक प्रवृत्ति जो बहुत आम होती है, वो ये कि लोग कसरत को खुद से कोसों दूर कर देते हैं, खाने-पीने में लापरवाही बरतते हैं, और धीरे-धीरे कमजोर होती हड्डियों के कारण लाचार हो जाते हैं। लेकिन एक शोध उन्हें इसमें सुधार करने की हिदायत भी देता है और नसीहत भी। चीनी वैज्ञानिकों ने पाया है कि वर्कआउट के बाद दूध पीने की एक आसान आदत बाद में हड्डियों को बचाने में मदद कर सकती है।

स्टडी से पता चलता है कि कसरत के साथ दूध पीने से बुजुर्गों में जानलेवा फ्रैक्चर का खतरा कम हो सकता है।

ये नतीजे 'जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन, हेल्थ एंड एजिंग' में पब्लिश हुए, जहां शोधार्थियों ने यह जांच की कि क्या एक्सरसाइज के बाद प्रोटीन लेने से बुजुर्गों की हड्डियों को लाभ हो सकता है।

साइंटिस्ट्स ने पाया कि प्रोटीन हड्डियों की मजबूती में अहम भूमिका निभाता है। यह कैल्शियम अवशोषण को बढ़ाता है। एक मिनरल है जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी है और बुढ़ापे में गिरने पर फ्रैक्चर का खतरा कम कर सकता है।

गाय का दूध और सोया दूध दोनों को प्रोटीन के आसान और असरदार सोर्स के तौर पर पहचाना गया।स्टडी में 60 साल और उससे ज्यादा के 82 स्वस्थ व्यस्कों को शामिल किया गया। सभी सहभागी ऐसी किसी भी परेशानी से नहीं जूझ रहे थे जो प्रोटीन लेने या हड्डियों के मेटाबॉलिज्म पर असर डाल सकती थीं। उन्होंने आठ हफ्ते का लगातार व्यायाम किया, जिसमें रेजिस्टेंस और बैलेंस ट्रेनिंग के तीन हफ्ते का सत्र शामिल था।

इसमें भाग लेने वाले लोगों को चार ग्रुप में बांटा गया। इनमें से एक सिर्फ वो थे जो कसरत करते थे, और दो ग्रुप उनके भी थे जो कसरत के बाद या तो गाय का दूध पीते थे या फिर सोया मिल्क लेते थे।

गाय के दूध वाले समूह में शामिल लोगों ने वर्कआउट खत्म करने के एक घंटे बाद 240 एमएल लो-फैट दूध पिया। सोया दूध वाले ग्रुप वालों को थोड़ी कम मात्रा में दूध दिया गया ताकि यह पक्का हो सके कि दोनों समूह हर सत्र में लगभग 7 से 8 ग्राम प्रोटीन लें।

प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट के बीच बैलेंस बनाए रखने के लिए, दोनों दूध वाले ग्रुप्स ने हर ट्रेनिंग सेशन के बाद 60 ग्राम उबले हुए शकरकंद भी खाए। ऐसा आठ हफ्ते के प्रोग्राम में बदस्तूर जारी रखा गया। आठ हफ्तों के बाद, सबसे ज्यादा असर उन लोगों में देखा गया जिन्होंने कसरत के बाद गाय का दूध पिया था। वो ज्यादा चपल और सक्रिय तो दिखे ही, उनकी हड्डियों की मजबूती भी बढ़ी।इसी आधार पर नतीजा निकाला गया कि ज्यादा कसरत के साथ दूध पीना, ज्यादा उम्र के लोगों में हड्डियों की कमजोरी को रोकने और फ्रैक्चर के खतरे को कम करने का एक असरदार तरीका हो सकता है।

भीषण गर्मी में सेहत का साथी 'कच्चा आम,' सेवन से कई फायदे

नई दिल्ली। देश भर में तेजी से बढ़ते तापमान और लू की चपेट के बीच सेहत का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी हो गया है। इस गर्मी के मौसम में बाजार में उपलब्ध कच्चा आम न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है, बल्कि शरीर को हाइड्रेट रखने, पाचन सुधारने और तरोताजा रखने का प्राकृतिक और पारंपरिक तरीका भी है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, खट्टे स्वाद वाला कच्चा आम गर्मियों में कई स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने में सहायक साबित हो सकता है। यह सिर्फ चटनी, अचार या पन्ना बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके नियमित सेवन से शरीर को अंदर से एक-दो नहीं कई फायदे मिलते हैं-

शरीर को हाइड्रेट रखने में सहायकः गर्मी में पसीना ज्यादा आने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। कच्चा आम प्राकृतिक रूप से शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। इसमें मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर के पानी का स्तर बनाए रखते हैं और गर्मी से होने वाली थकान को कम करते हैं।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता हैः गर्मियों में पाचन संबंधी समस्याएं जैसे कब्ज, एसिडिटी और भूख न लगना आम हैं। कच्चा आम पाचन एंजाइम्स को सक्रिय करता है, जिससे भोजन अच्छे से पचता है और आंतों की सेहत सुधरती है।

कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण में मददगारः कच्चे आम में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में सहायक है। इससे हृदय संबंधी जोखिम भी कम होता है।

आंतों को स्वस्थ रखता हैः इसमें मौजूद प्रीबायोटिक्स अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं, जिससे आंतों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है और इम्युनिटी मजबूत होती है।

इसके सेवन के कई तरीके हैं, जैसे कच्चे आम का पन्ना बनाकर पी सकते हैं।

कच्चे आम की चटनी या सलाद के रूप में इस्तेमाल करें। थोड़ी मात्रा में नमक, काला नमक और जीरा मिलाकर खा सकते हैं।

हालांकि, ज्यादा मात्रा में सेवन से बचना चाहिए, खासकर जिन लोगों को एसिडिटी की शिकायत हो। गर्भवती महिलाएं और किसी भी बीमारी से पीड़ित व्यक्ति डॉक्टर या न्यूट्रिशनिस्ट की सलाह के बाद ही शामिल करें।

सूंघने की क्षमता में गिरावट भी अल्जाइमर्स का शुरुआती संकेत

नई दिल्ली। अल्जाइमर एक ऐसी अवस्था है जिसमें ढलती उम्र के साथ याददाश्त कमजोर होती चली जाती है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, अल्जाइमर डिमेंशिया (मस्तिष्क क्षीणता) का एक प्रकार है। इसमें याददाश्त के साथ-साथ सोचने-समझने, निर्णय लेने, और पहचानने व बोलने और समझने की क्षमता में गिरावट आती है। कुछ ऐसे लक्षण होते हैं जिन पर गौर किया जाए तो इसको काबू में किया जा सकता है। इसमें से एक सूंघने की क्षमता भी है।

एक नए शोध में संकेत मिला है कि सूंघने की क्षमता में कमी अल्जाइमर्स के शुरुआती संकेत हो सकते हैं, जो याददाश्त में गिरावट के स्पष्ट लक्षणों से पहले ही दिखाई दे सकती है।

यह निष्कर्ष प्रतिष्ठित जर्नल नेचर कम्युनिकेशन्स में प्रकाशित हुआ है, जिसमें बताया गया कि दिमाग में होने वाले शुरुआती बदलाव इंद्रियों, विशेष रूप से सूंघने की क्षमता पर असर डालते हैं।

जर्मनी के डीजेडएनई और लुडविंग-मैक्सिमिलियंस-यूनिवर्सिटी म्यूनिख के वैज्ञानिकों ने पाया कि दिमाग की प्रतिरक्षा प्रणाली इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। शोध के अनुसार, माइक्रोग्लिया नामक प्रतिरक्षा कोशिकाएं गलती से उन तंत्रिका रेशों पर हमला कर सकती हैं, जो सूंघने की क्षमता के लिए जरूरी होते हैं।

अध्ययन में बताया गया कि सूंघने से जुड़ी समस्या तब उत्पन्न होती है, जब दिमाग के दो अहम हिस्सों के बीच संचार बाधित हो जाता है। इनमें ओलफैक्ट्री

बल्ब, जो नाक से आने वाले गंध संकेतों को प्रोसेस करता है, और लोकस कोरुलियस शामिल हैं, जो इस प्रक्रिया को तंत्रिका कनेक्शनों के जरिए नियंत्रित करता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, जब माइक्रोग्लिया इन दोनों हिस्सों के बीच संपर्क को प्रभावित करती हैं, तो गंध पहचानने की क्षमता कमजोर पड़ने लगती है। यही बदलाव आगे चलकर अल्जाइमर के अन्य लक्षणों का संकेत बन सकते हैं।

इस अध्ययन में चूहों और इंसानों, दोनों पर आधारित साक्ष्य शामिल किए गए। शोधकर्ताओं ने दिमाग के ऊतकों के विश्लेषण और पीईटी स्कैनिंग के जरिए यह समझने की कोशिश की कि बीमारी के शुरुआती चरणों में ये परिवर्तन कैसे होते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सूंघने की क्षमता में कमी को समय रहते पहचाना जाए, तो यह अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारी के शुरुआती निदान में मददगार साबित हो सकता है, जिससे इलाज और देखभाल के बेहतर विकल्प विकसित किए जा सकते हैं।

कैंसर का ब्लड ग्रुप से कनेक्शनः 'ओ' सबसे सुरक्षित, तो संकट किस पर?

नई दिल्ली। ब्लड ग्रुप को आमतौर पर सिर्फ इमरजेंसी स्थितियों जैसे ब्लड सप्लाई या ट्रांसफ्यूजन से जोड़ा जाता है। हालांकि, मेडिकल एक्सपर्ट्स का कहना है कि किसी व्यक्ति का ब्लड टाइप उसकी पूरी हेल्थ के बारे में जरूरी जानकारी दे सकता है और कुछ गंभीर बीमारियों के प्रति उसकी संवेदनशीलता का भी संकेत दे सकता है।

साइंटिफिक रिसर्च में इस बात पर फोकस किया गया है कि अलग-अलग ब्लड ग्रुप वाले लोगों में कैंसर का खतरा कैसे अलग-अलग हो सकता है। दुनिया भर में कैंसर के बढ़ते मामलों को देखते हुए, एक स्टडी में ब्लड टाइप और पेट के कैंसर के बीच एक खास लिंक सामने आया।

2019 में मेडिकल जर्नल बीएमसी कैंसर में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, कुछ खास ब्लड ग्रुप वाले लोगों में दूसरों की तुलना में गैस्ट्रिक कैंसर होने की संभावना ज्यादा होती है। पेट का कैंसर, जिसे मेडिकल भाषा में गैस्ट्रिक कैंसर कहा जाता है, पेट की अंदरूनी परत में सेल्स की असामान्य ग्रोथ के कारण होता है, जो धीरे-धीरे हेल्दी टिशू को नुकसान पहुंचाता है।

स्टडी में पाया गया कि ब्लड ग्रुप ए और एबी वाले लोगों को इस बीमारी का खतरा तुलनात्मक रूप से ज्यादा होता है।

डेटा से पता चला कि ब्लड ग्रुप ए वाले लोगों को ब्लड ग्रुप ओ वाले लोगों की तुलना में लगभग 13 से 19 प्रतिशत अधिक खतरा होता है, जबकि ब्लड ग्रुप एबी वाले लोगों में यह खतरा 18 प्रतिशत तक हो सकता है। इन नतीजों को बाद में कई स्टडीज के मेटा-एनालिसिस से सपोर्ट मिला।

2009 में डाना-फार्बर कैंसर इंस्टीट्यूट के रिसर्चर्स ने ब्लड टाइप और इस बीमारी के होने के रिस्क की पुष्टि की थी। इसे जर्नल ऑफ द नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट ने ऑनलाइन पब्लिश किया था। दो बड़ी हेल्थ-ट्रैकिंग स्टडीज, नर्स हेल्थ स्टडी और हेल्थ प्रोफेशनल्स फॉलो-अप स्टडी में शामिल लोगों के ब्लड टाइप और पैंक्रियाटिक कैंसर के होने के एनालिसिस पर आधारित था।

ब्लड ग्रुप ए में पैंक्रियाटिक कैंसर का 32 फीसदी अधिक जोखिम और एबी में 51 फीसदी पाया गया है। गैस्ट्रिक कैंसर में ए ग्रुप का जोखिम 18-38 फीसदी तक बढ़ा हुआ था, जबकि ओ ग्रुप में कुल कैंसर का जोखिम कम (लगभग 16 फीसदी तक कम) देखा गया।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, ब्लड ग्रुप ए वाले लोगों को हेलिकोबैक्टर पाइलोरी से इन्फेक्शन होने का खतरा ज्यादा होता है, जो एक ऐसा बैक्टीरिया है जिसे पेट के कैंसर का एक बड़ा कारण माना जाता है। हालांकि, रिसर्च से पता चलता है कि इस इन्फेक्शन की गैरमौजूदगी में भी, ब्लड ग्रुप ए वाले लोगों को खतरा ज्यादा हो सकता है। इसके उलट, ब्लड ग्रुप एबी वाले लोगों के लिए, इस बैक्टीरिया की मौजूदगी बीमारी होने की संभावना को और बढ़ा सकती है।

हालांकि, मेडिकल स्पेशलिस्ट इस बात पर जोर देते हैं कि सिर्फ ब्लड ग्रुप को कैंसर का सीधा या एकमात्र कारण नहीं माना जाना चाहिए। सूजन को कंट्रोल करने, इम्यून सिस्टम के रिस्पॉन्स, सेल-टू-सेल इंटरेक्शन और पेट में एसिड के लेवल में ब्लड टाइप के बीच के अंतर, ये सभी बीमारी के खतरे को प्रभावित कर सकते हैं।

खुद को कैसे फिट और फाइन रखते हैं अमिताभ बच्चन, प्रशंसकों को खुद बताया सीक्रेट

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस के करीब आने के साथ ही भारत सरकार का आयुष मंत्रालय योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार नए प्रयास कर रहा है। मंत्रालय नए योगासनों की विस्तृत जानकारी, उनके फायदे और सही करने की विधि साझा कर आम लोगों को योग के प्रति लगातार प्रेरित कर रहा है। इसी क्रम में मंत्रालय ने अभिनेता अमिताभ बच्चन का एक वीडियो अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है।

पोस्ट किए पुराने वीडियो में अमिताभ बच्चन आमजन को अपने स्वास्थ्य का राज बताते हुए रोजाना योग करने की सलाह दे रहे हैं। मंत्रालय ने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा,

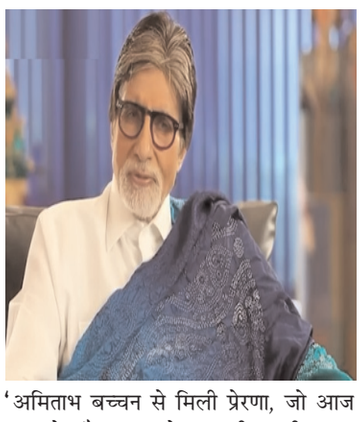

'अमिताभ बच्चन से मिली प्रेरणा, जो आज आपको मैट पर ले आएगी यानी आप योगासन के प्रति उत्सुक होंगे। जब इस दिग्गज हस्ती ने खुद एक समृद्ध जीवन का अपना राज साझा किया था।'

वहीं, वीडियो में अमिताभ बच्चन स्पष्ट शब्दों में कहते नजर आते हैं, 'मैं हर रोज योग करता हूं। इसने मेरे जीवन को संवारा और समृद्ध किया है। योग को अपनाकर जीवन को उसकी पूरी क्षमता के साथ जिया जा सकता है। ध्यान रखें कि योग हमेशा उचित मार्गदर्शन और परामर्श के साथ ही करना चाहिए।

आयुष मंत्रालय का यह कदम विश्व योग दिवस (21 जून) की तैयारियों को और मजबूत बनाता है। मंत्रालय पहले भी कई योग गुरुओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और सेलिब्रिटीज के माध्यम से योग के महत्व पर जागरूकता फैला रहा है।

जो न केवल युवा बल्कि बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक के लिए फायदेमंद है।

वास्तव में योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक विकास के लिए भी बेहद उपयोगी है। नियमित योगाभ्यास से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, तनाव कम होता है, नींद अच्छी आती है और ऊर्जा का स्तर बना रहता है। आयुष मंत्रालय विभिन्न योगासनों की विधि, सावधानियां और लाभों पर लगातार जानकारी दे रहा है।

गैरी फ्रीमैन 'गोली से नहीं हाथी' के हमले में मरना चाहते थे, हुआ दर्दनाक अंत

लिम्पोपो (दक्षिण अफ्रीका), 20 अप्रैल (आईएएनएस)। रविवार (19 अप्रैल) को वन्यजीव प्रेमी गैरी फ्रीमैन को श्रद्धांजलि दी गई। यह एक पीड़ादायक मंजर था। दक्षिण अफ्रीका के क्लासेरी प्राइवेट नेचर रिजर्व में एक बेहद भावुक और दुखद घटना में 9 अप्रैल को 65 वर्षीय सफारी मालिक और अनुभवी गाइड गैरी फ्रीमैन की हाथी के हमले में मौत हो गई। यह वही व्यक्ति थे, जिन्होंने जीवन में कई बार कहा था कि वे किसी हाथी को गोली मारने की बजाय खुद उसकी वजह से मरना पसंद करेंगे।

उनके करीबी और आगंतुक जूडी कॉनर्स ने सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि देते हुए लिखा कि फ्रीमैन का हाथियों से 'गहरा और आत्मिक जुड़ाव' था। उन्होंने कहा, 'उन्होंने कहा था कि वे हाथी को कभी गोली नहीं मारेंगे, बल्कि उसी से मरना पसंद करेंगे। शायद मैं यही मानना चाहती हूँ, लेकिन उनके और हाथी के बीच एक विशेष, आत्मा-से-आत्मा का रिश्ता था।'

घटना के दिन फ्रीमैन एक टूर ग्रुप के साथ सफारी पर थे, तभी एक जंगली हाथी अचानक आक्रामक हो गया और उन पर हमला कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, फ्रीमैन ने स्थिति को संभालने की कोशिश की, लेकिन वे जानवर के हमले से बच नहीं सके। मौके पर मौजूद पर्यटकों ने उन्हें वाहन तक पहुंचाया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी मृत्यु हो गई।

फ्रीमैन का जीवन केवल एक सफारी गाइड तक सीमित नहीं था। उन्होंने कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी, लेकिन बाद में उन्होंने वन्यजीव

संरक्षण और सफारी पर्यटन को अपना करियर बनाया। वे जिस कंपनी के सह-मालिक थे, उसे उन्होंने करीब 33 वर्षों तक संचालित किया।

क्लासेरी प्राइवेट नेचर रिजर्व की स्थापना 1969 में हुई थी, जब 36 फार्म मालिकों ने मिलकर इसे दक्षिण अफ्रीका के सबसे बड़े 'बिग फाइव' वन्यजीव क्षेत्रों में से एक बनाया। फ्रीमैन इस रिज़र्व से लंबे समय से जुड़े हुए थे, और इसे विकसित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, हाथियों द्वारा मानव पर हमला दुर्लभ होता है, लेकिन यह पूरी तरह असंभव नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, हर वर्ष लगभग 300 से 600 लोग हाथियों के हमलों में मारे जाते हैं। हालांकि ये घटनाएं अपेक्षाकृत कम होती हैं, फिर भी जब होती हैं तो अक्सर घातक साबित होती हैं।

इसी संदर्भ में, रिपोर्ट में भारत का भी उल्लेख किया गया है, जहां जनवरी में एक हाथी ने लगभग 10 दिनों तक कई गांवों और कस्बों में उत्पात मचाया था, जिसमें लगभग दो दर्जन लोगों की मौत हुई और 15 घायल हुए थे।

दक्षिण अफ्रीका के लिम्पोपो प्रांत की पुलिस ने इस घटना को लेकर औपचारिक जांच शुरू कर दी है।

मानसिक बीमारी पर खुलकर बोलीं लीसा रे, कहा- मदद मांगना कमजोरी नहीं, हिम्मत की निशानी है

मुंबई। आज के समय में मेंटल हेल्थ एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। तेज रफ्तार जिंदगी, काम का दबाव, रिश्तों में दूरियां और अकेलापन कई लोगों को अंदर ही अंदर मानसिक रूप से कमजोर बना रहा है। लेकिन कई लोग ऐसे हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर अपनी बात रख रहे हैं। इसी बीच अभिनेत्री लीसा रे ने भी मेंटल हेल्थ अवेयरनेस मंथ पर कई अहम बातें साझा की हैं।

लीसा रे ने इंस्टाग्राम पर वेब सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!' में अपने किरदार समारा कपूर के सीन्स की क्लिप शेयर की। इस सीरीज में उनका किरदार बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी मानसिक बीमारी से जूझ रहा होता है।

लीसा ने कैप्शन में लिखा, ''मेंटल हेल्थ अवेयरनेस मंथ हमें यह याद दिलाता है कि मानसिक उपचार एक आसान प्रक्रिया नहीं होती और हर व्यक्ति की कहानी मायने रखती है। इंसान कभी अच्छा महसूस करता है तो कभी अचानक टूट जाता है। इसी उतार-चढ़ाव को मेरे किरदार समारा कपूर ने सीरीज में दिखाने की कोशिश की थी।''

उन्होंने आगे कहा, 'समारा कपूर की कहानी में उन हजारों लोगों की जिंदगी की झलक दिखाई गई थी, जो मानसिक परेशानियों से लड़ रहे हैं। इस किरदार में दिखाया गया कि बाइपोलर डिसऑर्डर से जूझ रहे इंसान के मन में लगातार भावनात्मक बदलाव होते रहते हैं। कभी बहुत ज्यादा खुशी महसूस होती है, तो कभी इंसान अचानक गहरी उदासी में चला जाता है। कई बार वह खुद को अकेला और असुरक्षित महसूस करने लगता है।'

लीसा रे ने कहा, 'सीरीज के कुछ सीन्स इतने वास्तविक थे कि मैं खुद भी भावुक हो जाती थी। समारा का अचानक गुस्सा होना, जल्दबाजी में फैसले लेना, छोटी-छोटी बातों पर टूट जाना और रिश्तों में उलझन महसूस करना सच्चाई के साथ दिखाया गया था।

रुहानिका धवन ने दिव्यांका त्रिपाठी को बताया 'आयरन वुमन', बोलीं- कुछ भी कर सकती हैं 'इशिमा'

मुंबई। 'ये है मोहब्बतें' में मां-बेटी की जोड़ी यानी दिव्यांका त्रिपाठी व रुहानिका की जोड़ी को दर्शकों का खूब प्यार मिला। शो में बेटी का रोल निभा चुकी रुहानिका धवन ने अपनी 'इशिमा' दिव्यांका त्रिपाठी को 'आयरन वुमन' बताते हुए तारीफ की है। रुहानिका ने दिव्यांका के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में खुलकर बात की।

मीडिया के साथ इंटरव्यू में रुहानिका ने बताया, 'वह आयरन की बनी हैं। वह एक 'आयरन वुमन' हैं और ऐसा कुछ भी नहीं है जो वह न कर सकें, वो इतनी मजबूत हैं कि कुछ भी कर सकती हैं।'

उन्होंने दिव्यांका को मां के समान बताया और कहा कि शो के दौरान दिव्यांका ने उन्हें हर छोटी-बड़ी बात सिखाई। रुहानिका ने आगे बताया, 'वह मेरे साथ बैठतीं और मुझे समझातीं कि कैसे मन शांत रखना है, घबराना नहीं है बल्कि आराम से रहकर हर चुनौती का सामना करना है।'

उन्होंने कहा कि दिव्यांका ने उन्हें एक मां की तरह मार्गदर्शन दिया, जिसकी वजह से उनके अंदर आत्मविश्वास आ सका। रुहानिका ने दिव्यांका के साथ बिताए पलों को याद करते हुए कहा कि शो के दौरान उनका रिश्ता सिर्फ सह-कलाकारों का नहीं बल्कि मां-बेटी जैसा था। आज भी वह दिव्यांका का बहुत सम्मान करती हैं।

रुहानिका धवन मात्र 6 साल की उम्र में 'ये है मोहब्बतें' में 'रूही भल्ला' का किरदार निभाने लगी थीं। साल 2013 में शुरू हुए इस लोकप्रिय फैमिली- ड्रामा में दिव्यांका त्रिपाठी ने डॉ. इशिता अय्यर भल्ला यानी 'इशिमा' का किरदार निभाया था। 'इशिमा' और 'रूही' की मां-बेटी वाली जोड़ी दर्शकों को बेहद पसंद आई थी। इस शो में करण पटेल, अनीता हसनंदानी और अली गोनी जैसे कलाकार भी शामिल थे। शो की निर्माता एकता कपूर थीं।

अब रुहानिका बड़ी हो चुकी हैं। इस युवा अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वे रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने वाली अब तक की सबसे कम उम्र की कंटेस्टेंट बनने जा रही हैं।

सोनाली कुलकर्णी ने लॉन्च किया 'हाफ टिकट फुल नागरिक' पॉडकास्ट, बच्चों की सोच और आवाज को मिलेगा नया मंच

मुंबई। मराठी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी ने एक नया पॉडकास्ट शो शुरू किया है, जिसका नाम 'हाफ टिकट फुल नागरिक' रखा गया है। इस शो का मकसद बच्चों और युवाओं की आवाज को एक मंच देना और उनकी सोच को समाज के सामने लाना है।

सोनाली कुलकर्णी ने इस पॉडकास्ट को लॉन्च करते हुए कहा, ''मुझे हमेशा से ही युवा पीढ़ी और बच्चों के विचार बहुत आकर्षित करते रहे हैं। बच्चे बेहद रचनात्मक होते हैं और उनके पास दुनिया को देखने का एक अलग नजरिया होता है। वे बिना किसी डर के अपनी बात रखते हैं और उनकी सोच में एक मासूमियत और ईमानदारी होती है, जो अक्सर बड़ों में कम देखने को मिलती है। यही कारण है कि उनकी सोच को गंभीरता से सुना जाना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''समाज में अक्सर एक आदत बन गई है कि जब भी कोई फैसला लेना होता है, चाहे वह परिवार से जुड़ा हो, सफर की योजना हो या फिर पैसों से जुड़ी बात हो, बच्चों की राय को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई बार उन्हें केवल इसलिए शामिल नहीं किया जाता, क्योंकि वे छोटे हैं। यही रवैया धीरे-धीरे बच्चों पर मानसिक दबाव और भावनात्मक अनदेखी का कारण बन सकता है, जिसे बदलने की जरूरत है।''

'शोर से दूर रहकर ही कलाकार बेहतर काम कर सकते हैं', सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर रकुल प्रीत सिंह का बयान

मुंबई। आज के समय में सोशल मीडिया कलाकारों के लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां लोकप्रियता भी मिलती है और आलोचना भी। एक तरफ जहां फैंस अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ पाते हैं, वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन ट्रोलिंग भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसी मुद्दे पर अब अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने आईएएनएस संग बातचीत में अपनी बेबाक राय रखी। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया के प्रभाव और उससे दूरी बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया।

मीडिया से बात करते हुए रकुल प्रीत सिंह ने कहा, ''एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सोशल मीडिया पर चल रहे शोर और लगातार आने वाली प्रतिक्रियाओं से खुद को अलग रखना सीखे। अगर कोई कलाकार इंटरनेट पर लिखी हर बात को दिल से लगाने लगे, तो उसका असर उसके काम और मानसिक स्थिति दोनों पर पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि उनको अपनी ऊर्जा अपने काम पर लगानी चाहिए।''

रकुल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना व्यापक नहीं था। उस समय कलाकारों को आज की तरह तुरंत प्रतिक्रिया नहीं मिलती थी, जिससे मानसिक दबाव भी कम रहता था। उस दौर में आलोचना और चर्चा का तरीका अलग था, जबकि आज के समय में हर व्यक्ति अपनी राय तुरंत और मुखर होकर सोशल मीडिया पर व्यक्त करता है।''

उन्होंने आगे कहा, ''कोरोना महामारी के बाद सोशल मीडिया का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। पिछले कुछ सालों में लोगों के पास ज्यादा समय था। इसका असर यह हुआ कि अब हर विषय पर लोगों की राय बहुत तेजी से सामने आती है और कलाकारों को लगातार आलोचना और टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है। रकुल प्रीत सिंह ने कहा, ''एक अभिनेता को इस शोर से खुद को दूर रखना चाहिए। कलाकार का काम अभिनय करना और अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाना है, न कि हर ऑनलाइन ट्रोलिंग का जवाब देना। अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया की हर बात को गंभीरता से लेने लगेगा, तो उसका ध्यान भटक जाएगा और उसका काम भी प्रभावित हो सकता है।''

उन्होंने आगे कहा, ''मानसिक रूप से मजबूत रहना आज के समय में कलाकारों के लिए बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि हर अभिनेता को अपने चारों ओर एक दीवार बनानी चाहिए, ताकि बाहरी नकारात्मकता सीधे उनके काम पर असर न डाल सके। कभी-कभी सोशल मीडिया से दूरी बनाना और ब्लाइंडर्स लगाकर सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना ही सही तरीका होता है।

सूरज नांबियार संग अनबन की खबरों से परेशान हुईं मौनी रॉय, सोशल मीडिया पर बयां किया अपना दर्द

मुंबई। अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में छाई हैं। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर कयास लगाए जा रहे हैं कि उनके और पति सूरज नांबियार के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है। बुधवार को अभिनेत्री ने अफवाहों के बीच पोस्ट किया है।

अभिनेत्री ने बुधवार को गंभीर रुख अपनाते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट जारी किया, जिसमें उन्होंने सोशल मीडिया यूजर्स से आग्रह किया कि वे उनकी निजी जिंदगी के बारे में गलत खबरें न फैलाएं। अभिनेत्री ने लिखा, 'सभी मीडिया हाउस से विनम्र निवेदन है कि कृपया गलत खबरें और अफवाहें फैलाने से बचें। हमें थोड़ा समय और प्राइवेसी दें। हर कहानी के पीछे असली भावनाएं और लोग होते हैं। कृपया संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ पेश आएं।'

बता दें कि मौनी रॉय और उनके पति सूरज नांबियार के बीच अनबन की खबरें तब तेज हुईं, जब अभिनेत्री ने पति को इंस्टाग्राम से अनफॉलो करने के साथ-साथ उनके साथ पोस्ट की गई तस्वीरें डिलीट कर दी थीं, जब सोशल मीडिया पर दोनों के अलग होने की खबरें तेज हुईं, तो सूरज ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिएक्टिवेट कर दिया था। वहीं, मौनी की सबसे करीबी दोस्त दिशा पाटनी ने भी सूरज के सोशल मीडिया अकाउंट डिएक्टिवेट होने से पहले ही उसे अनफॉलो कर दिया था।

दिशा, सूरज और मौनी कई जगहों पर साथ में घूमने, पार्टियों और सोशल प्रोग्राम में साथ जाया करते थे और कृति की बहन नूपुर सेनन की शादी में तीनों को साथ में देखा गया था।

मौनी रॉय ने तीन साल तक डेट करने के बाद 22 जनवरी 2022 को बिजनेसमैन सूरज नांबियार से गोवा में शादी की थी। इस जोड़े ने मलयाली और बंगाली दोनों रीति-रिवाजों का पालन करते हुए शादी की, जिसमें उनके करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए। यह शादी गोवा के हिल्टन गोवा रिसॉर्ट में हुई थी। सुबह मलयाली रीति-रिवाजों से और शाम को बंगाली रीति-रिवाजों से शादी संपन्न हुई थी।

कन्नड़ अभिनेता-निर्माता दिलीप राज का निधन, हार्ट अटैक से 47 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

मुंबई। कन्नड़ फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आई है। लोकप्रिय अभिनेता और निर्माता दिलीप राज का निधन हो गया है। उन्होंने 47 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। इस खबर के बाद से पूरी इंडस्ट्री में शोक की लहर है। बताया जा रहा है कि बुधवार तड़के दिलीप राज की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। उन्हें अचानक सीने में तेज दर्द उठा,

जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में बेंगलुरु के कुमारस्वामी लेआउट इलाके स्थित अपोलो अस्पताल ले जाया गया। तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। अस्पताल पहुंचने के कुछ ही समय बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, उनकी मौत हार्ट अटैक की वजह से हुई है।दिलीप राज के निधन की खबर सामने आते ही कन्नड़ फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया पर फैंस लगातार दुख जाहिर कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि इंडस्ट्री ने एक बेहद प्रतिभाशाली कलाकार को खो दिया है। कई कलाकारों ने उन्हें मेहनती, विनम्र और नेकदिल इंसान बताया।दिलीप राज का जन्म 2 सितंबर 1978 को बेंगलुरु में हुआ था। बचपन से ही उनका झुकाव कला और मनोरंजन की दुनिया की तरफ था। कॉलेज के दिनों में उन्होंने थिएटर किया और अभिनय की बारीकियां सीखीं। थिएटर में अपनी पहचान बनाने के बाद दिलीप राज ने टेलीविजन इंडस्ट्री की ओर कदम बढ़ाया। उन्होंने छोटे पर्दे से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। शुरुआत में उन्होंने कई कन्नड़ सीरियल्स में काम किया और धीरे-धीरे दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो गए। 'कंबडा माने', 'जननी', 'अर्ध सत्य', 'रंगोली', 'मांगल्या' और 'कुमकुम भाग्य' जैसे सीरियल्स ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई।

36 साल बाद घाटी में जुटेंगे कश्मीरी पंडित, जून में होगा वैश्विक कॉन्क्लेव

वाशिंटग। करीब 36 साल के लंबे विस्थापन और दर्द के बाद कश्मीरी पंडित समुदाय एक बार फिर अपनी जड़ों की ओर लौटने की ऐतिहासिक पहल करने जा रहा है। जून 2026 में पहली बार 'ग्लोबल कश्मीरी पंडित हेरिटेज टूर एंड कॉन्क्लेव' का आयोजन कश्मीर घाटी में होने जा रहा है। आयोजकों ने इसे अपने वतन से भावनात्मक पुनर्संपर्क की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम बताया है।

यह कार्यक्रम 6 जून से 14 जून तक आयोजित होगा। इसका समापन 13 और 14 जून को श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में दो दिवसीय कॉन्क्लेव के साथ होगा। इस सम्मेलन की थीम 'निर्वासन से उत्कृष्टता तक- कश्मीरी पंडितों की जुझारूपन, पुनर्जागरण और वापसी की यात्रा' रखी गई है।'

आयोजकों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य दुनियाभर में बसे कश्मीरी पंडितों को उनकी पैतृक धरती, धार्मिक स्थलों, सांस्कृतिक विरासत और सामूहिक पहचान से दोबारा जोड़ना है। कार्यक्रम के तहत एक विशेष हेरिटेज टूर भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारत और विदेशों से आने वाले प्रतिनिधि घाटी के मंदिरों, सांस्कृतिक धरोहर स्थलों और कश्मीरी पंडित सभ्यता से जुड़े ऐतिहासिक स्थानों का दौरा करेंगे।

आयोजकों का कहना है कि यह सिर्फ एक यात्रा नहीं बल्कि यादों, पुनर्संपर्क, पुनर्जागरण और वापसी की भावनात्मक और ऐतिहासिक यात्रा होगी। इस आयोजन को सात प्रमुख संस्थाएं मिलकर आयोजित कर रही हैं। इनमें ग्लोबल कश्मीरी पंडित डायस्पोरा, जम्मू-कश्मीर विचार मंच, यूथ ऑल इंडिया कश्मीरी समाज, कश्मीरी पंडित एसोसिएशन मुंबई, कश्मीरी ओवरसीज एसोसिएशन यूएसए, संजीवनी शारदा केंद्र जम्मू और ऑल माइनॉरिटीज एम्प्लॉइज एसोसिएशन ऑफ कश्मीर शामिल हैं। इसके अलावा भारत और विदेशों की 30 से अधिक संस्थाएं भी इसमें सहयोग कर रही हैं। कॉन्क्लेव में विद्वानों, उद्यमियों, नीति निर्माताओं, युवाओं, कलाकारों, सांस्कृतिक विशेषज्ञों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। यहां सांस्कृतिक संरक्षण, राजनीतिक भागीदारी, सामाजिक समरसता और कश्मीरी पंडितों की पहचान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। कार्यक्रम में राउंड टेबल चर्चा, युवा सत्र, अकादमिक पैनल डु कश्मीरी भाषा, साहित्य, संगीत और अध्यात्म से जुड़े सांस्कृतिक आयोजन भी होंगे।

जांच एजेंसी ने ग्वादर जा रहे 34 अफगान नागरिकों को किया गिरफ्तार

क्वेटा। पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने बच्चों और महिलाओं समेत 34 अफगान नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया है। कथित तौर पर ये लोग आवश्यक दस्तावेजों के बगैर पाकिस्तान में प्रवेश कर बलूचिस्तान के ग्वादर की ओर जा रहे थे। स्थानीय मीडिया ने एफआईए प्रवक्ता के हवाले से इसकी जानकारी दी।

पाकिस्तान के दैनिक 'डॉन' में बुधवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, एफआईए के प्रवक्ता ने बताया कि तुर्बत विंग ने खुफिया सूचना मिलने के बाद सीपेक रोड क्षेत्र में छापेमारी कर 34 अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर अवैध तरीके से ग्वादर क्षेत्र के रास्ते ईरान में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे।

गिरफ्तार किए गए अफगान नागरिकों में पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। प्रारंभिक पूछताछ के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया और विदेशी नागरिकों की अवैध आवाजाही में शामिल लोगों और नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है। प्रवक्ता ने कहा कि यह कार्रवाई अवैध मानव तस्करी और दस्तावेजों के बगैर सीमा पार आवाजाही पर पाबंदी लगाने के तहत की गई। पिछले सप्ताह अफगानिस्तान मीडिया सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एएमएसओ) ने कहा था कि पाकिस्तान में रह रहे अफगान शरणार्थियों को मनमानी गिरफ्तारी, दुर्व्यवहार, वसूली और जबरन निर्वासन की धमकियों का अक्सर सामना करना पड़ता है। 8 मई को जारी एक रिपोर्ट में एएमएसओ ने कहा कि 2023 से अब तक पाकिस्तान और ईरान से 34 लाख से अधिक अफगान प्रवासियों को निर्वासित किया जा चुका है। अफगान समाचार एजेंसी 'खामा प्रेस' के अनुसार, यह कार्रवाई बिना दस्तावेज वाले विदेशियों के खिलाफ तेज हुए अभियान के बीच की गई है।

संक्षिप्त खबर

होर्मुज स्ट्रेट से गुजरा चीन का सुपरटैंकर 'युआन हुआ हू'

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान की वजह से होर्मुज स्ट्रेट पर पहरा तगड़ा है। इस बीच खबर है कि चीन के कच्चे तेल के एक सुपरटैंकर ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार कर लिया है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, एक चीनी कच्चे तेल का सुपरटैंकर 'युआन हुआ हू' के खाड़ी क्षेत्र से बाहर निकलते हुए होर्मुज से गुजरने की खबर सामने आई है। जहाज ने ईरान के लार्क आइलैंड के पास से होकर दक्षिण दिशा में सफर किया और होर्मुज स्ट्रेट से बाहर निकल गया। जहाज बुधवार सुबह अस्थिर और संवेदनशील जलमार्ग से गुजरता हुआ देखा गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह पोत होर्मुज से दक्षिण दिशा की ओर बढ़ते हुए जलडमरूमध्य के पूर्वी हिस्से स्थित ईरान के लार्क द्वीप के पास से गुजरा।

11 मई को रॉयटर्स ने केप्लर और एलएसईजी के शिपिंग डेटा का हवाला देते हुए बताया था कि तीन तेल टैंकरों ने अपने ट्रैकिंग सिस्टम बंद करके होर्मुज स्ट्रेट पार किया। ये तीनों क्रूड ऑयल लेकर इलाके से गुजरे थे। दावा किया गया कि इनमें से दो बहुत बड़े क्रूड कैरियर (वीएलसीसी)—एगियोस फैनोरियोस ड्व और कियारा एम—रविवार (10 मई) को स्ट्रेट से बाहर निकले। इनमें से हरेक में 2 मिलियन बैरल इराकी क्रूड ऑयल था। इसमें कहा गया कि वियतनाम जा रहा एगियोस फैनोरियोस ।, 17 अप्रैल को बसरा मीडियम क्रूड लोड करने के बाद से दो पिछली कोशिशों में पानी के रास्ते गुजरने में नाकाम रहा था। हालांकि इस दिन ईरानी तस्नीम न्यूज एजेंसी के हवाले से दावा किया गया था कि माल्टा के झंडे वाले एगियोस फैनोरियोस ने होर्मुज स्ट्रेट पार उसकी मदद से किया था। ईरान ने होर्मुज को अपनी शर्तों का हवाला देते हुए बंद रखा है तो अमेरिका ने उसके बंदरगाहों पर ही नाकाबंदी कर दी है। दोनों के बीच शांति प्रस्ताव स्थिर न होने का एक बड़ा कारण ये स्ट्रेट भी है। इस बीच कुछ मिसाइल या ड्रोन हमले भी गुजरने वाली शिप्स पर किए गए।

4 मई को ही स्ट्रेट के पास 'जेवी इनोवेशन' नामक टैंकर को निशाना बनाया गया। यह जहाज मार्शल आइलैंड्स के झंडे तले चल रहा था, लेकिन इसका सीधा संबंध चीन से था। ड्रोन या मिसाइल हमले के बाद जहाज के डेक पर भीषण आग लग गई थी, जिसकी बीजिंग ने आधिकारिक पुष्टि भी की। जहाज पर चीनी चालक दल मौजूद था। हमला यूएई के 'मीना सकर' बंदरगाह के नजदीक हुआ था। हमले पर चीन के विदेश मंत्रालय ने गहरी चिंता जताते हुए कहा था कि नागरिक जहाजों पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

ईटीजीई की ट्रंप से अपील, 'जिनपिंग के सामने उठाएं ईस्ट तुर्किस्तान और तिब्बत का मुद्दा'

वाशिंगटन। ईस्ट तुर्किस्तान गवर्नमेंट-इन-एक्साइल (ईटीजीई) और ईस्ट तुर्किस्तान नेशनल मूवमेंट (ईटीएनएम) ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपील की है कि वे बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ होने वाली बैठक के दौरान चीन ईस्ट तुर्किस्तान और तिब्बत में किए जा रहे कथित 'नरसंहार' और 'औपनिवेशिक कब्जे' का मुद्दा उठाएं। राष्ट्रपति ट्रंप बुधवार को दो दिवसीय उच्चस्तरीय शिखर वार्ता के लिए चीन की राजकीय यात्रा पर रवाना हुए। लगभग एक दशक में किसी मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति की यह पहली चीन यात्रा मानी जा रही है।

ट्रंप से की गई अपील में ईटीजीई ने आरोप लगाया कि चीनी कब्जे वाले 'ईस्ट तुर्किस्तान' (जिसे चीन का शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र भी कहा जाता है) में उइगर, कजाख, किर्गिज और अन्य तुर्किक समुदायों के खिलाफ चल रहे कथित नरसंहार का आदेश दिया था। निर्वासित संगठन का दावा है कि इस अभियान को अब 13 साल होने वाले हैं।

निर्वासित संगठनों ने अमेरिकी राष्ट्रपति से यह भी आग्रह किया कि शिखर सम्मेलन के दौरान ऐसा कोई समझौता न किया जाए जो ईस्ट तुर्किस्तानी और तिब्बती लोगों के 'नरसंहार और दासता' को बढ़ावा दे।

संगठनों ने कहा, 'ईस्ट तुर्किस्तान में चीन के सबसे बड़े बेरिलियम भंडार और लिथियम, जिरकोनियम, रुबिडियम, टाइटेनियम, मैग्नीशियम और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के बड़े भंडार मौजूद हैं। यही वे महत्वपूर्ण खनिज हैं जिन पर इस शिखर सम्मेलन में बातचीत हो रही है। इनका दोहन कब्जे वाले क्षेत्र से उन परिस्थितियों में किया जा रहा है जिन्हें संयुक्त राष्ट्र ने मानवता के खिलाफ अपराध के रूप में दासता माना है।'

ईटीजीई के अनुसार, जिनपिंग के कथित अभियान के तहत 'व्यापक नजरबंदी, जबरन श्रम के जरिए बड़े पैमाने पर गुलामी, जबरन नसबंदी, दस लाख से अधिक उइगर और अन्य तुर्किक बच्चों को उनके परिवारों से अलग करना तथा सैकड़ों हजारों लोगों के अंगों की जबरन निकासी' जैसी गतिविधियां जारी हैं। संगठन ने यह भी दावा किया कि चीन के 2026 के 'एथनिक यूनिटी लॉ' ने गैर-चीनी पहचान को मिटाने की प्रक्रिया को कानूनी रूप दे दिया है।

श्रीलंका में डेंगू का कहर जारी, स्वास्थ्य महकमे ने कहा 'मानसून में संक्रमण दर बढ़ सकती है'

कोलंबो। श्रीलंका में डेंगू का कहर दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। जनवरी 2026 से अब तक इस वायरल संक्रमण से 14 लोगों की मौत हो गई है वहीं 27,754 मामले दर्ज किए गए हैं। श्रीलंका के स्वास्थ्य महकमे का कहना है कि देश के सभी 25 जिलों से संक्रमण रिपोर्ट हो रही हैं।

राष्ट्रीय डेंगू नियंत्रण इकाई ने बताया कि 2025 की तुलना में संख्या बढ़ी है। सबसे अधिक संक्रमण पश्चिमी प्रांत में दर्ज किया गया, जबकि मातारा, गाले, रत्नापुरा, कालुतारा और कैंडी में भी 2026 के पहले चार महीनों के दौरान बड़ी संख्या में लोग इससे पीड़ित हुए।

राष्ट्रीय डेंगू नियंत्रण इकाई की सामुदायिक चिकित्सा विशेषज्ञ प्रिसिला समरवीरा ने स्वास्थ्य मंत्रालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा कि मानसून की बारिश से संक्रमण और फैल सकता है। अधिकारियों ने बताया कि घरों की तुलना में स्कूलों, कार्यस्थलों, धार्मिक संस्थानों के अलावा सरकारी और निजी संस्थाओं में मच्छरों के प्रजनन में अधिक वृद्धि देखी गई है।

डेंगू के फैलाव का प्रमुख कारण कचरे का गलत तरीके से निपटान बताया गया है, जिससे बचाव के लिए जनता के पूर्ण सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया गया। जनता को यह भी सलाह दी गई है कि यदि बुखार के साथ मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, उल्टी, मतली या त्वचा पर चकत्ते जैसे कम-से-कम दो लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें।

अमेरिकी महिला आर्थिक विधेयक का लक्ष्य है दक्षिण एशिया

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस की सदस्य जूली जॉनसन ने दक्षिण और मध्य एशिया में महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से एक विधेयक पेश किया है। यह विधेयक इस पहल को व्यापक अमेरिकी विदेश नीति और क्षेत्रीय स्थिरता के लक्ष्यों से सीधे जोड़ता है।

'ईएमपीओवर एक्ट' नामक प्रस्तावित विधेयक का उद्देश्य दक्षिण और मध्य एशिया में महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा और उन्नति को बढ़ावा देने के लिए अमेरिकी नीति स्थापित करना है, जिसे इस क्षेत्र में हमारी विदेश नीति के उद्देश्यों का अभिन्न अंग बनाया गया है।

विधेयक की घोषणा करते हुए जॉनसन ने कहा कि अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी गरीबी उन्मूलन और दीर्घकालिक क्षेत्रीय स्थिरता से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि महिलाओं की श्रम शक्ति में भागीदारी, संपत्ति का स्वामित्व और आर्थिक सुरक्षा गरीबी उन्मूलन और दीर्घकालिक स्थिरता के प्रमुख कारक हैं, जिनमें दक्षिण और मध्य एशिया भी शामिल है। उत्तरी टेक्सास में एक बड़ा और जीवंत दक्षिण और मध्य एशियाई समुदाय रहता है। हमारे क्षेत्र और दुनिया के उस हिस्से के बीच के संबंध इस कार्य को और भी अधिक सार्थक बनाते हैं।' जॉनसन ने ट्रंप प्रशासन की नीतियों की आलोचना करते हुए आर्थिक साझेदारी और विकास पहलों के माध्यम से इस क्षेत्र में निरंतर अमेरिकी भागीदारी की वकालत की।

कैद में पाकिस्तान के पूर्व पीएम, बहनों को भाई इमरान खान से मिलने की फिर नहीं मिली इजाजत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की अदियाला जेल में बंद पूर्व वजीर-ए आजम (प्रधानमंत्री) और पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ के संस्थापक इमरान खान की बहनों को एक बार फिर पुलिस ने मिलने नहीं दिया। उनके साथ खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी भी थे। यह जानकारी बुधवार को स्थानीय मीडिया ने दी।

पाकिस्तानी दैनिक द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए, इमरान खान की बहन अलीमा खान ने कहा कि इमरान खान से मिलने से मना करना कोर्ट की अवमानना ??है। नियमों के हवाले से उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने हर मंगलवार और गुरुवार को फैमिली मीटिंग के साफ ऑर्डर दिए हैं; इसके बावजूद उन्हें भाई इमरान से मिलने नहीं दिया गया। अलीमा खान ने कहा, 'इमरान खान सिर्फ हमारे भाई ही नहीं, बल्कि पीटीआई नेता भी हैं, इसलिए हमने कहा कि हमें आप सबकी (प्रेस) जरूरत है। यहां आएं और दबाव बनाएं ताकि इमरान खान को अस्पताल में सही इलाज मिल सके...इमरान खान ने 128 दिनों तक धरना दिया था। उन्होंने दिन-रात सड़कों पर बिताए। सभी को थोड़ी हिम्मत दिखानी होगी। यह मुश्किल समय है, और हम जो कर सकते हैं, कर रहे हैं।'

पीटीआई लगातार इमरान खान की पुलिस हिरासत में सही मेडिकल केयर न करने का आरोप लगाती रही है। हाल ही में उन्होंने 1,000 दिन पूरे होने के बावजूद हिरासत में रखने को राजनीतिक उत्पीड़न का कृत्य बताया था। दल के अनुसार पूर्व पीएम के संवैधानिक और न्यायिक अधिकारों की साफतौर पर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यूएई के गल्फ टुडे ने पीटीआई के केंद्रीय सूचना सचिव वकास अकरम के हवाले से कहा कि पीटीआई संस्थापक इमरान खान को राजनीतिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ रहा है, क्योंकि मौजूदा सरकार उनकी लोकप्रियता और स्वतंत्र नजरिए से डरती है। यही वजह है कि उन्हें साइडलाइन करने की कोशिश की जा रही है।

अकरम ने कहा कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के साथ बुरा बर्ताव किया जा रहा है। पीटीआई संस्थापक को अकेले कैद में रखा जा रहा है, जबकि उनके परिवार, वकीलों और पार्टी लीडरशिप को उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है, जो बुनियादी इंसानी और कानूनी अधिकारों का साफ उल्लंघन है। 73 साल के खान अगस्त 2023 से जेल में हैं, जिसे पीटीआई राजनीति से प्रेरित कदम बताती रही है। 2022 में नो-कॉन्फिडेंस वोट के जरिए ऑफिस से हटाए जाने के बाद से, इमरान खान पर कई केस चल रहे हैं।

अफ्रीका सीडीसी और डब्ल्यूएचओ ने किया हंतावायरस के लिए पूरी तैयारी करने का आह्वान

अदीस अबाबा। अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने स्वास्थ्य अधिकारियों और आम जनता से सतर्क रहने और हंतावायरस निगरानी उपायों को मजबूत करने का आग्रह किया है। जबकि अफ्रीका में इस बीमारी के प्रकोप को जन स्वास्थ्य के लिए कम जोखिम वाला माना जा रहा है।

एक संयुक्त तकनीकी ब्रीफिंग के दौरान, अफ्रीका सीडीसी में आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया प्रभाग के प्रमुख याप बौम ॥ ने निगरानी को मजबूत करने और किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहने के प्रयासों का आह्वान किया, हालांकि पूरे महाद्वीप में हंतावायरस के कोई मामले दर्ज नहीं किए गए हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हंतावायरस की रोकथाम साधारण दैनिक कार्यों से शुरू होती है और शीघ्र पता लगाने और चिकित्सा सहायता के महत्व को रेखांकित करते हुए, स्वास्थ्य अधिकारियों और जनता से बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, थकान या सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षणों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। यह कॉल अंतरराष्ट्रीय क्रूज जहाज एमवी होंडियस पर पाए गए हंतावायरस संक्रमण के मामलों के बाद की गई, जो 147 लोगों को लेकर अर्जेंटीना से स्पेन के कैनरी द्वीप समूह के लिए रवाना हुआ था।

विशेषज्ञों के अनुसार, हालांकि अफ्रीका में इस बीमारी के प्रकोप से जुड़ा समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम कम बना हुआ है, लेकिन हाल की घटनाओं से सतर्कता, शीघ्र पता लगाने और प्रभावी जोखिम संचार के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। डब्ल्यूएचओ के अफ्रीका क्षेत्रीय कार्यालय में आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया की निदेशक मैरी-रोसेलिन बेलीज़ेयर ने कहा, 'हालांकि वर्तमान वैश्विक जोखिम आकलन कम बना हुआ है।

नेपाल में बंदरों के आतंक से परेशान नगरपालिका ने लिया अजीबोगरीब फैसला!

काठमांडू। बंदरों ने नेपाल के कई पहाड़ी क्षेत्रों में इस कदर तबाही मचाई है कि स्थानीय सरकार को एक अजीबोगरीब फैसला करना पड़ा। बंदरों के आतंक से निपटने के लिए एक दिन के सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर दी गई है। ये लालिगुरास नगरपालिका ने लिया है। इस दिन इलाके के लोग सामूहिक तौर पर बंदरों को खेतों और बस्तियों से भगाने का काम करेंगे।

लालिगुरास नगरपालिका तेहरथुम जिले की है। एक दिन की छुट्टी जेष्ठ (1), यानी 15 मई को, पूरे क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश घोषित की गई है, ताकि स्थानीय भाषा में 'रातो बांदर' कहलाने वाले 'रीसस मकाक' बंदरों के विरुद्ध ऑपरेशन चलाया जा सके। ये बंदर फसलों और सब्जियों को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं। दरअसल, हुड़दंगी बंदरों का झुंड मक्का, आलू, कोदो, फल और सब्जियों को आए दिन नष्ट कर रहा है। बंदरों की इस हरकत से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि किसान रातभर खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं, जबकि कई स्कूली बच्चे फसलों की सुरक्षा के लिए पढ़ाई छोड़ रहे हैं। मेयर अर्जुन माबुहांग के हस्ताक्षर से जारी सूचना में कहा गया कि बंदरों की समस्या को अक्सर मामूली समझा जाता है, लेकिन इसने ग्रामीण किसानों की आजीविका पर गंभीर असर डाला है। सूचना में कहा गया, 'किसान अपनी कृषि उपज बचाने के लिए पूरी रात जागकर खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं। इसका असर न केवल उनकी आर्थिक स्थिति पर पड़ा है, बल्कि बच्चों की शिक्षा और परिवारों के दैनिक जीवन पर भी पड़ा है।'

नगरपालिका ने बताया कि 15 और 16 मई को दो दिवसीय अभियान चलाकर बंदरों को नगरपालिका की सीमा से बाहर खदेड़ा जाएगा। किसानों, जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों से वार्ड कार्यालयों की ओर से तय किए गए स्थानों और निश्चित समय पर भाग लेने का आग्रह किया गया है। मेयर माबुहांग ने कहा, 'यह समस्या सामान्य लग सकती है, लेकिन इसने किसानों की आजीविका पर नकारात्मक असर डाला है। बंदर ग्रामीणों के उगाए मक्का, आलू, कोदो, फल और सब्जियों को नष्ट कर रहे हैं।' नगरपालिका ने बंदरों से अधिक प्रभावित इलाकों में देखरेख करने वाले कर्मियों की तैनाती और अस्थायी चौकियां भी बनाई हैं।

नोएडा में हिंसक प्रदर्शन मामले में बड़ी कार्रवाई, दो आरोपियों पर लगा एनएसए

नोएडा। नोएडा में 13 अप्रैल को हुए हिंसक श्रमिक प्रदर्शन मामले में पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की है। पुलिस की जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों की भूमिका प्रदर्शन को हिंसक बनाने, भीड़ को भड़काने और अराजकता फैलाने में अहम रही। इस कार्रवाई के बाद जिले में कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन और अधिक सतर्क हो गया है।

पुलिस के अनुसार, जिन दो आरोपियों पर एनएसए लगाया गया है उनमें सत्यम वर्मा और आकृति शामिल हैं। दोनों को मजदूर बिगुल दस्ता का सक्रिय सदस्य बताया गया है। जांच एजेंसियों का कहना है कि श्रमिक आंदोलन के दौरान इन दोनों ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों का इस्तेमाल कर बड़ी संख्या में लोगों को प्रदर्शन में शामिल होने के लिए उकसाया था। इतना ही नहीं, प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाओं में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका पाई गई है।

पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की ओर से जारी बयान में कहा गया कि श्रमिक धरना और प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं तथा भड़काऊ गतिविधियों के संबंध में जिले के विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज किए गए थे। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि सत्यम वर्मा और आकृति लगातार लोगों को भड़काने और लोक व्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद दोनों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हिंसक प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया, आगजनी की गई और कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास किया गया। इस मामले में कई अन्य संदिग्धों की भी पहचान की गई है और उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही अन्य आरोपियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने साफ किया कि जिले में अराजकता फैलाने, अफवाहें प्रसारित करने और शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस प्रशासन ने कहा कि जनपद में शांति, सुरक्षा और आम जनता की सुविधा बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है और कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

राजस्थान में पुलिस का बड़ा अभियान, 727 जगहों पर नाकाबंदी कर हजारों वाहनों की जांच

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने राज्यभर में कानून व्यवस्था मजबूत करने और अपराधों पर नजर रखने के लिए पिछले सप्ताह बड़ा नाकाबंदी और विशेष जांच अभियान चलाया।

यह दो दिवसीय विशेष अभियान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर चलाया गया। अभियान राजस्थान के कई पुलिस रेंज में एक साथ संचालित किया गया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) वीके सिंह ने बताया कि पहले दिन बीकानेर, जोधपुर और जयपुर रेंज में अभियान चलाया गया, जबकि दूसरे दिन भरतपुर, उदयपुर और कोटा रेंज में कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान पुलिस ने 727 जगहों पर नाकाबंदी की और वाहनों व संदिग्ध लोगों की व्यापक जांच की। अधिकारियों के मुताबिक, अभियान में कुल 16,676 दोपहिया और 18,795 चारपहिया वाहनों की जांच की गई। ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले 262 चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इसके अलावा, हेलमेट नहीं पहनने वाले दोपहिया चालकों के खिलाफ 1,173 चालान काटे गए, जबकि सीट बेल्ट नहीं लगाने पर 1213 लोगों पर जुर्माना लगाया गया। ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वाले 75 चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने गैर-मानक नंबर प्लेट और काली फिल्म लगे वाहनों पर भी कार्रवाई की। गलत या पढ़ने में मुश्किल नंबर प्लेट के 857 मामले दर्ज किए गए, जबकि काली फिल्म या टिंटेड शीशों के 739 मामले सामने आए। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कुल 2,856 मामले दर्ज किए गए।

इस तरह अभियान के दौरान मोटर व्हीकल एक्ट के कुल 7,185 मामले दर्ज हुए। रेंजवार आंकड़ों में सबसे ज्यादा 1,633 मामले जोधपुर रेंज में दर्ज किए गए। उदयपुर रेंज में 1,583, जयपुर में 1,094, बीकानेर में 954, भरतपुर में 986 और कोटा में 935 मामले दर्ज हुए। ट्रैफिक कार्रवाई के अलावा पुलिस ने अवैध हथियार, नशीले पदार्थ, अवैध शराब और अवैध खनन के खिलाफ भी अभियान चलाया।

संक्षिप्त खबर

वैक्सीन मैत्री: कोविड संकट में भारत ने 42 अफ्रीकी देशों तक पहुंचाई वैक्सीन

नई दिल्ली। भारत की 'वैक्सीन मैत्री' पहल को लेकर 'इंडियन डिप्लोसी' के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक खास पोस्ट शेयर की गई है। इस पोस्ट में बताया गया, 'वसुधैव कुटुंबकम (पूरी दुनिया एक परिवार है) की भावना पर आधारित 'वैक्सीन मैत्री' पहल ने कोविड-19 महामारी के दौरान दुनिया भर के साझेदार देशों को सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराया। पोस्ट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया गया है, जिसमें इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट और एंड्योरिंग पार्टनरशिप-शेयर्ड विजन का जिक्र करते हुए भारत और अफ्रीका के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को दिखाया गया है। वीडियो में बताया गया कि साल 2020 में जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही थी और वैक्सीन की भारी कमी थी, उस समय भारत ने सबसे पहले मदद के लिए आगे आने वाले देश की भूमिका निभाई। वीडियो में बताया गया कि 'वैक्सीन मैत्री' दुनिया के प्रति भारत की जिम्मेदारी और मानवता की भावना का प्रतीक था। भारत ने अफ्रीका के 42 देशों तक मेड-इन-इंडिया वैक्सीन की 4 करोड़ से ज्यादा डोज पहुंचाईं। इनमें बोत्सवाना, केन्या, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस, मिस्र, नाइजीरिया, युगांडा, रवांडा, इथियोपिया, जिम्बाब्वे और कई अन्य देश शामिल थे। वीडियो में यह भी दिखाया गया कि महामारी के सबसे कठिन दौर में भारत ने सिर्फ अपने नागरिकों के लिए ही नहीं सोचा, बल्कि दूसरे देशों की जरूरतों को भी प्राथमिकता दी। 'हर कदम पर साथ मिलकर और मजबूत' के संदेश के जरिए यह भी बताया गया कि भारत और अफ्रीका के रिश्ते सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आपसी भरोसे और सहयोग पर आधारित हैं। वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि भारत को इस बात पर गर्व और विनम्रता दोनों महसूस होती है कि भारत में बनी वैक्सीन दुनिया भर के देशों तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा, 'हम सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि मानवता की मदद भी करना चाहते हैं।'

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस का बड़ा फैसला, मंत्रियों और अधिकारियों के विदेश दौरे किए रद्द

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशों के आधार पर महाराष्ट्र के मंत्रियों और अधिकारियों के पहले से मंजूर विदेश दौरों को रोक दिया गया है। अब अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़े काम वर्चुअल प्लेटफॉर्म के जरिए किए जाएंगे, ताकि सरकारी खर्च कम हो सके और देश के ईंधन बचाने के अभियान को भी बढ़ावा मिले।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राज्य के मंत्रियों और उच्च-रैंकिंग वाले सरकारी अधिकारियों के लिए पहले से तय विदेश दौरों को तुरंत रद्द करने का आदेश दिया।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि राज्य प्रशासन ने प्रशासनिक कामों या स्टडी टूर के लिए तय सभी आगामी अंतरराष्ट्रीय दौरों को रोकने के निर्देश जारी किए हैं। इस अचानक और सख्त कदम का मुख्य मकसद राज्य के खजाने पर पड़ने वाले बोझ को कम करना और जनता को वित्तीय अनुशासन व खर्चों में कटौती का एक मजबूत संदेश देना है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि शासन-प्रशासन का काम बिना किसी रुकावट के चलता रहे, सरकार ने निर्देश दिया है कि सभी जरूरी अंतरराष्ट्रीय समझौते, बैठकें और विचार-विमर्श वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही किए जाएं। मुख्यमंत्री के आदेश का तुरंत प्रभाव से असर भी हुआ है। पर्यटन, खनन और महिला व बाल विकास मंत्री शंभूराज देसाई ने लंदन और पेरिस के अपने तय दौरे को रद्द कर दिया। बताया जा रहा है कि यह यात्रा तीन महीने पहले से ही एक निजी पारिवारिक छुट्टी के तौर पर तय की गई थी, लेकिन मंत्री देसाई ने इसे रद्द करने का फैसला किया, ताकि वे ईंधन बचाने और विदेशी मुद्रा बचाने की देशव्यापी भावना के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें। वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा में भी विधायकों के जापान के लिए तय स्टडी टूर को रद्द कर दिया गया। इस बात की पुष्टि विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने की। सरकार का यह कदम तब आया है, जब प्रधानमंत्री मोदी ने नेताओं और अधिकारियों से अपील की थी कि वे अनावश्यक विदेश यात्राओं और खर्चों से बचें, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। यह अपील ऐसे समय में की गई है, जब वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और पश्चिम एशिया में चल रहा संकट ईंधन की कीमतों और अंतरराष्ट्रीय स्थिरता पर असर डाल रहा है।

मंगलुरु में हाइब्रिड गांजा ले जाते हुए छात्रा गिरफ्तार

मंगलुरु। कर्नाटक पुलिस ने बुधवार को बताया कि उन्होंने मंगलुरु शहर में 35 लाख रुपए की हाइब्रिड गांजा की तस्करी के आरोप में एक बीसीए छात्र को गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान 21 साल की सुहाना के तौर पर हुई है, जो शिवमोग्गा जिले के सागर की रहने वाली है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी चेन्नई से गांजा लाई थी और उसे तटीय शहर मंगलुरु में छात्रों को बेचती थी। पुलिस ने आगे बताया कि बेंगलुरु और मंगलुरु में उसके खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज थे। मुल्की पुलिस ने इस घटना के संबंध में एक मामला दर्ज किया है और जांच कर रही है। आरोपी उडुपी जिले के कुंडापुरा शहर के एक जाने-माने कॉलेज में बीसीए की फाइनल ईयर की छात्रा है। पुलिस ने उसे मंगलवार को तब पकड़ा, जब वह कथित तौर पर मुल्की रेलवे स्टेशन रोड पर नशीला पदार्थ बेच रही थी। पनाम्बुर और मुल्की की विशेष पुलिस टीमों ने मिलकर यह ऑपरेशन चलाया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने 35 लाख रुपए का 1.40 किलोग्राम हाइब्रिड गांजा जब्त किया। जब्त किए गए गांजे की बाजार में कीमत काफी ज्यादा बताई जा रही है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन और दूसरे दस्तावेज भी जब्त किए हैं। शुरुआती जांच के मुताबिक, सुहाना कथित तौर पर चेन्नई से मंगलुरु तक नशीला पदार्थ लाई थी।

13 साल से फरार मुख्य आरोपी को सीबीआई ने कोलकाता से किया गिरफ्तार

अगरतला/कोलकाता। त्रिपुरा चिट फंड घोटाला मामले में 13 साल से फरार मुख्य आरोपी संजीत चक्रवर्ती को सीबीआई ने कोलकाता से गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बुधवार को बताया कि इसके खिलाफ त्रिपुरा के दो चिट फंड मामलों में आरोपपत्र दायर किया गया था। एजेंसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि आरोपी संजीत चक्रवर्ती, जो कोलकाता स्थित मेसर्स कॉस्मिक नेगोसिएटर्स प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं, त्रिपुरा पुलिस द्वारा 2013 में एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद से फरार था। इसे मंगलवार को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने एक बयान में कहा कि डीएसपीई अधिनियम, 1946 के तहत त्रिपुरा और केंद्र सरकार की अधिसूचनाओं के बाद सीबीआई ने पहले इन मामलों को अपने हाथ में लिया था। इसमें कहा गया है कि जांच के बाद, पहले मामले में आरोपी संजीत चक्रवर्ती और अन्य के खिलाफ 2015 में जनता से लगभग 7.48 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में चार्जशीट दायर की गई थी। दूसरे मामले में आरोपी और अन्य के खिलाफ 2024 में जनता से लगभग 27.13 लाख रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में चार्जशीट दायर की गई थी। बयान में कहा गया है कि दोनों ही मामलों में, चक्रवर्ती को आरोपपत्र में फरार आरोपी के रूप में दिखाया गया था।

सीबीएसई 12वीं बोर्ड के परिणाम में त्रिवेंद्रम टॉप एवं चेन्नई दूसरे स्थान पर, डिजिलॉकर पर दस्तावेज

नई दिल्ली। सीबीएसई 12वीं कक्षा के बोर्ड में सबसे बेहतरीन परीक्षा परिणाम केरल के त्रिवेंद्रम रीजन का रहा है। त्रिवेंद्रम ने उत्तीर्ण प्रतिशत के मामले में पूरे देश में टॉप किया है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को कक्षा 12वीं का बोर्ड रिजल्ट जारी किया है। सीबीएसई बोर्ड के मुताबिक, देशभर से क्षेत्रवार परिणामों में त्रिवेंद्रम क्षेत्र ने 95.62 प्रतिशत परिणाम के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। चेन्नई क्षेत्र 93.84 प्रतिशत के साथ दूसरे और बेंगलुरु 93.19 पास प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहा। विजयवाड़ा क्षेत्र का परिणाम 92.77 प्रतिशत रहा। दिल्ली पश्चिम रीजन का परिणाम 92.34 प्रतिशत रहा। वहीं, दिल्ली पूर्व क्षेत्र का परिणाम 91.73 प्रतिशत दर्ज किया गया है।

इनके अलावा, अन्य क्षेत्रों में अहमदाबाद का परिणाम 90.60 प्रतिशत रहा। गुरुग्राम क्षेत्र का पासिंग प्रतिशत 88.45, लुधियाना का 87.92 और पुणे का 87.32 प्रतिशत रहा। सबसे कम परिणाम प्रयागराज क्षेत्र में 72.43 प्रतिशत दर्ज किया गया, जबकि पटना क्षेत्र का परिणाम 74.45 प्रतिशत रहा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 10 और 12 बोर्ड परीक्षा 2026 के परिणाम जारी करने के साथ छात्रों के लिए डिजिटल दस्तावेज और ऑनलाइन सेवाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी जारी की है।

बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि छात्र अपना परीक्षा परिणाम और प्रमाण पत्र डिजिटल माध्यम से आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

`सीबीएसई के अनुसार, विद्यार्थी अपने प्रमाणपत्र और अन्य शैक्षणिक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए डिजिलॉकर मोबाइल ऐप का उपयोग कर सकते हैं। छात्र गूगल प्ले स्टोर से डिजिलॉकर ऐप डाउनलोड कर अपनी मार्कशीट, पासिंग सर्टिफिकेट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट और स्किल सर्टिफिकेट देख सकेंगे। वहीं, परिणाम देखने के लिए उमंग मोबाइल ऐप भी उपलब्ध कराया गया है।

बोर्ड ने बताया कि परिणाम घोषित होते ही डिजिटल शैक्षणिक दस्तावेज सीबीएसई के डिजिटल अकादमिक भंडार 'परिणाम मंजूषा' के माध्यम से उपलब्ध करा दिए गए हैं। इसमें मार्कशीट, सर्टिफिकेट्स , माइग्रेशन प्रमाणपत्र और स्किल सर्टिफिकेट शामिल हैं। विदेशों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी उनके डिजिटल दस्तावेज सीबीएसई डिजिलॉकर पेज के माध्यम से ईमेल पर उपलब्ध कराए जाएंगे। उनके मुद्रित मार्कशीट और प्रमाणपत्र संबंधित विद्यालयों के जरिए भेजे ही जाएंगे। प्राइवेट से परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के लिए भी बोर्ड ने अलग व्यवस्था की है।

एनआईए को बड़ी सफलता, वांछित नार्को-आतंक आरोपी इकबाल सिंह को पुर्तगाल से लाया गया भारत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को बड़ी सफलता मिली है। वांछित नार्को-आतंकवादी इकबाल सिंह उर्फ शेरा को गिरफ्तार करके पुर्तगाल से भारत लाया गया है। अधिकारियों ने कहा कि उसे पुर्तगाल से भारत लाने के लिए लंबे समय तक चले कूटनीतिक और कानूनी प्रयासों के बाद यह सफलता मिली।

इकबाल सिंह उर्फ ??शेरा को हिजबुल मुजाहिदीन के एक बड़े आतंकी फंडिंग मामले का मास्टरमाइंड माना जाता है। पुर्तगाल से दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचने के तुरंत बाद एनआईए की एक टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। वह 2020 से पुर्तगाल में छिपा हुआ था। एनआईए ने अपनी जांच के दौरान पाया कि वह हेरोइन की खेपों की तस्करी और वितरण का समन्वय और देखरेख करता था। साथ ही, वह हवाला चैनलों के जरिए मिलने वाले पैसे को पाकिस्तान और कश्मीर स्थित हिजबुल मुजाहिदीन के गुर्गों तक पहुंचाता था, ताकि आतंकवादी गतिविधियों को फंड किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि शेरा ने भारत विरोधी नार्को-आतंक साजिश को आगे बढ़ाने के लिए एक आतंकवादी गिरोह बनाया था। उसने पंजाब में एक ऐसा नेटवर्क स्थापित किया था जो हेरोइन की तस्करी, नशीले पदार्थों से मिलने वाले पैसे की वसूली और उस पैसे को आतंकवादी हैंडलरों और गुर्गों तक पहुंचाने का काम करता था।

शेरा की पहचान भारत स्थित एक नार्को-टेरर मॉड्यूल के मुख्य साजिशकर्ता और हैंडलर के रूप में की। यह मॉड्यूल पाकिस्तान से भारत में हेरोइन की तस्करी में शामिल था।

पंजाब के अमृतसर जिले का रहने वाला शेरा, सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी करने और देश के भीतर एक बड़ा वितरण नेटवर्क चलाने की साजिश का मास्टरमाइंड था। जांचकर्ताओं ने

मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने काफिले से फॉलो एवं पायलट सुविधा हटाई

भोपाल। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डीजल-पेट्रोल की खपत कम करने के लिए की गई अपील के चलते मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अपने वाहनों के काफिले से फॉलो एवं पायलट सुविधा वापस कर दी है। इससे पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी अपने काफिले में वाहनों की संख्या में कटौती की थी।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और पेट्रोलियम ईंधनों के किफायती एवं विवेकपूर्ण उपयोग के संबंध में की गई अपील के अनुक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अपने काफिले के लिए उपलब्ध कराई गई फॉलो एवं पायलट वाहन सुविधा, संबंधित स्टाफ सहित वापस कर दी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऊर्जा संरक्षण एवं सुरक्षा के दृष्टिगत नागरिकों से ईंधन की बचत को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम ईंधनों की बचत केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के हित, पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रहित से जुड़ा विषय है। सरकार जनहित में संसाधनों के सर्वोत्तम एवं जिम्मेदार उपयोग के लिए सतत प्रतिबद्ध है। इससे पहले सीएम मोहन यादव ने अपने वाहन काफिले के वाहन कम करने का फैसला लिया था और कहा था कि प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी के आह्वान पर मध्य प्रदेश राष्ट्रहित में पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के लिए संकल्पित है। आगामी आदेश तक मेरे कारकेड में सुरक्षा की दृष्टि से न्यूनतम वाहन होंगे और भ्रमण के दौरान कोई वाहन रैली नहीं होगी।

सभी मंत्रीगण भी यात्रा के समय न्यूनतम वाहनों का उपयोग करेंगे। साथ ही, नवनियुक्त निगम-मंडल पदाधिकारी सादगी से कार्यभार ग्रहण करेंगे। मुख्यमंत्री के कारकेड में 13 वाहनों के स्थान पर सिर्फ 8 वाहन रहेंगे।

गामा-रे बर्स्ट : ब्रह्मांड में रोजाना होने वाले धमाके, जानिए क्या है और क्यों होता है?

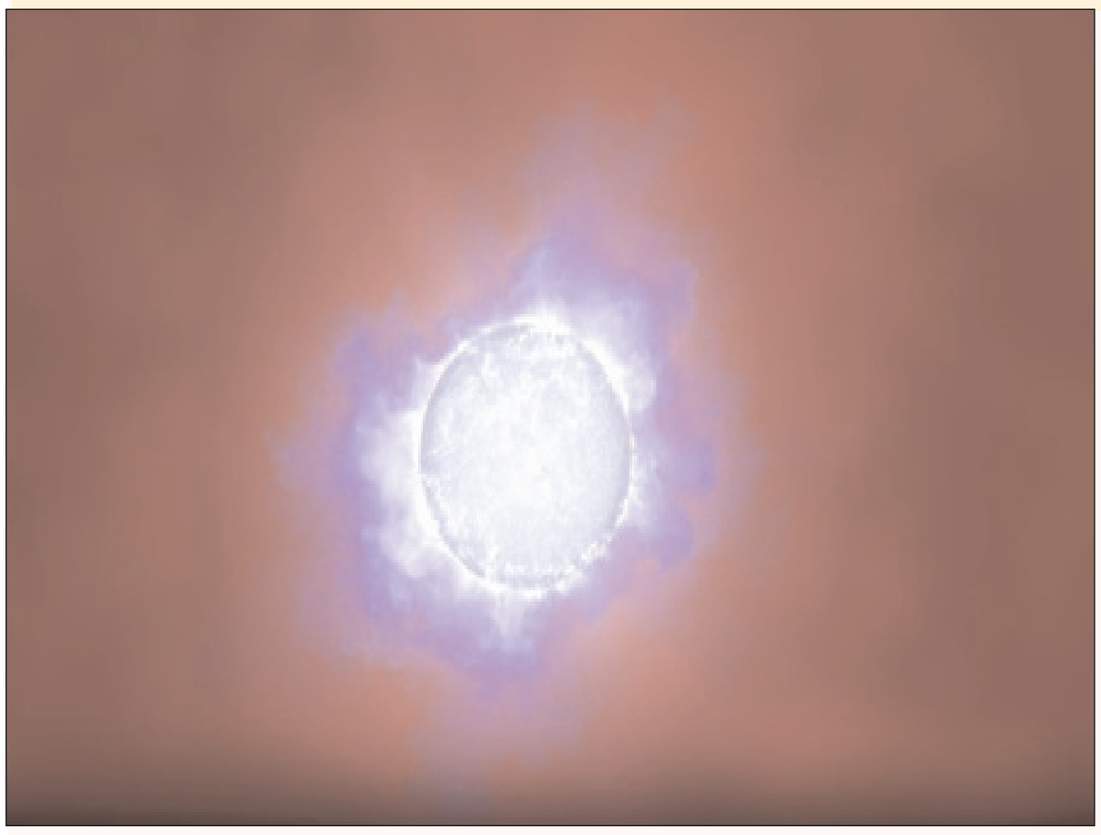

नई दिल्ली। ब्रह्मांड में सबसे शक्तिशाली और रहस्यमयी घटनाओं में से एक है गामा-रे बर्स्ट। ये इतने तीव्र और एनर्जेटिक विस्फोट हैं कि इनकी चमक हमारे सूर्य से कई गुना ज्यादा हो सकती है। खगोलविदों का कहना है कि ये ब्रह्मांड के सबसे बड़े धमाके हैं, जो लगभग हर दिन कहीं न कहीं होते रहते हैं।

1970 के दशक में सैटेलाइट्स के जरिए इनका पहली बार पता चला था। दशकों की रिसर्च के बाद अब वैज्ञानिक समझ गए हैं कि ये विस्फोट बहुत दूर करोड़ों प्रकाश वर्ष दूर होते हैं, फिर भी इतनी शक्तिशाली ऊर्जा छोड़ते हैं कि उन्हें पृथ्वी से आसानी से देखा जा सकता है।

गामा-रे बर्स्ट दो प्रकार के होते हैं। पहला शॉर्ट गामा-रे बर्स्ट या शॉर्ट जीआरबीएस इनका विस्फोट दो सेकंड से भी कम समय तक रहता है। ये मुख्य रूप से न्यूट्रॉन तारों की टक्कर या न्यूट्रॉन तारा और ब्लैक होल के आपस में मिलने से होते हैं। टक्कर के बाद एक नया या बड़ा ब्लैक होल बनता है। वहीं, लॉन्ग गामा-रे बर्स्ट या लॉन्ग जीआरबीएस ये दो सेकंड या उससे ज्यादा समय आमतौर पर एक मिनट तक तक चलते हैं। ये बहुत बड़े और विशाल तारों के खत्म होने से जुड़े होते हैं। जब ऐसे तारे का केंद्र का ईंधन खत्म हो जाता है, तो तारा अपने गुरुत्वाकर्षण में ढह जाता है और उसके केंद्र में ब्लैक होल बन जाता है।

अब सवाल है कि ये धमाके कैसे होते हैं? तो बता दें कि दोनों ही मामलों में नया बना ब्लैकहोल बेहद तेज गति वाली कणों की संकरी किरणें यानी जेट दोनों विपरीत दिशाओं में छोड़ता है। ये जेट प्रकाश की गति के करीब चलते हैं।

जब ये जेट आसपास की गैस और धूल से टकराते हैं, तो भयंकर गामा किरणें पैदा होती हैं। जैसे-जैसे ये जेट आगे बढ़ते हैं, उनकी गति धीमी पड़ती जाती है और वे अपनी ऊर्जा खोते जाते हैं। इस प्रक्रिया में 'आफ्टरग्लो' यानी विस्फोट के बाद की चमक बनती है, जो गामा किरणों से शुरू होकर एक्स-किरणों, दृश्य प्रकाश, इंफ्रारेड और रेडियो तरंगों तक जाती है।

खास बात है कि वैज्ञानिकों को जीआरबीएस की सबसे ज्यादा जानकारी इन्हीं आफ्टरग्लो से मिलती है, जिन्हें कई दिनों या वर्षों तक ट्रैक किया जा सकता है। गामा-रे बर्स्ट न सिर्फ ब्रह्मांड की सबसे खतरनाक घटनाएं हैं बल्कि ये ब्लैक होल, न्यूट्रॉन स्टार और विशाल तारों की मौत जैसे रहस्यों को समझने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वैज्ञानिक अभी भी इनकी कई पहेलियों को सुलझाने में जुटे हुए हैं।

केंद्र ने कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण योजना को मंजूरी दी; 37,500 करोड़ रुपए होंगे खर्च

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने की योजना को मंजूरी दी। इसका वित्तीय परिव्यय 37,500 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इस योजना से कोयला उत्पादक क्षेत्रों में 25 परियोजनाओं में लगभग 50,000 (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

इस योजना के तहत, सरकार ने गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) लिंकेज नीलामी ढांचे के अंतर्गत 'कोयला गैसीकरण की ओर ले जाने वाली सिंथेटिक गैस का उत्पादन' उप-क्षेत्र में कोयला लिंकेज की अवधि को 30 वर्ष तक बढ़ा दिया है, जिससे कोयला गैसीकरण परियोजनाओं में निवेश के लिए दीर्घकालिक नीतिगत निश्चितता सुनिश्चित हो सकेगी।

यह योजना भारत के कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण कार्यक्रम को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे 2030 तक 10 करोड़ टन कोयले के गैसीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और एलएनजी (आयात 50 प्रतिशत से अधिक), यूरिया (आयत करीब 20 प्रतिशत), अमोनिया (100 प्रतिशत आयातित) और मेथनॉल (80-90 प्रतिशत आयातित) जैसे प्रमुख उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम होगी।

इस योजना का उद्देश्य सिंथेटिक गैस और इसके उत्पादों के उत्पादन के लिए नई कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना है, जिसका लक्ष्य लगभग 7 करोड़ टन कोयला/लिग्नाइट का गैसीकरण करना है।

योजना की अन्य विशेषताओं में संयंत्र और मशीनरी की लागत के अधिकतम 20 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन; परियोजना लागत, कोयला इनपुट और सिंथेटिक गैस आउटपुट को बेंचमार्क करने वाले मूल्यांकन ढांचे के साथ एक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से चयन; और परियोजना के लक्ष्यों से जुड़े चार समान किस्तों में प्रोत्साहन का वितरण शामिल है।

आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'किसी एक परियोजना के लिए वित्तीय प्रोत्साहन की अधिकतम सीमा 5,000 करोड़ रुपए है; किसी एक उत्पाद (सिंथेटिक प्राकृतिक गैस और यूरिया को छोड़कर) के लिए अधिकतम सीमा 9,000 करोड़ रुपए है; और किसी एक इकाई समूह के लिए सभी परियोजनाओं पर अधिकतम सीमा 12,000 करोड़ रुपए है। इस योजना के तहत परिकल्पित 75 मिलियन टन गैसीकरण से कोयला/लिग्नाइट के उपयोग से सालाना 6,300 करोड़ रुपए की आय होने की उम्मीद है, साथ ही जीएसटी और अन्य करों से भी राजस्व प्राप्त होगा।

श्रीलंका में डेंगू का कहर जारी, स्वास्थ्य महकमे ने कहा 'मानसून में संक्रमण दर बढ़ सकती है'

कोलंबो। श्रीलंका में डेंगू का कहर दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। जनवरी 2026 से अब तक इस वायरल संक्रमण से 14 लोगों की मौत हो गई है वहीं 27,754 मामले दर्ज किए गए हैं। श्रीलंका के स्वास्थ्य महकमे का कहना है कि देश के सभी 25 जिलों से संक्रमण रिपोर्ट हो रही हैं।

राष्ट्रीय डेंगू नियंत्रण इकाई ने बताया कि 2025 की तुलना में संख्या बढ़ी है। सबसे अधिक संक्रमण पश्चिमी प्रांत में दर्ज किया गया, जबकि मातारा, गाले, रत्नापुरा, कालुतारा और कैंडी में भी 2026 के पहले चार महीनों के दौरान बड़ी संख्या में लोग इससे पीड़ित हुए।

राष्ट्रीय डेंगू नियंत्रण इकाई की सामुदायिक चिकित्सा विशेषज्ञ प्रिसिला समरवीरा ने स्वास्थ्य मंत्रालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा कि मानसून की बारिश से संक्रमण और फैल सकता है।

अधिकारियों ने बताया कि घरों की तुलना में स्कूलों, कार्यस्थलों, धार्मिक संस्थानों के अलावा सरकारी और निजी संस्थाओं में मच्छरों के प्रजनन में अधिक वृद्धि देखी गई है। डेंगू के फैलाव का

प्रमुख कारण कचरे का गलत तरीके से निपटान बताया गया है, जिससे बचाव के लिए जनता के पूर्ण सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

जनता को यह भी सलाह दी गई है कि यदि बुखार के साथ मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, उल्टी, मतली या त्वचा पर चकत्ते जैसे कम-से-कम दो लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें।

डेंगू (जिसे ब्रेक-बोन फीवर भी कहा जाता है) एक वायरल संक्रमण है, जो मच्छरों के माध्यम से लोगों में फैलता है। इसके पीड़ित समशीतोष्ण क्षेत्रों की तुलना में उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक पाए जाते हैं।

अधिकांश लोगों में डेंगू के लक्षण नहीं दिखाई देते। जिनमें दिखते हैं उनमें तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, मतली और त्वचा पर चकत्ते सबसे सामान्य लक्षण होते हैं। अधिकांश मरीज 1-2 सप्ताह में ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ लोगों में डेंगू गंभीर रूप ले लेता है, जिसके लिए अस्पताल में इलाज की आवश्यकता पड़ती है। गंभीर मामलों में डेंगू जानलेवा साबित होता है।

इनफिनिट स्क्रॉल से ऑटो-प्ले तक, सोशल मीडिया बच्चों को स्क्रीन से चिपकाए रखता है, जानें माता-पिता क्या करें?

नई दिल्ली। आजकल के समय में मोबाइल फोन एक बड़ी जरूरत बन चुका है लेकिन परेशानी तब आती है, जब कम उम्र में इसकी जद में बच्चे व युवा पीढ़ी आ जाती है। कड़वी सच्चाई है कि बच्चों को फोन से अलग करना मुश्किल हो गया है। वे घंटों स्क्रॉल करते रहते हैं। क्या आप जानते हैं कि यह कोई संयोग नहीं है? सोशल मीडिया ऐप्स को जानबूझकर ऐसे डिजाइन किया गया है कि बच्चे लगातार उन पर बने रहें।

यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) इस बारे में डिजिटल पेरेंटिंग एक्सपर्ट डॉ. जैकलीन नेसी के हवाले से विस्तार से जानकारी देता है। डॉ. जैकलीन नेसी बताती हैं कि सोशल मीडिया कंपनियां कई खास फीचर्स का इस्तेमाल करती हैं, जो बच्चों और बड़ों को स्क्रीन से चिपकाए रखते हैं। इनमें सबसे आम हैं इनफिनिट स्क्रॉल यानी ऐसी फीड जो कभी खत्म नहीं होती, ऑटो-प्ले मतलब कि वीडियो अपने आप चलते रहते हैं और नोटिफिकेशन, लाइक्स, व्यूज और स्ट्रीक्स जैसी गिनती वाले फीचर्स। इनकी वजह से बच्चे बार-बार ऐप खोलते रहते हैं और समय का पता ही नहीं चलता।

एक्सपर्ट बताते हैं कि सोशल मीडिया का एल्गोरिदम बहुत चालाक तरीके से काम करता है। यह देखता है कि आप कौन से वीडियो ज्यादा देर तक देखते हैं, कौन सी पोस्ट पर रुकते हैं। फिर उसी तरह का और ज्यादा कंटेंट आपके सामने लाता है। इसका मकसद सिर्फ एक है- आप जितना ज्यादा समय प्लेटफॉर्म पर बिताएं, उतना बेहतर। हालांकि, ये एल्गोरिदम बच्चों की भलाई को ध्यान में रखकर नहीं बनाए जाते, बल्कि उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए बनाए जाते हैं।

अब सवाल है कि बच्चे इसमें क्यों ज्यादा फंस जाते हैं? तो एक्सपर्ट बताते हैं कि बच्चों और किशोरों का दिमाग अभी विकसित हो रहा होता है। उनमें खुद पर कंट्रोल करने की क्षमता पूरी तरह नहीं आई होती। वे सोशल रिवार्ड्स जैसे लाइक्स और कमेंट्स के प्रति बहुत संवेदनशील होते हैं। अगर दोस्त सोशल मीडिया पर एक-दूसरे से बात कर रहे हैं और बच्चा उसमें शामिल नहीं है तो उसे अकेलापन महसूस होता है। इसलिए वे ऐप छोड़ पाने में मुश्किल महसूस करते हैं।मानसिक स्वास्थ्य पर इसका गहरा असर पड़ता है। सोशल मीडिया का असर हर बच्चे पर अलग-अलग होता है।

वैक्सीन मैत्री: कोविड संकट में भारत ने 42 अफ्रीकी देशों तक पहुंचाई वैक्सीन

नई दिल्ली। भारत की 'वैक्सीन मैत्री' पहल को लेकर 'इंडियन डिप्लोसी' के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक खास पोस्ट शेयर की गई है। इस पोस्ट में बताया गया, 'वसुधैव कुटुंबकम (पूरी दुनिया एक परिवार है) की भावना पर आधारित 'वैक्सीन मैत्री' पहल ने कोविड-19 महामारी के दौरान दुनिया भर के साझेदार देशों को सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराया।

पोस्ट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया गया है, जिसमें इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट और एंड्योरिंग पार्टनरशिप-शेयर्ड विजन का जिक्र करते हुए भारत और अफ्रीका के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को दिखाया गया है। वीडियो में बताया गया कि साल 2020 में जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही थी और वैक्सीन की भारी कमी थी, उस समय भारत ने सबसे पहले मदद के लिए आगे आने वाले देश की भूमिका निभाई।

वीडियो में बताया गया कि 'वैक्सीन मैत्री' दुनिया के प्रति भारत की जिम्मेदारी और मानवता की भावना का प्रतीक था। भारत ने अफ्रीका के 42 देशों तक मेड-इन-इंडिया वैक्सीन की 4 करोड़ से ज्यादा डोज पहुंचाई। इनमें बोत्सवाना, केन्या, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस, मिस्र, नाइजीरिया, युगांडा, रवांडा, इथियोपिया, जिम्बाब्वे और कई अन्य देश शामिल थे।

वीडियो में यह भी दिखाया गया कि महामारी के सबसे कठिन दौर में भारत ने सिर्फ अपने नागरिकों के लिए ही नहीं सोचा, बल्कि दूसरे देशों की जरूरतों को भी प्राथमिकता दी। 'हर कदम पर साथ मिलकर और मजबूत' के संदेश के जरिए यह भी बताया गया कि भारत और अफ्रीका के रिश्ते सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आपसी भरोसे और सहयोग पर आधारित हैं। वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि भारत को इस बात पर गर्व और विनम्रता दोनों महसूस होती है ।

जयपुर के एसएमएस अस्पताल में बम की धमकी से हड़कंप, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

जयपुर । जयपुर के सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिससे मरीजों, कर्मचारियों और आगंतुकों में दहशत फैल गई। पुलिस टीम, बम निरोधक दस्ते, खोजी कुत्ते और नागरिक सुरक्षा कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और अस्पताल परिसर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

अधिकारियों ने बताया कि एसएमएस अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी भरा संदेश मिलने के बाद अस्पताल में दहशत फैल गई, जिसमें 40 करोड़ रुपये की मांग की गई थी।

खबरों के मुताबिक, अभय कमांड सेंटर को धमकी भरा संदेश मिला था, जिसमें चेतावनी दी गई थी कि अगर पैसा नहीं दिया गया तो अस्पताल को उड़ा दिया जाएगा।

सूचना मिलते ही पुलिस और कई जांच एजेंसियों ने अस्पताल परिसर में बड़े पैमाने पर सुरक्षा अभियान शुरू कर दिया। पुलिस, दमकल और खोजी दल की टीमें मौके पर पहुंचीं और अस्पताल परिसर में गहन तलाशी अभियान जारी है। सुरक्षाकर्मी सभी संदिग्ध वस्तुओं और क्षेत्रों की गहन जांच कर रहे हैं। अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए अधिकारी धमकी भरे संदेश के स्रोत की जांच की जा रही है। गहन जांच के बाद अधिकारियों को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

हालांकि, इस घटना ने राज्यभर में बार-बार होने वाली फर्जी धमकियों से उत्पन्न बढ़ती चुनौती को एक बार फिर उजागर कर दिया है। जयपुर के एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी ने कहा, 'पुलिस नियंत्रण कक्ष में अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद पुलिस और अन्य टीमों ने अस्पताल परिसर की तलाशी ली। हालांकि, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हाल के महीनों में प्रमुख सार्वजनिक संस्थानों और ऐतिहासिक स्थलों को निशाना बनाकर मिली बम धमकियों की एक श्रृंखला के कारण राजस्थान के अधिकारी हाईअलर्ट पर हैं।

क्या आपका बच्चा भी है 'पिकी ईटर'? फॉलो करें ये 7 प्रभावी टिप्स, झट से बनेगी बात

नई दिल्ली। खाने के समय नखरे करना बच्चों की आम समस्या है। कई माता-पिता इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि उनका बच्चा ठीक से नहीं खाता तो उसे जरूरी पोषक तत्व कैसे मिलेंगे। भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चे का खान-पान सही रखना चुनौती भरा काम है लेकिन चिंता करने की जरूरत नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार सही तरीके और धैर्य से इस समस्या को आसानी से सुलझाया जा सकता है।

यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) बताता है कि छोटे बच्चों का स्वाद और पसंद हर दिन बदलती रहती है। दुनियाभर के माता-पिता इस समस्या से जूझ रहे हैं।

अगर आपका बच्चा भी खाने में नखरे करता है तो सात आसान और प्रभावी टिप्स को अपनाकर आप उसे स्वस्थ और पौष्टिक भोजन की ओर प्रेरित कर सकते हैं। ये टिप्स अपनाकर माता-पिता अपने बच्चे को स्वस्थ खान-पान की आदत डाल सकते हैं। धैर्य और सकारात्मक रवैया सबसे जरूरी है।

बार-बार कोशिश करें : नया खाना बच्चे को तुरंत पसंद नहीं आता। किसी नए खाद्य पदार्थ को पसंद करने में उसे 10 बार से ज्यादा चखना पड़ सकता है। हार न मानें, थोड़ी मात्रा में नए खाने को बार-बार दें। जिस चीज को बच्चा नहीं खाता, उसे पसंद की चीज के साथ मिलाकर दें।

अलग-अलग तरह का पौष्टिक खाना दें : बच्चे को रोजाना फल, सब्जियां, अनाज, दालें, डेयरी उत्पाद, मेवे और बीज खिलाएं। अलग-अलग रंग, स्वाद और बनावट वाले खाने दें। एक ही सब्जी को कच्चा और पका दोनों रूप में ट्राई करें। विविधता बच्चे को आकर्षित करती है।

बच्चे को टीम का हिस्सा बनाएं : बच्चे को बाजार ले जाएं और उन्हें फल-सब्जी चुनने दें। घर पर उनकी उम्र के अनुसार छोटा काम सौंपें जैसे सामग्री मिलाना या प्लेट सजाना। जब बच्चा खुद खाना बनाने में शामिल होता है तो उसे खाने का ज्यादा उत्साह होता है।

आईपीएल 2026: कोहली का शानदार शतक, आरसीबी ने केकेआर को 6 विकेट से हराया

रायपुर। विराट कोहली की शतकीय पारी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 57वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स के विरुद्ध 6 विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ आरसीबी प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंच गई है।

शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 192 रन बनाए। इस टीम ने 48 के स्कोर तक फिन एलन (18) और कप्तान अजिंक्य रहाणे (19) के रूप में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खो दिए थे।

यहां से अंगकृष रघुवंशी ने कैमरून ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 46 गेंदों में 68 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दिलाई। कैमरून 24 गेंदों में 1 छक्के और 3 चौकों के साथ 32 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद अंगकृष ने रिंकू सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 46 गेंदों में 76 रन जुटाकर केकेआर को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

रिंकू 29 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 49 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि अंगकृष ने 46 गेंदों में 71 रन बनाए। उनकी इस पारी में 3 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। विपक्षी खेमे से भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड और रासिख सलाम डार ने 1-1 विकेट हासिल किया।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी ने 19.1 ओवर में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम को जैकब बेथेल और विराट कोहली की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 20 गेंदों में 37 रन जुटाए। इसके बाद कोहली ने देवदत्त पड्डिकल के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने 59 गेंदों में 92 रन की साझेदारी की।

पड्डिकल 27 गेंदों में 7 चौकों के साथ 39 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद कोहली ने कप्तान रजत पाटीदार (11) के साथ 28 रन, जबकि टिम डेविड (2) के साथ 23 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

इन खिलाड़ियों के पवेलियन लौटने के बाद विराट कोहली ने मोर्चा संभाला, जिन्होंने 58 गेंदों में अपना 9वां आईपीएल शतक पूरा किया। कोहली 60 गेंदों में 3 छक्कों और 11 चौकों के साथ 105 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से कार्तिक त्यागी ने सर्वाधिक 3 विकेट निकाले। सुनील नरेन को 1 विकेट हाथ लगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम नेशंस कप से पहले ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने घोषणा की है कि भारतीय महिला हॉकी टीम आने वाले एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप न्यूजीलैंड 2025-26 की तैयारियों के लिए 21 मई से 3 जून तक ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप का आयोजन 15 से 21 जून तक ऑकलैंड में होने वाला है। भारतीय महिला हॉकी टीम 26 से 30 मई तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। पहले दो मैच 26 और 27 मई को खेले जाएंगे, जबकि बाकी दो मैच 29 और 30 मई को खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद, टीम न्यूजीलैंड जाएगी, जहां टीम नेशंस कप से पहले अभ्यास मैच खेलेगी।

साल की शुरुआत में भारतीय टीम ने अर्जेंटीना का दौरा किया था। दौरे पर भारतीय टीम 4 मैच खेली थी जिसमें से 2 में जीत दर्ज किया था। इस यादगार दौरे के बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जा रही है। अर्जेंटीना दौरे के बाद भारतीय टीम साई बेंगलुरु में नेशनल कैंप में कड़ी ट्रेनिंग कर रही है और आगामी व्यस्त कार्यक्रम से पहले अपनी कमजोरियों को सुधारने पर काम कर रही है।

आनंदना, कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन के सपोर्ट से, टीम के ड्रैग-फ्लिकर 26 मई से 21 जून तक पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) और ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) में डच लेजेंड ताके ताकेमा के साथ एक स्पेशल ड्रैगफ्लिक ट्रेनिंग क्लिनिक में भी जाएंगे। मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'बहुत खुशी है कि हॉकी इंडिया की वजह से यह टूर संभव हुआ है।

गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों पर आशीष नेहरा के प्रभाव को स्वीकार करना होगा: संजय बांगड़

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर संजय बांगड़ ने कहा है कि गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों पर हेड कोच आशीष नेहरा का प्रभाव है और इसे हमें स्वीकार करना होगा। बांगड़ ने कहा कि नेहरा को जीटी की गेंदबाजी को आईपीएल 2026 की सबसे मजबूत गेंदबाजी इकाई बनाने का श्रेय मिलना चाहिए।

ईएसपीएनक्रिकइंफो से बात करते हुए बांगड़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि आपको आशीष नेहरा के असर को मानना ??होगा। वह अपने नेतृत्व से गेंदबाजों पर असर डालते हैं। सिराज जैसे कई गेंदबाज रहे हैं, जो 2017-18 में करियर की शुरुआत में उनके साथ खेले थे। उस समय, वह आज जैसे मोहम्मद सिराज नहीं थे। जीटी के साथ इस समय का आनंद कगिसो रबाडा भी ले रहे हैं।'

रबाडा के प्रदर्शन में सुधार का श्रेय भी बांगड़ ने नेहरा को दिया।

उन्होंने कहा, '2019 और 2020 सीजन में उनके शानदार साल को नहीं भूलना चाहिए। उसके बाद उनके फॉर्म में गिरावट आई थी। लेकिन नेहरा के नेतृत्व में उनके प्रदर्शन में सुधार आया है। नेहरा रबाडा से उनका बेस्ट निकलवाते हैं। मोहित एक और उदाहरण है जिन्होंने उनके अंडर बहुत अच्छा काम किया। मोहम्मद शमी ने 2023 में और जेसन होल्डर इस सीजन में अच्छा काम कर रहे हैं।'

बांगड़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि उनका जोर सिर्फ टेस्ट-मैच की लेंथ वाली गेंदबाजी करने पर होता है। वह हमेशा यही कहते हैं। जब हम ब्रॉडकास्ट पर भी साथ काम करते थे, तो वह अक्सर इस बात पर जोर देते थे। जाहिर है, एक असर, जिसका आशीष को उतना श्रेय नहीं मिलता। हमें मानना ??चाहिए। उनके पास अपने तेज गेंदबाजों से बेस्ट निकलवाने का तरीका है।

आईपीएल 2026 में जीटी के गेंदबाज बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। गुजरात और एसआरएच के बीच हुए मैच तक सीजन के 11 शीर्ष गेंदबाजों में 5 गुजरात के हैं। रबाडा ने 12 मैच में 21, राशिद खान ने 12 मैच में 16, प्रसिद्ध कृष्णा ने 8 मैचों में 14, जेसन होल्डर ने 6 मैचों में 13 और सिराज ने 12 मैचों में 13 विकेट लिए हैं। इन गेंदबाजों की सफलता में निश्चित रूप से आशीष नेहरा के अनुभव और क्षमता की भूमिका रही थी। इन बेहतरीन गेंदबाजों के दम जीटी अंकतालिका में 16 अंक के साथ शीर्ष पर काबिज है।

रियल बेटिस ने एल्चे पर जीत के साथ चैंपियंस लीग में जगह बनाई

मैड्रिड । रियल बेटिस ने अगले सीजन के लिए यूईएफए चैंपियंस लीग में अपनी जगह बना ली है। बेटिस ने एल्चे पर 2-1 से जीत के साथ ही ला लीगा में पांचवां स्थान हासिल करते हुए अगले सीजन के लिए यूईएफए चैंपियंस लीग में जगह बनाई है।

बेटिस के लिए पाब्लो फोर्नल्स ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने नौवें मिनट में कुचो हर्नांडेज को पहला गोल करने का मौका दिया और फिर 68वें मिनट में पेनल्टी एरिया के बाहर से एक शानदार कर्लिंग शॉट से विजयी गोल किया।

एल्चे ने 41वें मिनट में हेक्टर फोर्ट के जरिए बराबरी कर ली, लेकिन उनकी वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा जब लियो पेट्रोट को एंटनी पर देर से चुनौती देने के लिए सीधे रेड कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया गया। इस नतीजे से बेटिस का 21 साल में पहली बार चैंपियंस लीग में खेलना पक्का हो गया।

वहीं, सेल्टा विगो की उम्मीदें लेवांटे से 3-2 से हार के साथ खत्म हो गईं। लेवांटे सेल्टा विगो पर जीत के बाद बॉटम थ्री से बाहर आ गया।

सेल्टा के लिए फेरान जुटग्ला ने चौथे और 48वें मिनट में गोल किए, लेकिन केर्विन अरियागा और एड्रियन डे ला फुएंते ने दो बार बराबरी की, इससे पहले रोजर ब्रुग ने गोल किया जो लेवांटे के रेलीगेशन की लड़ाई में अहम साबित हो सकता था।

एडेमोला लुकमैन और अलेक्जेंडर सोरलोथ ने गोल करके एटलेटिको मैड्रिड को ओसासुना के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई।

थाईलैंड ओपन: सिंधु, श्रीकांत जीते, आयुष बाहर

बैंकॉक। थाईलैंड ओपन में बुधवार का दिन भारत के लिए मिला-जुला रहा। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत ने जहां दूसरे राउंड में आसानी से अपनी जगह बनाई, वहीं उभरते हुए स्टार आयुष शेट्टी को पहले राउंड से ही बाहर होना पड़ा।

पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु ने चीनी ताइपे की तुंग सिउ-टोंग को महज 33 मिनट में 21-9, 21-12 से हरा दिया। छठी सीड सिंधु ने शुरू से ही रैलियों पर नियंत्रण रखा और तेज प्लेसमेंट के साथ आक्रामक कोर्ट कवरेज को मिलाकर सीजन की अपनी सबसे तेज जीत में से एक हासिल की। पीवी सिंधु का अगला मुकाबला डेनमार्क की अमाली शुल्ज के साथ होगा। दोनों पहली बार आमने-सामने होंगी।

श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल के रीमैच में सिंगापुर के लोह कीन यू को 21-14, 21-15 से हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई।

2013 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी पूरे समय आत्मविश्वास में दिखे और दूसरे गेम में थोड़ी देर की चुनौती के बावजूद आठवें सीड वाले खिलाड़ी को खेल पर हावी नहीं होने दिया।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए चीनी ताइपे के सू ली यांग से भिड़ेंगे।

आयुष शेट्टी जापानी छठे सीड कोडाई नाराओका के खिलाफ मुकाबले को निर्णायक तक ले जाने के बावजूद मोमेंटम बनाए नहीं रख सके।

2-1 के अच्छे हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ मैच में उतरते हुए, भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी की और मैच एक-एक गेम से बराबर कर दिया। लेकिन तीसरा गेम पूरी तरह से एकतरफा हो गया। नाराओका ने अपने खास रिट्रीवल और लगातार तेजी से नियंत्रण मजबूत किया, और 59 मिनट में 21-13, 17-21, 21-4 से शानदार जीत हासिल की।

उन्नति हुड्डा ने घरेलू पसंदीदा पोर्नपावी चोचुवोंग को 11-21, 21-17, 21-16 से हराकर चौंका दिया। 19 साल के अनमोल खरब मौजूदा चैंपियन चेन यू फेई को हराने से चूक गए। पहला गेम जीतने और डिसाइडर में 11-2 की बढ़त बनाने के बाद, भारतीय खिलाड़ी चीनी स्टार की वापसी को रोक नहीं सके क्योंकि चेन ने इंटरवल के बाद तेजी दिखाते हुए 19-21, 21-13, 21-18 से कड़ी टक्कर वाली जीत हासिल की। दूसरी तरफ, थारुन मन्नेपल्ली को जापान के कोकी वतनबे के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

इटैलियन ओपन: कोको गॉफ ने मिरा एंड्रीवा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

रोम । अमेरिका की कोको गॉफ ने रूस की मिरा एंड्रीवा को हराकर इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है।दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी कोको गॉफ को नंबर 8 सीड एंड्रीवा के खिलाफ तीसरे सेट में लगभग 5-1, दो-ब्रेक की बढ़त के साथ, 4-6, 0-2, 6-4 से जीत हासिल करने के लिए पांच मैच पॉइंट्स की जरूरत पड़ी।

एंड्रीवा ने पहले सेट में 3-1 की बढ़त बनाई और कई बार इसे अच्छे से संभाला। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के मुताबिक, पहले सेट में, एंड्रीवा ने 10 विनर और सिर्फ सात अनफोर्स्ड एरर के साथ खत्म किया, और गॉफ के लिए इसका उल्टा हुआ।

गॉफ ने 3-0 की बढ़त बनाई, एक ब्रेक लिया, और दूसरे सेट में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। एंड्रीवा ने दूसरे सेट में 11 अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे गॉफ ने डिसाइडर सेट के लिए मजबूर कर दिया।

शुरू में ऐसा लगा कि गॉफ 5-1 की बढ़त के साथ डबल ब्रेक लेकर जीत जाएंगी। गॉफ ने दूसरे सेट से ही मोमेंटम बनाए रखा था और एंड्रीवा की गलतियों का फायदा उठाया। कोको गॉफ का सेमीफाइनल मुकाबला सोराना सिर्स्टिया से होगा। इस सीजन में गॉफ का रोमानियाई सिर्स्टिया से तीसरा मुकाबला लगातार दूसरे टूर्नामेंट में होगा। अमेरिकी खिलाड़ी अपने 15वें 1000-लेवल डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में पहुंची हैं। वहीं, 2026 में दुबई और मियामी ओपन के बाद तीसरे सेमीफाइनल में गॉफ ने जगह बनाई है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: पाकिस्तान पर जीत के बाद बांग्लादेश के खिलाड़ियों को बड़ा फायदा

दुबई। बांग्लादेश ने ढाका में खेले गए पहले टेस्ट में पाकिस्तान को 104 रन से हराया था। अपने घर में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट में बांग्लादेश की यह पहली जीत थी। बांग्लादेश के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया और इसका फायदा उन्हें बुधवार को जारी आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में हुआ है।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने पहली पारी में शतक लगाया था, जबकि दूसरी पारी में 87 रन की पारी खेली थी। दोनों पारियों में शानदार प्रदर्शन करने वाले शांतो मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे थे। शांतो को उनकी शानदार बल्लेबाजी का परिणाम जीत के साथ ही आईसीसी रैंकिंग में भी मिला। वह 16 पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं। यह उनके करियर की श्रेष्ठ रैंकिंग है। विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने पहली पारी में 71 और दूसरी पारी में 22 रन बनाए थे।

रहीम 2 पायदान उपर चढ़कर 26वें स्थान पर आ गए हैं। मोमिनुल हक, जिन्होंने 91 और 56 रन की पारी खेली थी, 12 पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

टेस्ट के शीर्ष 10 बल्लेबाजों में इंग्लैंड के जो रूट पहले, इंग्लैंड के हैरी ब्रूक दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड तीसरे, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ चौथे, न्यूजीलैंड के केन विलियमसन पांचवें, श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस छठे, दक्षिण अफ्रीका के टेंबा बवुमा सातवें, भारत के यशस्वी जायसवाल आठवें, भारत के शुभमन गिल नौवें और श्रीलंका के दिनेश चांदीमल दसवें स्थान पर हैं।

गेंदबाजी की टेस्ट रैंकिंग में भारत के जसप्रीत बुमराह पहले, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क दूसरे, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी तीसरे, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस चौथे, पाकिस्तान के नोमान अली पांचवें, दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन छठे, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड सातवें, दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा आठवें, ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड नौवें और ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन दसवें स्थान पर हैं।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के अलावा इस समय कोई टेस्ट सीरीज नहीं खेली जा रही है। इसलिए टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष-10 में बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिला है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले मुक्केबाज मनोज कुमार ने बीएफआई के नए नियम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुके मुक्केबाज मनोज कुमार ने बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के नए एथलीट मूल्यांकन नियम की पारदर्शिता पर सवाल उठाया है। इस नए सिस्टम के तहत 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स और 2026 एशियन गेम्स के लिए मुक्केबाजों का चयन होना है।

बॉक्सर मूल्यांकन के बारे में फेडरेशन के नए नोटिफिकेशन पर प्रतिक्रिया देते हुए मनोज ने मॉनिटरिंग प्रोसेस से पुराने खिलाड़ियों, अर्जुन अवॉर्डी, द्रोणाचार्य अवॉर्डी और ओलंपियन के न होने पर सवाल उठाए।

मनोज कुमार ने एक्स पर लिखा, 'पूरी चयन प्रक्रिया सिर्फ हेड कोच, जज और फेडरेशन तक ही सीमित है। पुराने अर्जुन अवॉर्डी, द्रोणाचार्य अवॉर्डी, ओलंपियन और सीनियर खिलाड़ियों को ऑब्जर्वर या चयन मॉनिटर के तौर पर क्यों शामिल नहीं किया गया?'

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता विजेंदर सिंह और कॉमनवेल्थ गेम्स स्वर्ण पदक विजेता अखिल कुमार जैसे अनुभवी नामों की मौजूदगी से यह प्रक्रिया और बेहतर हो सकती थी। उन्होंने कहा कि जब चयन प्रक्रिया में खिलाड़ियों के लिए पारदर्शिता और भरोसे की बात आती है, तो विजेंदर सिंह और अखिल कुमार जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी जरूर पक्की होनी चाहिए थी।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने पहले 13 से 15 मई तक एनएस एनआईएस पटियाला में होने वाले एलीट नेशनल कैंपर्स के लिए एक बदले हुए मूल्यांकन नियम की घोषणा की थी।

नए सिस्टम के तहत, मूल्यांकन '5-जज स्कोरिंग सिस्टम' के आधार पर किया जाएगा। ऐसा बेहतर परिणाम के लिए किया गया है।

मुक्केबाजी प्रतियोगिता के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के हिसाब से हर स्पैरिंग बाउट के खत्म होने के तुरंत बाद स्कोर की घोषणा की जाएगी।

बीएफआई ने यह भी कहा कि पहले अपनाया गया मार्किंग सिस्टम मौजूदा मूल्यांकन में लागू नहीं होगा। बीएफआई ने रविवार को मुक्केबाजों पर स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग टेस्ट किए थे, जिन्हें अब रद्द कर दिया जाएगा। स्पोर्ट्स साइंस टेस्ट, भार प्रबंधन, स्वास्थ्य प्रबंधन और अटेंडेंस में पहले मिले स्कोर वापस ले लिए जाएंगे ।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415